राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 106 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शुक्रवार ,22 अक्टूबर 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

दिल्ली के विनोद नगर में भूमाफियाओं से छुड़वाई जमीन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के उप मुयमंत्री मनीष सिसोदिया ने गुरुवार को वेस्ट विनोद नगर ई-लाक में अधिकारियों के साथ दौरा कर वहां कॉलोनी की बसावट के दौरान बारात घर के लिए निर्धारित की गई जमीन को भूमाफियाओं से छुड़वा कर तीन मंजिला बारात घर बनाने का निर्देश दिये। श्री सिसोदिया ने कहा कि जनता को उनका हक दिलाना केजरीवाल सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों की ओर से यह शिकायत मिल रही थी कि भूमाफियाओं और कुछ असामाजिक तत्वों ने बारात घर के लिए निर्धारित की गई इस जमीन पर कजा कर रखा है जिस कारण स्थानीय लोगों को छोटे समारोहों का आयोजन करने में काफी मुश्किलें आती थी। इसे देखते हुए निर्णय लिया गया कि इस जमीन को भूमाफियाओं के चंगुल से मुत करके यहां जनता की तीन मंजिला आधुनिक बारातघर का निर्माण करवाया जाएगा।

सिद्दारामैया ने स्वास्थ्य मंत्री को मूर्ख करार दिया

बेंगलुरु, (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुयमंत्री सिद्दारामैया ने गुरुवार को कर्नाटक के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष रमेश कुमार को जेल भेजने का संकल्प लेने वाले राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. के सुधाकर को मूर्ख करार दिया। श्री सिद्दारामैया ने यहां संवाददाताओं से कहा कि यह एक ऐसे व्यति के अहंकार की अभिव्यति है, जो सत्ता के नशे में है। वह, जिसने कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीता और ऑपरेशन लोटॅस के माध्यम से सत्ता हासिल करने के लिए भाजपा में शामिल हो गया। वह सोच रहा है कि सत्ता शाश्वत है। यह शाश्वत नहीं है। जनता 2023 में भाजपा को घर भेजेगी। उस समय हम देखेंगे कि कौन जेल भेजता है और कौन जेल जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर कोई अन्य व्यति को जेल भेजना चाहता है, तो उसका अपराध होना चाहिए।

भाजपा के राज मे किसान बदहाल : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुयमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा अजीबोगरीब पार्टी है। कोई जिए मरे, चाहे जैसी आपदा आए भाजपा हमेशा उत्सव मनाने में ही मगन रहती है। वह अपनी आदत से मजबूर है कि आपदा में भी उसे अवसर और उत्सव-उत्साह का आयोजन करना अच्छा लगता है। किसानों की हालत भाजपा राज में बदहाल होती गई है। उसकी आवाज गाड़ियों से कुचली जा रही है। किसानों से भाजपा सरकार ने जो वादे किए वे सभी झूठे साबित हुए हैं। फिर भी भाजपा बड़े-बड़े विज्ञापन छपाकर लोगों को भ्रमित करने में लगी है। जीत के टीके का भी कई बार उत्सव मनाया जा चुका है। हर बार रिकार्ड टीकाकरण का दावा होता है। कोरोना काल में लोगों को भयानक त्रासदी से गुजरना पड़ा। मौतों का सिलसिला नहीं थमने से लाशें भी टोकन पर जलने लगी थी। अस्पतालों में दवा, इलाज के अभाव में मरीज तड़पते रहे।

किसानों को प्रदर्शन का अधिकार है, पर सड़क नहीं रोकी जा सकती: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को किसान आंदोलन के चलते सड़क बंद के मामले पर सुनवाई की। सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि विरोध प्रदर्शन का अधिकार है लेकिन सड़क नहीं रोकनी चाहिए। इसके साथ ही कोर्ट ने किसान यूनियनों को जवाब दाखिल करने को कहा है।

कोर्ट ने सुनवाई करते हुए किसानों से कहा कि विरोध प्रदर्शन का अधिकार है लेकिन इस तरह सड़क नहीं रोकी जा सकती। कोर्ट ने किसान यूनियनों को जवाब दाखिल करने को कहा है और अगली सुनवाई तक का समय दिया है। अगली सुनवाई सात दिसंबर को होगी।

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने मीडिया से कहा कि रास्ता किसान प्रदर्शनकारियों ने नहीं रोका है, बल्कि पुलिस ने इन बैरिकेड के जरिये लोगों की आवाजाही रोकी है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट पहले जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान किसान आंदोलन को लेकर नाराजगी जता चुका है, जिसके चलते दिल्ली बार्डर के कई रास्ते बंद हैं। पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली बार्डर पर प्रदर्शन को लेकर किसान संगठनों से पूछा था कि जब मामला अदालत में है, तब किसान प्रदर्शन क्यों कर रहे हैं।

बता दें कि यूपी, हरियाणा, पंजाब

और राजस्थान समेत तमाम राज्यों के किसान केंद्रीय कृषि कानूनों को रद करने को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। 27 नवंबर से दिल्ली-एनसीआर के बार्डर पर किसानों का प्रदर्शन जारी है। किसानों का कहना है कि जब तक तीनों केंद्रीय कृषि कानून पूरी तरह से वापस नहीं लिए जाते हैं तब तक वह प्रदर्शन खत्म नहीं करेंगे।

आपको बता दें कि गुरुवार को सड़कों पर विरोध कर रहे किसानों को हटाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एसके कौल ने कहा कि सड़कें क्लियर होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम बार-बार कानून तय करते नहीं रह सकते। आपको आंदोलन करने का अधिकार है, मगर सड़क अनिश्चितकाल के लिए ब्लॉक नहीं कर सकते। अब कुछ समाधान निकालना होगा। हमें सड़क जाम के मुद्दे से समस्या है।

दरअसल, याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि नोएडा से दिल्ली को जोड़ने वाली सड़कें किसान आंदोलन के चलते बंद हैं और इसकी वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन सड़कों को खोला जाना चाहिए। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने पिछली सुनवाई में केंद्र सरकार से कहा था कि आखिर अब तक सड़कें बंद क्यों हैं। प्रदर्शन करने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन सड़कें ब्लॉक नहीं होनी चाहिए।

बॉर्डर खाली करने की खबर अफवाह : किसान मोर्चा

भाकियू के मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र मलिक ने हटकर बात कही है। उन्होंने कहा कि कुछ समय से यह अफवाह फैलाई जा रही हैं कि गाज़ीपुर बार्डर खाली किया जा रहा है। यह पूर्णतया निराधार है। उन्होंने कहा कि हम यह दिखा रहे हैं कि रास्ता किसानों ने नहीं, बल्कि दिल्ली पुलिस ने बंद किया है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि गाजीपुर बार्डर पर आंदोलन जारी रहेगा। आंदोलन से हटने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

रास्ता तो दिल्ली पुलिस ने रोक रखा है :राकेश टिकैत

गाजियाबाद के यूपी गेट पर बृहस्पतिवार को किसानों ने अपनी गाडियां दिल्ल-मेरठ एक्सप्रेस वे दिल्ली की ओर जाने वाली सर्विस रोड पर बैरिकेटिंग के पास लगा दिए। किसानों ने सरकार पर बैरिकेटिंग लगाकर रास्ता रोकने और किसानों को बदनाम करने का आरोप लगाया। भारतीय किसान यूनियन ने ट्वीट कर कहा कि यह अफवाह फैलाई जा रही है कि गाज़ीपुर बॉर्डर खाली किया जा रहा है। यह निराधार है। हम यह दिखा रहे है कि रास्ता किसानों ने नहीं दिल्ली पुलिस ने बंद किया है।

भाकियू राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि हमने रास्ते नहीं रोक रखे हैं। ना ही यूपी गेट पर और ना ही सिंधु बॉर्डर पर किसानों ने रास्ते बंद कर रखे हैं। यह रास्ते बेरिकेटिंग लगाकर रोके हुए हैं। बेरिकेटिंग सरकार के द्वारा लगाई गई है। यानी रास्ते सरकार ने रोक रखे हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए कहा रास्ते रोकना बिल्कुल गलत है। रास्ते चलने के लिए हैं। सरकार को रास्ते खोलने चाहिए और ना कि बंद करवाना चाहिए। जिससे हर कोई आवागमन कर सके और किसी को भी परेशानी नहीं हो। हम भी आगे चलेंगे। जब तक सरकार किसानों की मांग को पूरा नहीं करती है। किसानों का आंदोलन जारी रहेगा। पहले भी कई आंदोलन वर्षों तक चले हैं। सरकार भी किसानों की एक नहीं, दो नहीं, तीन साल में मांग मानेगी। जब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने लोगों की परेशानी होने को लेकर कहा कि हमारे से लोगों को कोई दिक्कत नहीं है। हमारे वाहन भी रास्ते में बेरिकेटिंग लगी होने के चलते खड़े हैं।

100 करोड़ टीकाकरण का आंकड़ा पार होने पर देशभर में जश्न, रोशनी में डूबी एतिहासिक धरोहरें

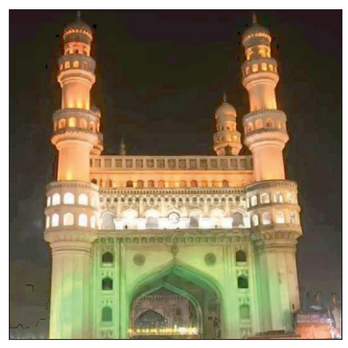

नई दिल्ली । भारत ने बृहस्पतिवार को कोविड रोधी टीकाकरण अभियान में 100 करोड़ डोज लगाने का आंकड़ा पार कर लिया। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर पुरातत्व सर्वेक्षण ने देश की 100 स्मारकों को तिरंगे की रोशनी से जगमग किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने राम मनोहर लोहिया अस्पताल का दौरा कर स्वास्थ्यकर्मियों से उनके अनुभव जाना और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। यही नहीं इस मौके केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने एक गीत और एक फिल्म जारी की। इसमें टीकाकरण की शुरुआत के प्रयासों को दिखाया गया है.

31 फीसद से अधिक को दोनों डोज– भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की ओर से हैदराबाद में चारमीनार को तिरंगे की रोशनी से जगमग किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक देश की वयस्क जनसंख्या में 31 फीसद से अधिक लोगों को टीके की दोनों खुराक दी जा चुकी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश के नौ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 18 साल से अधिक की शतप्रतिशत आबादी को कोविड-19 रोधी वैक्से सीन की एक खुराक दी जा चुकी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक देश की 75 फीसद से ज्यादा वयस्क आबादी को वैक्सीन की कम से कम एक खुराक दी जा चुकी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक गोवा, अंडमान निकोबार द्वीप समूह, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, लक्षद्वीप, सिक्किम, उत्तराखंड और दादरा एवं नगर हवेली में अब तक सभी वयस्क लोगों को टीके की कम से कम एक खुराक लग चुकी है।

टीकाकरण में टॉप पर यूपी– उत्तर प्रदेश कोविड रोधी वैक्सीन की सबसे ज्यादा खुराक देने वाले शीर्ष पांच प्रदेशों में सबसे ऊपर है। इसके बाद महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, गुजरात और मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा डोज लगाई गई हैं।

अब सभी को दूसरी खुराक देने पर होगा जोर – केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया का कहना है कि कोविड रोधी वैक्से सीन की सौ करोड़ खुराक दिए जाने के बाद अब हम दूसरी खुराक देने के लिए मिशन मोड में काम करेंगे ताकि लोग

100 करोड़ वैक्सीनेशन को लेकर कांग्रेस का सरकार पर निशाना

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस ने देश में कोरोना रोधी टीकों की दी गई खुराक की संख्या के 100 करोड़ के पार होने के बाद गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को यह जवाब देना चाहिए कि साल 2021 के खत्म होने में शेष बचे 70 दिनों के भीतर देश के सभी वयस्कों का पूर्ण टीकाकरण कैसे किया जाएगा. पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह दावा भी किया कि जश्न मनाने से लोगों के जख्म नहीं भरने वाले हैं और इस सरकार अपने कोरोना कुप्रबंधन के कारण लाखों लोगों की जान जाने की जवाबदेही से नहीं बच सकती.

रणदीप सुरजेवाला ने यह भी कहा कि सरकार को एक 'कोरोना जांच आयोग' का गठन करना चाहिए ताकि नरेंद्र मोदी सरकार की लापरवाही की जांच हो और मरने वालों का फिर से सर्वेक्षण कर पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा दिया जा सके. कांग्रेस महासचिव ने संवाददाताओं से कहा, 'हम चिकित्सकों, नर्सों, पैरामेडिकल के

कर्मचारियों, अस्पतालों का आभार प्रकट करते हैं. 100 करोड़ खुराक के लिए पूरा देश उनका कृतज्ञ है.'

'खुद की पीठ थपथपाने में लगी है सरकार'– कांग्रेस के प्रवक्ते ता ने दावा किया, 'प्रधानमंत्री मोदी जी और उनकी सरकार एक बार फिर स्वांग कर खुद का पीठ थपथपाने में लगी हैं. मोदी सरकार जान ले कि जश्न मनाने से जख्म नहीं भरने वाले हैं. मोदी सरकार के निकम्मेपन और आपराधिक लापरवाही के कारण देशवासियों की जान जोखिम में डालने के लिए जवाबदेही का हिसाब मांगने का समय आ गया है.'उन्होंने कहा, 'देश के 74 करोड़ वयस्क भारतीयों को 106 करोड़ खुराक कब तक दी जाएगी? देश में 103 करोड़ लोग वयस्क हैं. इनमें से 29 करोड़ लोगों को कोरोना रोधी टीकों की दोनों खुराक दी जा चुकी है. यानी 42 करोड़ लोगों को एक खुराक दी गई है. इसका मतलब यह है कि 32 करोड़ वयस्क ऐसे हैं जिन्हें आज तक एक भी खुराक नहीं दी गई.' सुरजेवाला ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने कहा था कि 31 दिसंबर, 2021 तक सब वयस्कों को दोनों खुराक दे दी जाएगी. अब 70 दिन बचे हैं. इसका मतलब यह है कि अभी रोजाना 1.51 करोड़ खुराक दी जानी चाहिए. लेकिन पिछले छह दिनों के रोजाना औसतन 39 लाख खुराक दी गई. हम जानना चाहते हैं कि 70 दिन में 106 करोड़ खुराक कैसे दी जाएगी?'उन्होंने आरोप लगाया, 'जब देश के लोग कोरोना से ग्रस्त थे, ऑक्सीजन के लिए बेहाल थे, जरूरी दवाओं के लिए लाखों रुपये लिये जा रहे थे, अस्पतालों में बिस्तर नहीं थे, ऐसे समय भाजपा सरकार ने देशवासियों को असहाय छोड़ दिया था.'

'एक मॉडल नेटवर्क प्लानिंग बॉडी का भी निर्माण करेगी सरकार- देखरेख करेगा वाणिज्य मंत्रालय' :अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है. केंद्रीय कैबिनेट ने आज डीए 3 प्रतिशत बढ़ाकर 18 से 21 प्रतिशत किया गया है. इसके साथ ही गतिशक्ति योजना पर भी कैबिनेट ने बड़ा फैसला लिया है. केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि एक मॉडल नेटवर्क प्लानिंग बॉडी निर्माण किया जाएगा और इसका कोऑर्डिनेशन वाणिज्य मंत्रालय करेगा.

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पीएम गति शक्ति आर्थिक क्षेत्रों के लिए मल्टी- मॉडल कनेक्टिविटी के लिए नेशनल मास्टर प्लान को मंजूरी दी है. इस मास्टर प्लान की थ्री-टियर सिस्टम में मॉनिटरिंग होगी. कैबिनेट सचिव स्े तर के अधिकारी इसकी अध्यक्षता करेंगे. वहीं एक सचिवों एमपावर ग्रुप ऑफ सेक्रेटरीज बनेगा. इस एमपावर ग्रुप ऑफ सेक्रेटरीज में 18 मंत्रालयों के सचिव और हेड ऑफ लॉजिस्टिक डिवीजन के मेंबर कन्वेयर के रूप में काम करेंगे.

विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के नेटवर्क योजना प्रभाग के प्रमुखों के प्रतिनिधि के साथ एक मल्टी मॉडल नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप का गठन किया जाएगा. इस टीएसयू में एवियशन, मैरीन टाइम, पब्लिक ट्रांसपोर्ट, रेल, रोड एंड हाइवेज, पोर्ट, इन सब विभागों के डोमेन एक्सपर्ट रहेंगे. साथ ही साथ सब्जेक्ट मैटर एक्सपर्ट्स अर्बन एंड ट्रांसपोर्ट प्लानिंग, स्ट्रक्टचर्स जोकि रोड, ब्रिज और बिल्डिंग्स के, पावर, पाइपलाइन, जीआईएस, आईसीटी, फाइनेंस मार्केट, पीपीपी, लॉजिस्टिक्स, डेटा लॉजिस्टिक्स द्वारा उनके सब्जेक्ट मैटर एक्सपर्ट्स भी हिस्सा रहेंगे.

सरकार ने महंगाई भत्ता 3 फीसदी बढ़ाया

कैबिनेट बैठक में केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ते को 3 फीसदी बढ़ाने को मंजूरी दी है. इससे केंद्र के 47.14 लाख कर्मचारियों और 68.62 लाख से ज्यादा पेंशनर्स को फायदा होगा. इस फैसले से सरकार पर 9488 करोड़ रुपये का अतिरिक्े त बोझ पड़ेगा. नया दर 1 जुलाई 2021 से लागू होगा. अनुराग ठाकुर ने कहा कि महंगाई भत्ता मौजूदा बेसिक पे/पेंशन के 28 फीसदी की मौजूदा दर से 3 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है.

इस दौरान केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने वैक्सीन पर राजनीति करने वाले नेताओं पर निशाना साधा है. अनुराग ठाकुर ने कहा कि वैक्े सीनेशन को लेकर जो लोग जनता को गुमराह कर रहे थे, आज उनको जवाब मिल गया है. विपक्ष ने जनता को गुमराह करने की खूब कोशिश की लेकिन जनता उनकी बातों में नहीं आई. देश ने आज 100 करोड़ वैक्सीनेशन का आंकड़ा पार कर लिया है.

बिहार के सभी पूर्ववर्ती सीएम की राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने की तारीफ, शराबबंदी के लिए नीतीश की प्रशंसा

पटना । राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने बिहार में शराबबंदी कानून को लागू करने के लिए नीतीश कुमार की सरकार की तारीफ की। उन्होंने उस दौर को याद किया जब वह बिहार में राज्यपाल थे और पक्ष-विपक्ष के सदस्यों ने विधानसभा एवं विधान परिषद में सर्वसम्मति से राज्य में शराब पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया था। बिहार विधानसभा भवन के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि संविधान में राज्य के कर्तव्य के रूप में आम लोगों के स्वास्थ्य को सुधारने की पहल का भी उल्लेख है।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने कहा कि नीति निर्देशक तत्वों के तहत इस कर्तव्य में मादक पेय एवं सेहत के लिए हानिकारक पदार्थों के सेवन को रोकना भी शामिल है। गांधी के सिद्धांतों पर आधारित इस संवैधानिक व्यवस्था को विधानसभा द्वारा कानून का दर्जा देकर समाज एवं खासकर कमजोर वर्ग की महिलाओं के लिए कल्याणकारी कदम उठाया गया, जिसे कानून का दर्जा देने का मौका मुझे मिला था।

राष्ट्रपति ने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार में जनसेवा की समतामूलक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आजादी के बाद सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री पद के निर्वहन का कीर्तिमान बनाया है। उनका सहयोग मुझे बिहार के राज्यपाल के रूप में भी मिला और अब राष्ट्रपति के रूप में भी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार में सामाजिक और आर्थिक बदलाव के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए राज्य के सभी पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री प्रशंसा के पात्र हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहारी लोग तो राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द को भी बिहारी मानते हैं। उन्होंने वजह बताते हुए कहा कि कोविन्द करीब दो वर्ष तक बिहार

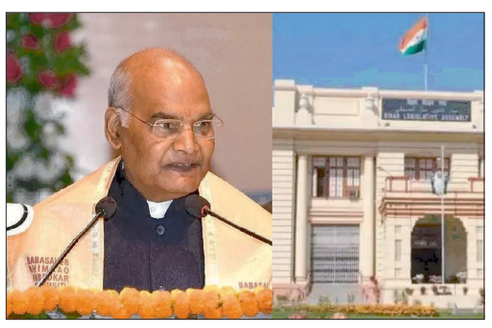

के राज्यपाल रहे थे। बिहार सीएम ने कहा कि राज्यपाल रहते हुए उन्हें राष्ट्रपति बनने का मौका मिला। नीतीश ने कहा कि जाकिर हुसैन साहब पहले यहां के राज्यपाल थे, लेकिन पहले वे उप राष्ट्रपति बने तब राष्ट्रपति बने।

'हर क्षेत्र में बिहार का खास योगदान'

राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि बिहार की धरती के कई वीर सपूत देश के कर्णधार हुए हैं. उनकी बदौलत ही देश ने विश्व पटल पर अपनी अलग पहचान बनाई है. उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र में बिहार के योगदान से देश ने विकास के नए आयामों को छुआ है. देश में चल रही विकास की बयार में बिहार और इसकी जनता का योगदान अतुल्य है. इसके साथ ही राष्ट्रपति ने बिहार के शैक्षणिक उत्कर्ष की चर्चा करते हुए उस दौर की चर्चा की, जब नालंदा विश्वविद्यालय, बिक्रमशिला विश्वविद्यालय और उदवंतपुरी जैसे विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थानों ने देश को समृद्ध और संशक्त बनाया था.

'2047 तक बिहार अपनी ऊंचाई को छुए'

राष्ट्रपति ने बिहार की विरासत की चर्चा करते हुए कहा कि इस राज्य ने देश को आर्यभट्ट जैसे वैज्ञानिक और चाणक्य जैसे नीति निर्माता दिए. जिनकी बदौलत राज्य का भविष्य बेहतर हुआ. राष्ट्रपति ने बिहार की जनता और जनप्रतिनिधियों से बड़े विश्वास के साथ कहा कि सुशिक्षित, संस्कारित और विकासित बिहार का इंतजार पूरा देश कर रहा है.

क्योंकि इस राज्य के लिए इन चीजों को पाना मुश्किल काम नहीं है. उन्होंने जनमानस की उम्मीद को अपनी उम्मीद से जोड़ते हुए कहा कि साल 2047 तक बिहार अपनी उस ऊंचाई को छुए, जहां मानव विकास के पैमाने पर वह अग्रणी राज्य बन सके. ताकि इतिहास बनाने वाला बिहार एक नए इतिहास की ओर कदम बढ़ा सके.

सरहद वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी ने कहा ...

पूर्वी लद्दाख : उपकरणों का क्षमता से अधिक इस्तेमाल करना पड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले साल पूर्वी लद्दाख में उपजे हालात में बड़ी संख्या में वायु सेना कर्मियों को स्वयं को परिस्थितियों के अनुकूल बनाना पड़ा तथा उपकरणों का उनकी क्षमता से अधिक इस्तेमाल करना पड़ा। लेकिन अगर परिस्थितियां लंबे समय तक ऐसी रहती हैं तो बल की तैयारी अब काफी बेहतर है। वायु सेना प्रमुख ने यहां एक रक्षा कॉन्क्लेव में कहा कि पिछले एक साल में क्षेत्र की कठोर परिस्थितियों में सामने आईं चुनौतियों के कारण हमें आभास हुआ है कि हम कहां पिछड़ गए हैं भले ही

> वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले साल पूर्वी लद्दाख में उपजे हालात में बड़ी संख्या में वायु सेना कर्मियों को स्वयं को परिस्थितियों के अनुकूल बनाना पड़ा तथा उपकरणों का उनकी क्षमता से अधिक इस्तेमाल करना पड़ा।

यह वहां रहने वाले लोगों के लिए पर्याप्त परिधानों और रिहायश की बात हो। उन्होंने कहा, पूर्वी लद्दाख में पिछले साल जो हालात बने, उससे हम बहुत वाकिफ नहीं थे, खासतौर पर उस तरह के माहौल में जिसमें हमें अभियान चलाने की जरूरत पड़ी। इसके लिए बड़ी संख्या में सैनिकों को बहुत कम समय में परिस्थितियों के अनुकूल खुद को ढालना पड़ा, उपकरणों का क्षमता से अधिक इस्तेमाल करना पड़ा, कुछ का इस तरह इस्तेमाल करना पड़ा जिनकी अनुमति नहीं थी। वायु सेना प्रमुख ने कहा, हमने उपकरणों को उंचाई पर पहुंचाया।

ह्यउन उंचाइयों से भी ऊपर जो जांची-परखी थीं। पिछले साल जून के मध्य में पूर्वी लद्दाख में तनाव बढ़ने के बाद, वायु सेना ने वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास पूर्वी लद्दाख और अन्य स्थानों पर सुखोई 30 एमकेआई, जगुआर और मिराज 2000 विमानों जैसे अपने लगभग सभी अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमानों को तथा युद्धक हेलीकॉप्टरों को तैनात किया था। कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित सम्मेलन में वायु सेना प्रमुख ने एक प्रश्न के उत्तर में क्षेत्र में वायु सेना के सामने आने वाली अन्य चुनौतियों को भी साझा किया। उन्होंने कहा कि जवानों की सेहत का ध्यान रखते हुए उन्हें लगातार बारी-बारी से तैनात करने की भी चुनौती रही है। एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा, नतीजतन, पिछले एक साल में, हमने महसूस किया है कि कहां कमी है, चाहे वह लोगों के रहने के लिए पर्याप्त परिधानों, आश्रयों के मामले में हो। इसलिए, हमने अब उन सभी कमियों को दूर कर लिया है, और मुझे लगता है, हम बेहतर तरीके से तैयार हैं, अगर यह और लंबा चलता है तो हम इस सर्दी में पिछले साल की तुलना में ज्यादा बेहतर तरीके से तैयार हैं।

मुझपर विश्वास न करके कांग्रेस को ही होगा नुकसान: अमरिंदर सिंह

चंडीगढ़, एजेंसी। खुद के राजनीतिक दल के ऐलान के दो दिन के बाद पंजाब के पूर्व मुख्े यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने गुरुवार को कांग्रेस के महासचिव हरीश रावत पर जमकर निशाना साधा. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने उन पर भरोसा न करके और प्रदेश पार्टी की कमान नवजोत सिंह सिद्धू जैसे अस्थिर व्यक्ति के हाथों में देकर अपने हितों को नुकसान पहुंचाया है.

पूर्व मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार रवीन ठुकराल ने अमरिंदर सिंह के हवाले से ट्वीट किया, 'आपकी आशंका यह है कि मैं राजे य में कांग्रेस के हितों को नुकसान पहुंचाऊंगा. हरीश रावत जी, पार्टी ने मुझ पर भरोसा न करके और नवजोत सिंह सिद्धू जैसे अस्थिर व्यक्ति के हाथों में पार्टी की कमान देकर अपने

स्वयं के हितों को नुकसान किया है. सिद्धू केवल खुद के प्रति वफादार हैं.'

एक ट्वीट में अमरिंदर सिंह ने कहा, 'हरीश रावत जी, आज आप मुझ पर अकाली दल को साढ़े चार साल तक मदद करने का आरोप लगा रहे हैं. के या ऐसा आपको इसलिए लगता है कि मैं 10 सालों से उनके खिलाफ कोर्ट में केस लड़ रहा हूं? अगर ऐसा है तो वर्ष 2017 के बाद से मैंने पंजाब में कांग्रेस के लिए सभी चुनाव क्यों जीते हैं?'

पंजाब कांग्रेस के नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने गुरुवार को अमरिंदर सिंह को केंद्र के तीन कृषि कानूनों का वास्तुकार बताया. जिसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री ने पटलवार करते हुए पूर्व क्रिकेटर को एक 'धोखेबाज' करार दिया. सिद्धू की टिप्पणी सिंह के इस बयान के दो दिन बाद सामने आई कि जल्द ही वह अपना राजनीतिक दल बनाएंगे और उन्हें उम्मीद है कि यदि किसानों के हितों से संबंधित मुद्दे का हल निकाला जाता है, तो भाजपा के साथ सीट बंटवारे पर विचार किया जा सकता है. पिछले महीने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले सिंह ने यह भी कहा था कि वह समान विचारधारा वाले दलों जैसे कि टूटे अकाली समूहों के साथ गठबंधन पर विचार कर रहे है.

सार समाचार

नेपाल में भूस्खलन व बाढ़ से 48 लोगों की मौत, प्रधानमंत्री ने की राहत की घोषणा

काठमांडू। नेपाल में भारी बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ से पिछले 48 घंटे में 48 लोगों की मौत हो गई जबकि 31 लापता हैं। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि राहत और बचाव कार्य के लिए सेना तथा पुलिस को लगाया गया है। गृह मंत्रालय के अनुसार, पूर्वी नेपाल के इलम जिले में सबसे ज्यादा 11 लोगों की मौत हुई। इसके अलावा दोती में नौ लोगों को जान गंवानी पड़ी। मंत्रालय के प्रवक्ता फणीन्द्र मणि पोखरेल के अनुसार हुमला, धनकुटा और पंचथर में भूस्खलन के कारण छह-छह लोगों की मौत हो गयी। इसके अलावा बैतड़ी में चार, कालिकोट, डडेलधुरा, प्यूथन और उदयपुर में एक-एक तथा सुनसरी में दो लोगों की मौत हुई। इस बीच प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने मृतकों के परिजनों और बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत की घोषणा की है।

पाकिस्तान में बम विस्फोट में चार लोगों की मौत

पेशावर। अफगानिस्तान की सीमा से लगे पाकिस्तान के अशांत कबायली जिले में बुधवार को एक शक्तिशाली बम विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। जिला पुलिस अधिकारी समद खान ने बताया कि बाजौर कबायली जिले के टियारा बंदगई क्षेत्र के तहसील ममोंद में बम विस्फोट हुआ। मृतकों में दो सुरक्षाकर्मी और दो पुलिसकर्मी शामिल हैं। पुलिस और सुरक्षा बलों ने बम विस्फोट के दोषियों की गिरफ्तारी के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

मस्जिद जाने में भी लगता है डर, खुदा का नाम लेकर जाते हैं; अफगानिस्तान के शियाओं की आप बीती

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से अल्पसंख्यक समुदाय के लोग डरे हुए हैं। हजारा और शिया समुदाय के लोगों को लगातार टारगेट किया जा रहा है। पिछले दो शुक्रवार को जुम्मे की नमाज के दौरान मस्जिदों में आत्मघाती बम विस्फोट कर शिया लोगों को निशाना बनाया गया है। इन हमलों की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली है। रिपोर्ट्स बताते हैं कि अल्पसंख्यक समुदाय के लोग डर के मारे मस्जिदों में नहीं जा रहे हैं। कई लोगों ने कहा है कि वह घर से निकलते हुए अल्लाह से दुआ करते हैं कि वह सही सलामत घर लौटें क्योंकि उन्हें यकीन नहीं है कि वह जिंदा घर लौटेंगे। बता दें कि पिछले तालिबान शासन के दौरान भी अल्पसंख्यों को बुरी तरह से टारगेट किया गया था। इन अल्पसंख्यकों को सुन्नी चरमपंथियों द्वारा सच्चे मुसलमान के तौर पर नहीं देखा जाता है। एक अनुमान के मुताबिक अफगानिस्तान की कुल आबादी में करीब 15 फीसद लोग शिया मुस्लिम हैं। इसमें ताजिक, पश्तून और हजारा भी शामिल हैं। ये अल्पसंख्यक अफगान राजनीति की जातीय और आर्थिक प्रतिद्वंद्विता के शिकार भी रहे हैं। हालांकि तालिबान ने वादा किया है कि अफगानिस्तान के सभी जातीय समूहों की रक्षा की जाएगी लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा है। तालिबान अधिकारियों ने पिछले हफ्ते शिया मस्जिदों में सुरक्षा बढ़ाने का वादा किया था लेकिन लोगों को भरोसा नहीं है। अफगानिस्तान में आत्मघाती हमलों में इतने लोग मारे गए हैं कि उनका काबुल में एक विशेष कब्रिस्तान है, जिसे शहीदों का बगीचा कहा जाता है।

महिला अधिकार रैली में मीडिया पर तालिबान का हमला

तालिबान ने काबुल में महिला अधिकारों के समर्थन में हो रहे एक प्रदर्शन के मीडिया कवरेज को रोकने के लिए कई पत्रकारों पर हमला कर दिया. महिलाएं घर से बाहर निकलने, पढ़ने और काम करने के अधिकारों की मांग कर रही थीं.प्रदर्शन में करीब 20 महिलाएं काबुल स्थित शिक्षा मंत्रालय के पास से वित्त मंत्रालय तक जुलूस निकाल रही थीं. उन्होंने सर पर रंग बिरंगे स्कार्फ पहन रखे थे और वो ﷺशिक्षा का राजनीतिकरण मत करोﷺ जैसे नारे लगा रही थीं. उन्होंने अपने हाथों में पोस्टर उठाए हुए थे, जिन पर लिखा था, ﷺहमारे पास पढ़ने और काम करने के अधिकार नहीं हैंﷺ और ﷺबेरोजगारी, गरीबी, भूखﷺ. वहां मौजूद पत्रकारों के मुताबिक तालिबान के कर्मियों ने महिलाओं को करीब डेढ़ घंटे तक आजादी से जुलूस निकालने दिया लेकिन पत्रकारों को मारा पीटा. तालिबान के एक लड़ाके ने एक विदेशी पत्रकार को गाली दी, लात मारी और फिर बंदूक के हत्थे से मारा. एक और लड़ाके ने भी उस पत्रकार को मारा. कम से कम दो और पत्रकारों पर हमला हुआ और जब वो वहां से जाने लगे तो तालिबान के लड़ाकों ने घूंसे और लातें मारते हुए उनका पीछा भी किया. प्रदर्शन के आयोजकों में से एक जहरा मोहम्मदी ने बताया कि महिलाएं जोखिम होने के बावजूद चलती रहीं।

सीरिया की राजधानी दमिश्क में दो बम विस्फोट, चपेट में आई सेना की बस, 13 लोगों की मौत

दमिश्क। सीरिया की राजधानी दमिश्क में बुधवार को सड़क के किनारे लगाए गए दो बम में विस्फोट हो गया और सेना की एक बस के उसकी चपेट में आने से 13 लोगों की मौत हो गई तथा कई अन्य घायल हो गए। सीरिया के सरकारी टीवी चैनल पर दिखाए जा रहे फुटेज में मध्य दमिश्क में विस्फोट में क्षतिग्रस्त हुई बस नजर आ रही है। खबर में बताया गया कि हादसा जब हुआ, तब लोग अपने काम पर और बच्चे स्कूल जा रहे थे। सरकारी बलों के उपनगरों पर कब्जा करने के बाद से दमिश्क में हाल के वर्षों में इस तरह के हमले कम हो गए हैं। पहले वे उपनगर विद्रोहियों के कब्जे में थे। मार्च 2011 में शुरू हुए सीरिया के संघर्ष में 3,50,000 से अधिक लोग मारे गए और देश की आधी आबादी विस्थापित हुई है।

जयशंकर ने भारत और इजराइल के बीच अकादमिक अनुसंधान के विस्तार पर चर्चा की

तेल अवी (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को यहां विभिन्न इजराइली विश्वविद्यालयों के प्रमुखों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान भविष्य में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए भारत तथा इजराइल के बीच अकादमिक अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग के विस्तार पर चर्चा की।

रविवार को यहां पहुंचे जयशंकर द्विपक्षीय सहयोग के नए क्षेत्रों की खोज के अलावा रणनीतिक संबंधों को और समृद्ध करने के भारत के प्रयासों के तहत इजराइल की पांच दिवसीय यात्रा पर हैं। विदेश मंत्री के तौर पर जयशंकर का इजराइल का यह पहला दौरा है।

जयशंकर ने बैठक की तस्वीरें साझा करते हुए ट्वीट किया, आज तेल अवीव में विश्वविद्यालयों के प्रमुखों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकों के माध्यम से

अकादमिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी सहयोग के विस्तार पर चर्चा की। उन्होंने अपना ट्वीट तेल अवीव विश्वविद्यालय, हिब्रू विश्वविद्यालय, टेक्नियन इजराइल (इज़राइल प्रौद्योगिकी संस्थान) और बेन-गुरियन विश्वविद्यालय सहित कई इज़राइली संस्थानों को भी टैग किया।

जयशंकर ने कहा, हमारा सहयोग आने वाले वर्षों में भारत-इजराइल साझेदारी को आगे बढ़ाएगा। बुधवार को जयशंकर ने इजराइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग और प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट से मुलाकात की थी और उनके साथ द्विपक्षीय संबंधों एवं क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा की थी।

जुलाई 2017 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इज़राइल की ऐतिहासिक यात्रा के दौरान भारत और इज़राइल ने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक विस्तारित किया था। तब से, दोनों देशों ने ज्ञान-आधारित साझेदारी के विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया है, जिसमें मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देने सहित नवाचार और अनुसंधान में सहयोग शामिल है।

आत्मघाती हमलावरों को तालिबान मानता है देश का नायक, परिजनों की कर रहा आर्थिक मदद

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान पर अपना राज स्थापित करने वाला तालिबान अंतरराष्ट्रीय समर्थन चाहता है, लेकिन दूसरी तरफ आत्मघाती हमलावरों के परिजनों को जमीन और नकद पैसे देने में लगा है। आपको बता दें कि तालिबानी हमलावर अमेरिकी और अफगानी सैनिकों को निशाना बनाते रहे हैं। हालांकि अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की पूरी तरह से वापसी हो चुकी है।

हमलावरों के परिजनों को मिला पुरस्कार

अंग्रेजी समाचार वेबसाइट 'टाइम्स नाऊ' के मुताबिक, गृह मंत्रालय के प्रवक्ता सईद खोस्ती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर एक पोस्ट साझा किया। जिसमें उन्होंने लिखा कि तालिबानी शासन में गृह मंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी ने काबुल के एक होटल में एकत्रित हुए आत्मघाती हमलावरों के परिजनों को नकद पुरस्कार दिया। सईद खोस्ती ने बताया कि हक्कानी ने आत्मघाती हमलों में मारे गए फिदायीनों की सराहना की। सईद खोस्ती ने इन्हें इस्लाम और देश का नायक बताया। उन्होंने कहा कि हक्कनी ने हमलावरों के प्रत्येक परिवार को 10 हजार अफगानी जो करीब 112 अमेरिकी डॉलर के बराबर होता है, वो और जमीन का एक टुकड़ा दिया। इसके साथ ही सईद खोस्ती ने हक्कानी की हमलावरों के परिजनों के साथ गले मिलते हुए तस्वीरें भी साझा की। इसके अलावा तालिबान अन्य विदेशी अधिकारियों के साथ बैठक कर रहा है ताकि अफगानिस्तान के लिए कुछ अंतरराष्ट्रीय सहायता मिल सके।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हमलों को लेकर यूएससीआईआरएफ ने जताई चिंता, कहा- स्थिति काफी गंभीर

वाशिंगटन(एजेंसी)। धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिका के एक आयोग ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हाल में हुए हमलों से वह ''बहुत चिंतित'' है और प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार से हिंदू विरोधी भावनाओं को बढ़ावा देने वाले कट्टरपंथी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील करता है। दुर्गा पूजा के दौरान सोशल मीडिया पर आई कथित तौर पर ईश निंदा संबंधी एक पोस्ट के बाद बांग्लादेश में हिन्दू मंदिरों पर पिछले बुधवार से हमले बढ़ गए। भीड़ ने रविवार देर रात बांग्लादेश में हिन्दू समुदाय के लोगों के 66 मकान क्षतिग्रस्त कर दिए थे और कम से कम 20 घरों में आग लगा दी थी।

'यूएस कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम' (यूएससीआईआरएफ) की प्रमुख नादिन मेजा ने कहा, '' बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हाल ही में भड़की हिंसा से यूएससीआईआरएफ काफी चिंतित है। हम प्रधानमंत्री शेख हसीना के हिंसा पर काबू पाने के लिए अर्द्धसैनिक बल भेजने के कदम की सराहना करते हैं। हालांकि, हम अब भी बांग्लादेश सरकार से हिंदू विरोधी भावनाओं को बढ़ावा देने वाले कट्टरपंथी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील करते हैं।'' आयोग की आयुक्त अनुरिमा भार्गव ने कहा कि यूएससीआईआरएफ खासकर हिंदू पूजा स्थालों को अपवित्र करने और उन पर हमलों से चिंतित है। उन्होंने कहा, '' साम्प्रदायिक हिंसा में सैकड़ों लोग घायल हुए

हैं और कथित तौर पर कुछ लोग मारे भी गए हैं। यूएससीआईआरएफ, बांग्लादेश सरकार से हिंदू और देश के अन्य सभी समुदायों के अधिकारों तथा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और इन भयावह हमलों के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने की अपील करता है।''

बांग्लादेश के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, देश में हाल ही में हुई साम्प्रदायिक झड़पों में कम से कम पांच लोग मारे गए हैं। अपुष्ट खबरों के अनुसार ये आंकड़ा सात होने की आशंका है। पुलिस ने बताया कि मंदिर पर हुए हमले के मामले में अभी तक 450 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है और अन्य लोगों की तलाश जारी है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मंगलवार को गृहमंत्री को उन लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए, जिन्होंने धर्म का इस्तेमाल कर हाल में हिंसा भड़काई थी। हसीना ने लोगों से तथ्यों की जांच किये बगैर सोशल मीडिया पर मौजूद किसी भी बात पर विश्वास नहीं करने को भी कहा था। मुस्लिम-बहुल बांग्लादेश की 16.9 करोड़ की आबादी में करीब 10 प्रतिशत हिंदू हैं। देश में वर्षों से हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की खबरें आती रही हैं। हिंसा में हिंदू समुदाय के घरों, दुकानों और प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ करना, आगजनी, बलात्कार और यौन हमले शामिल हैं।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री, आईएसआई प्रमुख तालिबान से वार्ता करने काबुल पहुंचे

इस्लामाबाद (एजेंसी)। तालिबान के नेतृत्व वाली अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार के साथ वार्ता करने के लिए पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी और खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रमुख फैज हमीद बृहस्पतिवार को काबुल पहुंचे। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के मुताबिक, एक दिवसीय यात्रा के दौरान पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल अफगानिस्तान के कार्यकारी विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी के साथ वार्ता करेगा। साथ ही प्रतिनिधिमंडल काबुल की अंतरिम सरकार के नेतृत्व और अन्य अफगान नेताओं से मुलाकात करेगा। मुत्तकी ने काबुल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया।

विदेश कार्यालय ने कहा, वार्ता के दौरान दोनों पक्षों के बीच व्यापक द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा होगी और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के मुद्दों पर पाकिस्तान के दृष्टिकोण को भी साझा करेंगे। यह यात्रा मॉस्को में हाल में हुई चीन, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और रूस के अधिकारियों की बैठक के बाद हो रही है। इसके अलावा, इस यात्रा को तेहरान में अगले सप्ताह होने वाली अफगानिस्तान और रूस के पड़ोसी देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक से पहले अहम माना जा रहा है।

रूस ने अफगान वार्ता की मेजबानी की, समावेशी सरकार का आह्वान किया

मॉस्को (एजेंसी)। रूस ने बुधवार को अफगानिस्तान के मुद्दे पर वार्ता की मेजबानी की, जिसमें तालिबान और पड़ोसी देशों से वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल हुए। वार्ता संबंधित मुद्दे पर रूस के कूटनीतिक प्रभाव को दर्शाती है।

वार्ता की शुरुआत करते हुए रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि अफगानिस्तान में स्थायी शांति के लिए ऐसी वास्तविक समावेशी सरकार के गठन की आवश्यकता है, जिसमें देश के सभी जातीय समूहों और राजनीतिक दलों के हित की झलक दिखे। रूस ने 2003 में तालिबान को आतंकवादी संगठन घोषित किया था, लेकिन इसके बावजूद वह इस समूह से संपर्क स्थापित करने के लिए वर्षों तक काम करता रहा। इस तरह के किसी भी समूह से संपर्क करना रूस के कानून के तहत दंडनीय है, लेकिन रूसी विदेश मंत्रालय ने मुद्दे पर विरोधाभास से संबंधित सवालों का जवाब देते हुए कहा है कि

अफगानिस्तान में स्थिरता लाने में मदद के लिए तालिबान से बात करना आवश्यक है गत अगस्त में अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा होने के बाद अन्य देशों से इतर रूस ने वहां काबुल स्थित अपने दूतावास को खाली नहीं किया और तभी से इसके राजदूत तालिबान के प्रतिनिधियों से लगातार मुलाकात करते रहे हैं। लावरोव ने सम्मेलन में अपने उद्घाटन भाषण में अफगानिस्तान में स्थिति को स्थिर बनाने और सरकारी संस्थानों का संचालन सुनिश्चित करने के प्रयासों के लिए तालिबान की सराहना की। उन्होंने साथ ही अफगानिस्तान में मानवाधिकारों के सम्मान के महत्व पर भी जोर दिया। बुधवार की वार्ता में शामिल हुए तालिबान की अंतरिम सरकार के उपप्रधानमंत्री अब्दुल सलाम हनाफी ने कहा, ''पूरे देश की स्थिरता के लिए बैठक बहुत महत्वपूर्ण है।'' लावरोव ने कहा कि रूस जल्द ही अफगानिस्तान के लिए मानवीय मदद की खेप भेजेगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वह अफगानिस्तान में मानवीय संकट उत्पन्न होने से रोकने के लिए तुरंत अपने संसाधन लगाएं। पूर्ववर्ती सोवियत संघ ने अफगानिस्तान में 10 साल तक युद्ध लड़ा था, जिसका अंत 1989 में वहां से रूसी सैनिकों की वापसी के साथ हुआ। मॉस्को ने हाल के वर्षों में तालिबान के प्रतिनिधियों और अन्य पक्षों के साथ वार्ता की मेजबानी कर अफगानिस्तान के मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय वार्ता में एक सशक्तमध्यस्थ के रूप में वापसी की है। 'मॉस्को फॉर्मेट' की बैठक में तालिबान और अफगानिस्तान के अन्य गुटों के प्रतिनिधियों के साथ ही चीन, भारत, पाकिस्तान, ईरान और पूर्ववर्ती सोवियत संघ राष्ट्रों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

तालिबान ने महिला वॉलीबॉल खिलाड़ी का सिर कलम किया, टीम के कोच ने किया खुलासा

काबुल (एजेंसी)। तालिबान आतंकवादियों ने कथित तौर पर अफगान जूनियर महिला राष्ट्रीय वॉलीबॉल टीम की एक सदस्य का सिर कलम कर दिया। टीम के कोच के बयान के आधार पर यह खबर सामने आई है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार एक साक्षात्कार में कोच सुराया अफजाली (बदला हुआ नाम) ने कहा कि महजबीन हकीमी नाम की एक महिला खिलाड़ी को तालिबान ने अक्टूबर में मार डाला था। लेकिन किसी को भी इस भीषण हत्या के बारे में पता नहीं चला क्योंकि विद्रोहियों ने उसके परिवार को इस बारे में बात न करने की धमकी दी थी।

महजबीन अशरफ गनी सरकार के पतन से पहले काबुल नगर पालिका वॉलीबॉल क्लब की ओर से खेलती थीं। वह क्लब की स्टार खिलाड़ी थीं। फिर, कुछ दिनों पहले, उनके कटे हुए सिर और खून से लथपथ गर्दन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आईं। इंडिया टुडे की रिपोर्ट में कोच के हवाले से कहा गया है कि अगस्त में तालिबान के पूर्ण नियंत्रण से पहले टीम के केवल दो खिलाड़ी देश से भागने में सफल हुए। महजबीन हकीमी उन कई अन्य दुर्भाग्यपूर्ण महिला खिलाड़ियों में शामिल थीं जो यहां रह गई थीं।

तालिबान के सत्ता में आने के बाद खेलों, खास तौर पर महिलाओं के खेलों पर कड़े प्रतिबंध लगाने शुरू कर दिए। इसके साथ ही महिला एथलीटों की पहचान करके उन्हें मारने की कोशिश शुरू कर दी। अफजाली ने दावा किया कि आतंकवादी अफगान महिला वॉलीबॉल टीम के सदस्यों की तलाश में हैं, जिन्होंने विदेशी और घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लिया और मीडिया कार्यक्रमों में भाग लिया।

उत्तर कोरिया ने पनडुब्बी से दागी जाने वाली मिसाइल के परीक्षण की पुष्टि की

सियोल एजेंसी)। उत्तर कोरिया ने बुधवार को घोषणा की कि उसने एक ऐसी मिसाइल का परीक्षण किया है, जो पनडुब्बी से दागी जा सकती है। पिछले दो वर्षों में इस तरह के आधुनिक हथियार का यह पहला परीक्षण है और प्योंगयांग ने कहा कि वह अपनी सेना की पानी के भीतर अभियान क्षमता का विस्तार करना चाहती है। सितंबर के बाद से मंगलवार का यह परीक्षण मिसाइल प्रक्षेपण का पांचवां दौर था और यह उत्तर कोरिया की तरफ से सियोल और वाशिंगटन पर दबाव डालने की कोशिश है क्योंकि प्योंगयांग अमेरिका-दक्षिण कोरिया के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास और खुद पर लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को शत्रुतापूर्ण नीतियों के रूप में देखता है।

उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी-कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि ताजा परीक्षण देश की रक्षा प्रौद्योगिकी को उच्च स्तर पर रखने और नौसेना की पानी के भीतर अभियान क्षमता के विस्तार में बड़ा योगदान देगा। उत्तर कोरिया के पड़ोसियों ने मंगलवार को कहा कि उन्हें उत्तर कोरिया की तरफ से परीक्षण का पता लगा और यह हथियार कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच जलक्षेत्र में गिरा। दक्षिण कोरिया की सेना ने मिसाइल को पनडुब्बी से कम दूरी से दागे जाने वाला हथियार बताया है। सियोल ने कहा कि यह मिसाइल सिनपो के पूर्वी बंदरगाह के समीप जल से दागी गई, जहां पनडुब्बियों का निर्माण करनेवाला उत्तर कोरिया का बड़ा शिपयार्ड है। उत्तर कोरिया की ओर से जारी तस्वीरों में समुद्र में से एक मिसाइल उठते हुए और फिर धुएं के गुबार से चिंगारी निकलते दिखाई दे रही है।

वहीं एक तस्वीर में ऊपर का हिस्सा भी दिखा है, जो समुद्र की सतह पर पनडुब्बी जैसा प्रतीत होता है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के सत्ता संभालने के बाद से उत्तर कोरिया द्वारा किया गया यह सबसे आधुनिक हथियार का प्रक्षेपण है। उत्तर कोरिया पर बाइडन के विशेष दूत सुंग किम के सियोल की यात्रा करने और प्योंगयांग के साथ कूटनीति को पुनर्जीवित करने की संभावनाओं पर सहयोगियों से चर्चा करने के कुछ दिन पहले मिसाइल का परीक्षण किया गया। वाशिंगटन में दक्षिण कोरिया और जापानी समकक्ष के साथ एक बैठक में किम ने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका इस परीक्षण की निंदा करता है। वहीं उन्होंने प्योंगयांग से आगे और तनाव को बढ़ाने से बचने की अपील की।

संक्षिप्त खबर

स्पेशल सेल ने मंजीत महाल गिरोह के चार शार्प शूटरों को किया गिरफ्तार, दिनदहाड़े की थी फायरिंग

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने मंजीत महाल गिरोह के चार शार्प शूटरों को गिरफ्तार किया है। इसी गिरोह के चार बदमाशों ने 18 अक्टूबर को दक्षिणी दिल्ली के किशनगढ़ इलाके में दिनदहाड़े ताबड़तोड़ फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया था। फायरिंग के बाद सभी आरोपित फरार हो गए थे। स्पेशल सेल ने मामले में अभिषेक मलिक उर्फ मोटा, वजीर उर्फ झोटा, अनु गिलोडिया और कपिल कुमार को गिरफ्तार किया है। सभी हरियाणा और दिल्ली के अलग-अलग इलाकों के रहने वाले हैं। पूछताछ में पुलिस को पता चला कि हत्या का बदला लेने के लिए वारदात को अंजाम दिया गया था। स्पेशल सेल के उपायुक्त संजीव कुमार यादव ने बताया कि एसीपी संजय दत्त की देखरेख में इंस्पेक्टर संदीप यादव के नेतृत्व में एसआइ मनेंद्र सोमिल शर्मा, सबीन खरब, एएसआइ सुरेश, विरेंद्र, सतीश समेत अन्य पुलिस कर्मियों की टीम ने सभी बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

सोमवार को किशनगढ़ मार्केट में एक एसयूवी पर फायरिंग की गई थी। घटना में करीब 25-30 गोलियां चलाई गई थीं। एसयूवी धामी पहलवान की थी, लेकिन हमले के वक्त धामी कार में मौजूद नहीं था। कार में मौजूद धामी के चालक शफीक उर्फ लकी को गोलियां लगी थी। जिसे बाद में घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया। पूछताछ में पता चला कि धामी पहलवान ने 2020 में मंजीत महाल के दोस्त अशोक मान की हत्या कर दी थी। उसी हत्या का बदला लेने के लिए वारदात को अंजाम दिया गया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अभिषेक मलिक उर्फ मोटा अपने एक दोस्त के जरिये मनजीत महाल के संपर्क में आया था। बाद में यह उसका शार्प शूटर बन गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए बदमाश द्वारका नार्थ इलाके में 10 दिन पहले हुई फायरिंग में भी शामिल थे।

आधुनिक सुविधाओं से लैस घरों में रहती है दिल्ली की आधी से अधिक आबादी

नई दिल्ली। दिल्ली की आधी से अधिक आबादी आधुनिक सुविधायुक्त मकानों में निवास करते हैं, वहीं 99.7 फीसद लोग पक्के मकान में और 0.3 फीसद अर्ध पक्के मकान में रहते हैं। अगर देश की बात करें तो यह आंकड़ा दिल्ली से कम है।देश में करीब 83 फीसद लोग ही पक्का मकान में रहत हैं। दिल्ली सरकार के योजना विभाग ने राजधानीवासियों के मकान, पेय जल सुविधा पर सर्वे कराया है जिसके आंकड़े दिल्लीवासियों की सामाजिक - आर्थिक स्थिति पर प्रकाश डालते हैं। सर्वे में पाया गया है कि 58.3 फीसद राजधानीवासी आधुनिक सुविधायुक्त मकान में रहते हैं जबकि 7.8 फीसद लोग पुराने साधारण मकान में रहते हैं। राजधानी के 54 फीसद लोगों के पास निजी मकान हैं, वहीं 38.3 फीसद लोग फ्लैट में निवास करते हैं। आंकड़ों के अनुसार करीब 91 फीसद लोग मकान का सिर्फ आवासीय उपयोग करते हैं जबकि 7.3 फीसद लोग आवासीय के साथ कामर्शियल उपयोग भी करते हैं। ज्यादातर दिल्लीवासी 51.7 वर्गमीटर के मकान में रहते हैं, 67 फीसद घरों में किचन व पानी का टैप लगा हुआ है।

लेकिन 24 फीसद मकानों में किचन अलग से नहीं बना हुआ है। करीब 56 फीसद मकानों में अंडरग्राउंड ड्रेनेज व्यवस्था है। दिल्ली में 84.6 फीसद लोगों के घरों में अलग से स्नानघर हैं। कामन यूज के स्नानघर की इमारतों की संख्या 13 फीसद है। बगैर भुगतान के 0.6 लोग सार्वजनिक स्नानघर का उपयोग करते हैं।रेंट के मकान में रहने वाले लोगों का सामान्य किराया 5317 रूपये है। इसके अलावा, राजधानी दिल्ली के 84 फीसद लोग कचरे का निष्पादन कालोनी के सार्वजनिक कचरा फेंकने के स्थान पर करते हैं। अस्थाई रूप से रहने वालों (जिनके पास स्थाई निवास नहीं है) को शामिल नहीं किया गया है। वहीं, स्थाई रूप से शेल्टर होम में रहने वाले या पुल के नीचे एक ही स्थान पर लगातार रहने वालों को शामिल किया गया है।हास्टल में रहने वाले छात्रों व ओल्ड एज होम में रहने वालों को भी सर्वे में शामिल किया गया है।

नोएडा में लगे पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे, वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने तीन लोगों को किया गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा में बारावफात के जुलूस में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए जाने का मामला सामने आया है. पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है.

हिंदूवादी संगठनों की शिकायत पर पुलिस ने जांच में वायरल वीडियो को सही पाया और कार्रवाई की. पुलिस इस मामले में कुछ और लोगों की तलाश कर रही है. घटना नोएडा के थाना सेक्टर-8 की है जहां मंगलवार को बारावफात के जुलूस के दौरान पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए गए. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बारावफात के अवसर पर मंगलवार को नोएडा के सेक्टर-8 में एक जुलूस निकाला गया था. इस जुलूस के 13 सेकेंड और 17 सेकेंड के दो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे जिनमें कुछ युवक पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे. यह वीडियो बुधवार की सुबह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया. इसके बाद हिंदू संगठनों ने सेक्टर-20 थाने का घेराव कर प्रदर्शन किया और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की. मामले के तूल पकड़ने के बाद पुलिस इस मामले की जांच में जुटी और विशेषज्ञों से वीडियो की जांच कराई गई. डीसीपी राजेश एस ने बताया कि जांच में यह वीडियो सही मिला है. इस जुलूस में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए गए थे. इसको लेकर सेक्टर-20 थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और इस मामले में तीन आरोपियों मौहम्मद जफर, समीर अली और अली रजा को गिरफ्तार किया जा चुका है. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और अन्य आरोपियों को भी चिह्नित कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा.

नोएडा में 31 अक्टूबर तक धारा 144 रहेगी लागू- जनपद गौतम बुद्ध नगर में 30 सितंबर से 31 अक्टूबर तक धारा 144 लगायी गयी है. अपर पुलिस उपायुक्त (कानून एवं व्यवस्था) श्रद्धा पांडे ने बताया कि अक्टूबर माह में विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं कोविड-19 के संक्रमण को रोकने के मद्देनजर 30 सितंबर से 31 अक्टूबर तक धारा 144 लगायी गयी है. उन्होंने बताया कि 21 अक्टूबर को सरदार बल्लभ भाई पटेल व आचार्य नरेंद्र देव जयंती मनाई जाएगी. उन्होंने बताया कि इन अवसरों पर असामाजिक तत्वों द्वारा शांति व्यवस्था को भंग किए जाने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता. एक सितंबर से धारा 144 लागू की गई है.

त्योहारों पर आतंकी हमले के मद्देनजर बढ़ाई गई राजधानी की सुरक्षा, गृहमंत्री अमित शाह के साथ राज्यों के पुलिस प्रमुखों की हुई बैठक

नई दिल्ली । जम्मू कश्मीर में आतंकी संगठनों द्वारा त्योहारों के मद्देनजर देश में आतंकी हमले की धमकी दिए जाने व आइबी के अलर्ट के बाद राजधानी की सुरक्षा बेहद कड़ी कर दी गई है। आतंकी संगठनों ने जम्मू कश्मीर में एलान किया है कि जिन राज्यों से अधिकतर लोग जम्मू कश्मीर आ रहे हैं उन राज्यों में वे आतंकी हमले तेज करेंगे। धमकी के मद्देनजर विगत सोमवार को गृहमंत्री अमित शाह ने गृहमंत्रालय में दिल्ली समेत सभी राज्यों के पुलिस प्रमुखों की बैठक ली और उन्हें आंतरिक सुरक्षा कड़ी करने के निर्देश दिए। जिसके बाद दिल्ली की सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है।

सूत्रों के मुताबिक आइबी ने आतंकी हमले की आशंका के मद्देनजर दिल्ली पुलिस को अलर्ट जारी किया है। चूंकि दीवाली के मौके पर दिल्ली में आतंकी हमले हो चुके हैं इसलिए दिल्ली पुलिस को इस बार ज्यादा सतर्क रहने को कहा गया है। स्पेशल सेल की सभी यूनिटों को खासतौर पर अलर्ट कर दिया गया है। पीसीआर की मोबाइल पेट्रोलिंग व्हीकल को लगातार गश्त करते रहने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही पीसीआर की वैन जो निर्धारित बेस पर खड़ी रहती है उसे पूरी तरह अलर्ट रहने को कहा गया है। नई दिल्ली, दक्षिण, दक्षिण-पश्चिम, मध्य व उत्तरी आदि जिले में पीसीआर को काल मिलने पर तीन मिनट व द्वारका, रोहिणी आदि बड़े जिले में 5 से 7 मिनट के अंदर काल पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं।

दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि चौकसी बरतने में पीसीआर की अहम भूमिका रहती है। इसलिए इस यूनिट को सबसे अधिक अलर्ट रहने की जरूरत है। इसके अलावा सभी संवेदनशील व अति संवेदनशील भवनों के पास पिकेट लगाकर सघन चेकिंग शुरू कर दी गई है ताकि संभावित आतंकी हमले की कोशिश को टाला जा सके। उक्त भवनों के आसपास पीसीआर की पराक्रम व प्रखर वैन की भी तैनाती कर दी गई है। उक्त वैन में तैनात पुलिसकर्मी अत्याधुनिक हथियारों से लैस है, जिन्हें परस किसी भी तरह के हालात से निपटने की क्षमता है।

सभी थाना प्रमुखों से कहा गया है कि वे अपने-अपने इलाके में गश्त बढ़ाए, पिकेट लगाकर चेकिंग कराएं। सभी तरह के सत्यापन पर पैनी नजर रखें। होटलों व गेस्ट हाउसों पर प्रतिदिन नजर रखें कि वहां ठहरने वाले लोग कौन हैं। साइबर कैफे पर नजर रखने को कहा गया है। साथ ही पार्किंग स्थलों की भी जांच करने को कहा गया है कि वहां कोई लावारिस गाड़ी तो पार्क नहीं है।

बुजुर्ग की मौत के छह महीने बाद आया वैक्सीन की दूसरी डोज का मैसेज, प्रमाण पत्र भी दिया

नई दिल्ली । कोरोना महामारी के खिलाफ देशभर में चल रहे टीकाकरण अभियान के बीच स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही का एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है.एक बुजुर्ग की मौत के छह महीने बाद उनके मोबाइल पर वैक्सीन की दूसरी डोज लगने का मैसेज आया. यही नहीं वैक्सीनेशन का सर्टिफिकेट भी दे दिया गया. बाद में स्वास्थ्य विभाग ने इस लापरवाही के सामने के आने के बाद मामले पर पर्दा डालने का प्रयास किया.

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, गाजियाबाद में एक बुजुर्ग की मौत के छह महीने बाद उनके मोबाइल पर कोरोनारोधी टीका के दूसरे डोज लगने का मैसेज आया. बुजुर्ग का मोबाइल फोन चला रहे उनके बेटे ने मैसेज में आए लिंक को डाउनलोड किया तो उनका प्रमाण पत्र भी डाउनलोड हो गया.अब स्वास्थ्य विभाग अपनी इस लापरवाही पर पर्दा डालने की कोशिश कर रहा है. जब मामले की शिकायत की गई तो नगरीय स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी ने विभाग के उच्चाधिकारियों का नंबर दिया और कहा जहां शिकायत करनी है कर दो. इस पूरे मामले की शिकायत कविनगर मंडल अध्यक्ष दुष्यंत पुंडीर ने नगरीय स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी से की थी.

सात मई को हो गई थी बुजुर्ग की मौत- वकील, कविनगर मंडल अध्यक्ष दुष्यंत पुंडीर उनके घर के सामने शास्त्रीनगर सी ब्लॉक में विश्वहारी सक्सेना (78) रहते थे. उन्होंने 20 मार्च 2021 को कोवीशील्ड वैक्सीन का पहला डोज लगवाया था. सात मई को बीमारी के चलते उनकी मौत हो गई. 18 अक्टूबर की शाम को उनके बेटे कपिल सक्सेना को बुजुर्ग के मोबाइल नंबर पर मैसेज आया, जिसमें विश्व बिहारी सक्सेना को दूसरा डोज लगने की सूचना के साथ ही प्रमाण पत्र डाउनलोड करने का लिंक आया. कपिल ने लिंक खोला तो उनके पिता के नाम से प्रमाण पत्र डाउनलोड हो गया.

किसान नेता धर्मेंद्र मलिक का बड़ा बयान, अफवाहों पर न दें ध्यान, जारी रहेगा गाजीपुर बार्डर पर आंदोलन

नई दिल्ली/गाजियाबाद । दिल्ली-यूपी के गाजीपुर बार्डर पर रास्ता खोलने के मामले में नया ट्विस्ट आ गया है। राकेश टिकैत के गाजीपुर बार्डर खोलने और संसद पर धरना देने के बयान के बाद भाकियू के मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र मलिक ने हटकर बात कही है। उन्होंने कहा कि कुछ समय से यह अफवाह फैलाई जा रही हैं कि गाज़ीपुर बार्डर खाली किया जा रहा है। यह पूर्णतया निराधार है। उन्होंने कहा कि हम यह दिखा रहे हैं कि रास्ता किसानों ने नहीं, बल्कि दिल्ली पुलिस ने बंद किया है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि गाजीपुर बार्डर पर आंदोलन जारी रहेगा। आंदोलन से हटने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है। बता दें कि 27 नवंबर से दिल्ली के बार्डर पर जारी प्रदर्शन को लेकर किसानों को सुप्रीम कोर्ट ने रास्ता छोड़ने के लिए कहा है। इसके बाद यूपी गेट पर फ्लाईओवर के नीचे सर्विस लेन से किसानों ने अपने टेंट हटा लिए हैं। इस दौरान किसान नेता राकेश टिकैत भी मौजूद रहे। इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि रास्ता किसानों ने नहीं, बल्कि दिल्ली पुलिस ने बैरियर लगाकर रास्ता रोका है। राकेश टिकैत का कहना है कि बैरिकेडिंग तक वाहन आ रहे हैं। ऐसे में अगर दिल्ली पुलिस बैरिकेडिंग हटाए तो लोगों की आवाजाही आसान होगी। राकेश टिकैत ने इस मौके पर मीडिया कर्मियों से कहा कि जब तक केंद्र सरकार नहीं मानेगी तो आंदोलन जारी रहेगा। वह बोले कि किसान यहां से नहीं हटेंगे लेकिन लोगों को रास्ता देंगे।

दिल्ली विधायक ने लाल बत्ती पर चलाया रेड लाइट ऑन गाड़ी ऑफ कैंपेन, अब पार्षद भी बनेंगे भागीदार

नई दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए केजरीवाल सरकार हरसंभव कोशिश में जुटी है. सरकार की ओर से चलाए जा रहे रेड लाइट ऑन गाड़ी ऑफ अभियान को और तेज करने की तैयारी की जा रही है. दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने विधायकों के साथ आज चंदगी राम अखाड़ा रेड लाइट पर जागरुकता अभियान चलाया. राय ने कहा कि दिल्ली के पार्षद बाराहखंभा रोड पर 25 अक्टूबर को जन जागरूकता अभियान चलाएंगे.

केजरीवाल सरकार की कोशिश है कि दिल्ली के अंदर के प्रदूषण को कम करने के लिए पूरी दिल्ली मिलकर काम करे. उन्होंने कहा कि पराली जलाने की घटनाओं का मामला केंद्र और राज्य सरकारों के सामने उठाया था. अगर जिम्मेदारी के साथ घोल का छिड़काव किया जाता तो किसान पराली नहीं जलाता. दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने विधायकों के साथ चंदगी राम अखाड़ा रेड लाइट का दौरा किया. रेड लाइट ऑन गाड़ी ऑफ अभियान के तहत विधायकों के साथ मिलकर लोगों को जागरुक किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि बारिश होने से प्रदूषण का स्तर कम हुआ था, क्योंकि आसपास पराली जलना बंद हो गई थी. अब धूप निकलने से पराली जलने की घटनाएं बढ़ेंगी. निश्चित रूप से पराली जलने का असर दिल्ली के ऊपर पड़ेगा.

उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश यह है कि दिल्ली के अंदर जो प्रदूषण पैदा होता है, उस प्रदूषण को रोकने के लिए लोगों को जागरूक किया जाए. सीएम अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में यह जनभागीदारी अभियान चल रहा है. इसको हम लोग आगे बढ़ा रहे हैं. दिल्ली के विधायक यहां लोगों को जागरूक करने के लिए इकट्ठा हुए हैं. इसके बाद अब 25 अक्टूबर को दिल्ली के पार्षद बाराहखंभा रोड पर जन जागरूकता अभियान चलाएंगे. हमारी कोशिश है कि दिल्ली के अंदर जो प्रदूषण है, उसको कम करने के लिए पूरी दिल्ली मिलकर काम करे.

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि आम आदमी पार्टी के विधायक यहां मौजूद हैं, लेकिन दूसरी पार्टियों के विधायक नहीं आए हैं. सूचना सभी को दी गई थी. सरकार जन भागीदारी के ऊपर जोर दे रही है और एंटी डस्ट अभियान सहित अन्य मुहिम चला रही है. इसमें लोगों की हिस्सेदारी बढ़े और अपने हिस्से के प्रदूषण को सभी मिलकर कम करें. इसलिए 25 अक्टूबर को काउंसलरों के साथ मिलकर इस अभियान को आगे बढ़ाएंगे.

उन्होंने बताया कि दिल्ली के सभी एसडीएम और डीपीसीसी के साथ कल संयुक्त बैठक होगी. इस मुहिम को नीचे मोहल्ला स्तर तक ले जाएंगे. बैठक में कल निर्णय के आधार पर कार्य योजना बनाकर इस अभियान को दिल्ली के अंदर बड़े स्तर पर चलाएंगे. गोपाल राय ने कहा कि पराली के प्रदूषण को ग्रेप लागू करके कम नहीं किया जा सकता. पराली के निदान को लेकर केंद्र सरकार और राज्य सरकार से भी बात की थी, उसमें लापरवाही हुई है. अगर जिम्मेदारी के साथ बायो डीकंपोजर का छिड़काव किया जाता तो किसान पराली नहीं जलाता.

दिल्ली में डेंगू का कहर, ब्लड बैंकों में दोगुना तक बढ़ी प्लेटलेट्स की मांग

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के अस्पतालों में डेंगू के गंभीर मरीज बढ़ रहे हैं। इसका असर प्लेटलेट्स की मांग पर भी पड़ा है। दिल्ली के प्रमुख अस्पतालों के ब्लड बैंकों में सिंगल डोनर प्लेटलेट्स (एसडीपी) की मांग डेढ़ से दो गुना तक बढ़ गई है। निजी अस्पतालों में भी यही हाल है। छोटे नर्सिंग होम या अस्पतालों में जम्बो पैक की मांग बढ़ने से मरीजों के परिजन परेशान हो रहे हैं। उन्हें प्लेटलेट्स के लिए कई अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

एम्स में रोज 20 से 25 एसडीपी दान हो रहे- राजधानी में तेजी से बढ़ रहे डेंगू के मामलों के बीच अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के ब्लड बैंक में प्लेटलेट्स की मांग डेढ़ से दो गुना तक बढ़ गई है। डेंगू के सीजन से पहले यहां रोजाना 12 से 14 सिंगल डोनर प्लेटलेट्स (एसडीपी) दान कर मरीजों के लिए दिए जाते थे। इनमें अधिकतर मरीज हेमेटोलॉजी विभाग या कैंसर से पीड़ित होते थे जिन्हें प्लेटलेट्स चढ़ाने की जरूरत होती थी। सूत्रों के अनुसार, अब पिछले 10 दिनों में रोज 20 से 25 सिंगल डोनर प्लेटलेट्स (एसडीपी) दान किए जा रहे हैं। इनमें आधी मांग डेंगू के मरीजों को प्लेटलेट्स चढ़ाने के लिए है।

यहां भी डोनर की मांग बढ़ी- इसी तरह सफदरजंग अस्पताल के ब्लड बैंक में रोजाना आठ से नौ सिंगल डोनर प्लेटलेट्स (एसडीपी) दान किए जाते थे, लेकिन यह मांग अब बढ़कर 14 से 16 डोनर की हो गई है। राम मनोहर लोहिया अस्पताल के ब्लड बैंक में पहले सात से आठ सिंगल डोनर प्लेटलेट्स (एसडीपी) दान किए जाते थे। यहां पर यह संख्या अब बढ़कर 12 से 15 हो गई है।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की यूजीसी स्तर पर लंबित समस्याओं के समाधान की मांग

नई दिल्ली । अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रोफेसर डी पी सिंह से विस्तृत भेंटवार्ता करके यूजीसी के स्तर पर लंबित विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की। इस संबंध में जानकारी देते हुए महासंघ के अध्यक्ष प्रोफेसर जे पी सिंघल ने बताया कि देशभर के शिक्षकों की सेवा शर्तों, नियुक्तियों और शोध कार्य से संबंधित कई समस्याओं के समाधान हेतु महासंघ की तरफ से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष के समक्ष विस्तार से पक्ष रखा गया ।

इन समस्याओं में प्रमुख रूप से सेवारत शिक्षकों को कोर्स वर्क से मुक्त करने अथवा अन्य व्यवस्था करने, रिफ्रेशर एवं ओरियंटेशन कोर्स छूट की अवधि को 31 दिसंबर 2022 तक बढ़ाने, यूजीसी रेगुलेशन 2018 को पूरे देश में एक समान लागू करने, सेवारत शिक्षकों को पीएचडी पात्रता परीक्षा से छूट देने, यूजीसी रेगुलेशन की विसंगति निवारण समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक करते हुए विसंगतियों को दूर करने, एमफिल पीएचडी हेतु प्रोत्साहन वेतन वृद्धियों को पूरे देश में एक समान रूप से लागू करने, प्राचार्य पद का कार्यकाल सेवानिवृत्ति तक करने, यूजीसी केयर लिस्ट में शोध जर्नल्स को शामिल करने की प्रक्रिया को अद्यतन एवं पारदर्शी बनाने, उच्च शिक्षा संस्थानों में रिक्त पदों पर भर्ती करने, पुस्तकालयाध्यक्ष शारीरिक शिक्षक सहित अन्य अकादमिक स्टॉफ की सेवा शर्तें शिक्षकों के समान करने, कैरियर उन्नति योजना के लिए यूजीसी रेगुलेशन 2010 लागू होने की सीमा न्यूनतम 2 वर्ष और बढ़ाने, असिस्टेंट प्रोफेसर एवं एसोसिएट प्रोफेसर पद पर पीएचडी की अनिवार्यता समाप्त करने आदि विषय शामिल थे ।

यूजीसी अध्यक्ष प्रोफेसर डी पी सिंह ने एक-एक करके सभी विषयों को गंभीरता से सुना और समझा तथा विभिन्न समस्याओं पर महासंघ के मत से अपनी सहमति जताई। प्रोफेसर सिंह ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि इनमें से कुछ विषयों पर महासंघ द्वारा पूर्व में प्रेषित प्रतिवेदन के आधार पर कार्यवाही चल रही है । संगठन द्वारा संज्ञान में लाए गए अन्य विषयों पर उन्होंने यूजीसी द्वारा शीघ्र सकारात्मक कार्यवाही का विश्वास दिलाया ।

उन्होंने बताया कि महासंघ द्वारा बताए गए कुछ बिंदुओं पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों के अनुरूप शिक्षक हित में सकारात्मक नोट बनाकर सरकार को भेजा जाएगा तथा जिन विषयों को यूजीसी के स्तर पर समाधान होना है उनके लिए जल्दी ही निर्देश जारी किए जाएंगे।

घर में घुसकर युवती की हत्या, आरोपी फरार

ग्रेटर नोएडा । ग्रेटर नोएडा की पैरामाउंट गोल्फ फॉरेस्ट सोसाइटी में बुधवार की देर रात घर में घुसकर एक युवती की हत्या कर दी गई। हत्या का आरोप युवती की भाभी के भाई पर लगा है। आशंका है कि लूट का विरोध करने पर आरोपी ने युवती की हत्या की थी। आरोपी युवती का मोबाइल और घर में रखी ज्वेलरी लूटकर ले गया था। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा हरिश्चंद्र बताया की बुधवार की रात युवती घर में अकेली थी। युवती के माता-पिता किसी काम से बाहर गए हुए थे। इसी दौरान देर रात को युवती की भाभी का भाई घर पहुंचा। आरोपी युवती की हत्या करने के बाद उसका मोबाइल और घर में रखी ज्वेलरी लेकर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन कर हत्याकांड का खुलासा किया। पुलिस छानबीन में पता चला कि युवती की भाभी के भाई ने हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त स्कूटी घर से लूटी गई ज्वेलरी और युवती का मोबाइल फोन बरामद कर लिया है। हालांकि आरोपी अभी फरार है। पुलिस आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है।

महिला को पहले ज्योतिष ने ठगा, नेशनल कंस्यूमर शिकायत बोर्ड की फर्जी वेबसाइट पर शिकायत पर फिर ठगी गई

नोएडा। राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा में एक महिला को ठग ने ज्योतिष बनकर महिला से रुपये ऐंठ लिए। इसके बाद महिला ने नेशनल कंज्यूमर शिकायत बोर्ड पर शिकायत की तो उनसे फिर ठगी हो गई। इस संबंध में पीड़िता ने सेक्टर-49 थाने में आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

सेक्टर-76 स्थित आम्रपाली सिलिकॉन सोसाइटी निवासी शिल्पी वर्मा ने पुलिस को शिकायत दी की कि वह पिछले कुछ दिनों से पारिवारिक परेशानियों से जूझ रही थीं। उन्होंने इंटरनेट से मोबाइल नंबर लेकर कथित ज्योतिष के पास कॉल की। आरोपी ने अपना नाम आनंद बताया। उसने कहा कि वह काफी समय से ज्योतिषी का काम कर रहा है और चंडीगढ़ के अजीत सिंह नगर में रहता है। आरोपी ने कहा कि वह पूजा पाठ करके सारी पारिवारिक परेशानियां खत्म कर देगा। इसके एवज में आरोपी ने महिला से 11500 रुपये मांगे। इस पर महिला ने उसे गूगल पे के माध्यम से 31 अगस्त को रुपये ट्रांसफर कर दिए। फिर आरोपी ने अलग-अलग बहाने से महिला से 40 हजार रुपये की और मांग की। इस बार महिला को उस पर शक हो गया और उसने रुपये देने से इनकार कर दिया। आरोप है कि रुपये न देने पर ठग ने महिला को जान से मारने की धमकी दी।

पीड़िता ने सारे मामले का खुलासा होने के बाद नेशनल कंज्यूमर शिकायत बोर्ड पर शिकायत की। महिला का कहना है कि उनके पास दो अक्तूबर को एक नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को बोर्ड का सदस्य बताया। उसने कहा कि उनकी शिकायत दर्ज कर ली गई है। जल्दी मामले में कार्रवाई की जाएगी।

इसी बीच आरोपी ने महिला के बैंक खाते की डिटेल लेकर उनके खाते से 10 रुपये अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए। कुछ देर बाद महिला के खाते से 34 हजार रुपये निकल गए। मोबाइल पर मैसेज आने पर पीड़िता ने थाने में शिकायत की। पुलिस ने मामले में आरोपियों के खिलाफ केस कर जांच शुरू कर दी है।

दिवाली से डीटीसी के बेड़े में शामिल होगी पहली ई-बस

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार अब ई-बस चलाने के लिए तैयार है। सबकुछ ठीक रहा तो दिवाली से पहले ई-बस की पहली खेप राजधानी की सड़कों पर नजर आएगी। सूत्रों की माने तो इस माह के अंत तक दिल्ली सरकार को कुछ ई-बसों को हरी झंडी दिखा सकती है। ये बसें डीटीसी के उन 300 बसों का हिस्सा होगी जिसका निविदा पहले ही जारी करके बसों की आपूर्ति का आदेश जारी किया जा चुका है।

दिल्ली सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक दिल्ली में पहला ई-बस डिपो बनकर तैयार हो गया है। डीटीसी में आने वाली 300 बसों के लिए तीन बस डिपो बनाएं जा रहे है। सरकार की कोशिश है कि बसों की पहली खेप दिवाली से पहले दिल्ली को मिले। हालांकि बसों की यह संख्या उम्मीद से बेहद कम यानि 10 से भी कम होगी, मगर बसों के आने का सिलसिला शुरू हो जाएगा। दिसंबर तक यह सभी बसें दिल्ली की सड़कों पर नजर आएगी।

बताते चले दिल्ली सरकार सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को इलेक्ट्रिक व्हीकल में बदलने की तैयारी में जुटी है। इसी के तहत डीटीसी मं 300 बसें आने के साथ ही कुछ समय पहले ही डीटीसी बोर्ड की बैठक में एक हजार और ई-बस लाने की मंजूरी दी गई है। इसके अलावा क्लस्टर स्कीम के तहत भी 195 ई-बस लाने की निविदा परिवहन विभाग की ओर से पहले ही जारी की जा चुकी है। सरकार उसी के तहत दिल्ली में ई-बस डिपो भी तैयार कर रही है।

ई-ऑटो परमिट के लिए मांगें आवेदन- बस ही नहीं दिल्ली सरकार ने दो दिन पहले ई-ऑटो परमिट भी जारी किया है। सरकार ने 4 हजार से अधिक ई-ऑटो परमिट जारी किया है। इसके तहत 33 फीसदी परमिट महिलाओं के लिए आरक्षित किया है। यह सभी ऑटो इलेक्ट्रिक होंगे।

दिल्लीवासियों की सांसों पर वायु प्रदूषण का संकट, डीपीसीसी की टीमों की हर जगह है नजर, 90 लाख लग चुका जुर्माना

नई दिल्ली । धूल निरोधक अभियान के तहत दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की टीमों ने अब तक 1105 निर्माण स्थलों का दौरा किया है। इस दौरान 286 निर्माण स्थलों पर मानदंडों का उल्लंघन मिलने पर करीब 90 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्लीवासियों की सांसों पर प्रदूषण का जो संकट आने की संभावना है, उससे उन्हें बचाने के लिए धूल निरोधक अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी एजेंसियां निर्माण कार्य से संबंधित दिल्ली सरकार की तरफ से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए विकास कार्य करें, ताकि प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने बताया कि इस अभियान को धरातल पर उतारने के लिए 31 टीमें बनाई गई हैं।

ये टीमें अनियमितता पाए जाने पर नोटिस जारी करने के साथ ही जुर्माने की कार्रवाई भी कर रही हैं। टीमों को प्रतिदिन की रिपोर्ट भी देने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही यह भी निर्देश है कि धूल प्रदूषण करने वाली हर एक एजेंसी पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि धूल के प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सके।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी एयर क्वालिटी बुलेटिन के अनुसार सोमवार को जहां एनसीआर के सभी शहरों का एयर इंडेक्स 50 से नीचे यानी अच्छी श्रेणी में था, वहीं मंगलवार को सभी जगह 50 से 100 के बीच दर्ज किया गया। हालांकि रिकार्डतोड़ बारिश की वजह से धूल और अन्य प्रदूषक तत्व फिलहाल दबे हुए हैं।

सफर इंडिया का पूर्वानुमान है कि अभी अगले दो से तीन हवा की गुणवत्ता संतोषजनक श्रेणी में ही रह सकती है। मंगलवार को दिनभर मौसम साफ रहा और धूप भी खिली रही। अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 31.2 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 19.9 डिग्री सेल्सियस रहा। हवा में नमी का स्तर 56 से 96 फीसद दर्ज किया गया। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि बुधवार को आसमान साफ रहेगा। हालांकि सुबह के समय थोड़ी धुंध छाई रहेगी।

बेटे के बालिग होने पर खत्म नहीं हो जाती पिता की जिम्मेदारियां- हाई कोर्ट

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा कि एक पिता को अपने बेटे के शिक्षा खर्च को पूरा करने के लिए जिम्मेदारियों से मुक्त नहीं किया जा सकता. महज इसलिए क्योंकि वह बालिग हो चुका है. कोर्ट ने कहा कि व्यक्ति को अपने बच्चों के समाज में उनका जीवनयापन करने लायक बनने तक उनका खर्चा उठाना होगा और वह सिर्फ इसलिए अपने बेटे की पढ़ाई का पूरा खर्च अपनी पत्नी पर नहीं डाल सकता. क्योंकि बच्चे की उम्र 18 साल हो गई है. इस मामले पर कोर्ट ने कहा कि CRPC की धारा 125 का मकसद ये सुनिश्चित करना है कि तलाक के बाद पति पत्नी और बच्चे बेसहारा न रखे.

दरअसल, जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा, कोई व्यक्ति अपने बेटे की पढ़ाई के खर्च से इसलिए मुक्त नहीं हो सकता. क्योंकि वह बालिग हो गया है लेकिन वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर नहीं है. व्यक्ति को अपनी पत्नी को मुआवजा भी देना होगा जिसके पास बच्चों पर खर्चा करने के बाद अपने लिए मुश्किल से कुछ बचता है.वहीं, बीते जून 2021 में निचली अदालत ने वैवाहिक विवाद में शख्स को पत्नी और बच्चों के भरण-पोषण के लिए 15 हजार रुपए प्रति माह राशि भुगतान के आदेश दिए थे.

कोर्ट ने दिया पत्नी को 15 हजार रुपए भत्ता देने का आदेश- गौरतलब है कि कोर्ट का यह आदेश उसके पहले के एक आदेश की पुनर्विचार याचिका पर आया है, जिसमें याचिकाकर्ता को उससे अलग हो चुकी पत्नी को तब तक प्रति महीने 15 हजार रुपए का गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था जबतक उसका बेटा ग्रेजुएशन पूरी करता या रुपए कमाना शुरू नहीं कर देता. इससे पहले एक फैमिली कोर्ट ने आदेश दिया था कि बेटे को तब तक गुजारा भत्ता दिया जाएगा जब तक वह बालिग नहीं हो जाता और बेटी को तब तक गुजारा भत्ता देना होगा जब तक वह नौकरी नहीं करने लगती या उसकी शादी नहीं हो जाती.

बता दें कि ऐसे मामलों में हाई कोर्ट ने कहा कि ज्यादातर घरों में सामाजिक-सांस्कृतिक कारणों से महिलाएं काम नहीं कर सकतीं और इसलिए वे खुद को आर्थिक रूप से नहीं संभाल सकतीं. हालांकि जिन घरों में महिलाएं काम करती हैं और अपने खर्चे के लिए पर्याप्त कमाई करती हैं, वहां स्वाभाविक रूप से यह मतलब नहीं हो जाता कि वहां पति अपने बच्चों की जिम्मेदारियों से मुक्त हो गया है.

कोर्ट ने कहा कि बच्चों को सुविधाएं प्रदान करना पिता का भी बराबर कर्तव्य है और ऐसी कोई स्थिति नहीं है जब सिर्फ मां को अपने बच्चों को पालने और उनकी शिक्षा का खर्च वहन करना पड़े. इस दौरान कोर्ट ने कहा कि 18 साल की आयु में बच्चा 12वीं क्लास में है या ग्रेजुएशन के पहले साल में है. लेकिन इससे बच्चे की पढ़ाई का पूरा खर्चा मां पर आ जाता है और इसमें पिता का कोई योगदान नहीं होता. ऐसी स्थिति का कोर्ट समर्थन नहीं कर सकती है.

संपादकीय

घटती आजादी के दौर में इंटरनेट

तकरीबन 31 साल पहले मानव सभ्यता ने संवाद का एक नया माध्यम हासिल किया था। संवाद का हर नया माध्यम न सिर्फ अभिव्यक्ति के नए रास्ते खोलता है, बल्कि ज्ञान-विज्ञान को भी नए पड़ाव तक ले जाता है। इन सारे दबावों के बीच लोग भी बदलते हैं और समाज भी पूरी तरह बदल जाते हैं। कई बार तो इतना बदल जाते हैं कि फर्क जमीन-आसमान का हो जाता है। अतीत में जाकर उस समाज को देखिए, जिसमें भाषा का विकास नहीं हुआ था और उसकी तुलना उस समाज से कीजिए, जिसमें भाषा का विकास हो गया था, अंतर बहुत साफ नजर आएगा। लगेगा कि जैसे दोनों दो अलग ग्रह के वासी हैं। कुछ इसी तरह का बदलाव तीन दशक पहले इंटरनेट ने हमारी झोली में डाला था, जिसने इस दरम्यान हमारी जमीन और हमारे आसमान को पूरी तरह बदल दिया। जब हमने भाषा का विकास किया, या जब हमने लिखना शुरू किया, या जब छापेखाने ने पूरी दुनिया पर अपनी छाप छोड़ी, या जब रेडियो, टीवी और टेलीफोन जैसे संवाद के माध्यम हमारे बीच आए, कभी भी बदलाव इतनी तेजी से हमारे घरों और दिल-ओ-दिमाग में नहीं घुसा, जितना पिछले 30 साल में तकरीबन हर जगह घुसपैठ कर गया है। एक फर्क यह भी रहा कि बाकी ज्यादातर माध्यम भूगोल या रेडियो तरंगों की सीमाओं से बंधे थे, लेकिन इंटरनेट के इस नए माध्यम ने पुरानी बाधाओं को पार करते हुए पूरी दुनिया को एक साथ जोड़ दिया। ये फर्क अपनी जगह हैं, लेकिन सबसे बड़ा फर्क कुछ और था, जो उस दौर में एक बड़ी उम्मीद बंधा रहा था। यह माध्यम उस दौर में आया, जब आजादी और खासकर अभिव्यक्ति की आजादी एक बड़ा मूल्य बनती जा रही थी। तानाशाही खत्म हो रही थी और लोकतंत्र का विस्तार हो रहा था।

बर्लिन की दीवार टूट चुकी थी और चीन को छोड़कर बाकी साम्यवादी देशों में सर्वहारा की कथित तानाशाही या तो विदा हो चुकी थी या अंतिम सांसें गिन रही थी। ऐसे देश, जिनमें लोकतंत्र है, उनकी संख्या अचानक ही बढ़ने लगी थी। इसी माहौल ने अमेरिका के एक राजनीतिशास्त्री फ्रांसिस फुकुयामा को इतना प्रभावित किया कि उन्होंने इतिहास के अंत की घोषणा कर दी। द एंड ऑफ हिस्ट्री ऐंड द लास्ट मैन नाम की उनकी किताब की सबसे ज्यादा आलोचना उसके शीर्षक को लेकर ही हुई थी। हालांकि, इसमें उन्होंने जो कहा था, वह उस समय बहुत से लोगों को सच लगता था। उन्हें लग रहा था कि मानव सभ्यता अब अपने वैचारिक विकास के शिखर पर पहुंच चुकी है। धीरे-धीरे लोकतंत्र पूरी दुनिया में पहुंचेगा और सभी देश इसी की परंपराओं से चलेंगे। मगर 30 साल में दुनिया कहां पहुंच गई, इसकी चर्चा हम बाद में करेंगे, फिलहाल बात इंटरनेट की। उस समय उम्मीद यह थी कि एक ऐसा मंच तैयार हो गया है, जो पूरी दुनिया के लोगों को जोड़ेगा और इससे बहुत सी खाइयां पाटी जा सकेंगी। दिल्ली के वन बेडरूम में बैठा एक व्यक्ति जब लिस्बन, काहिरा और रियो डी जेनेरो के अनजान लोगों से जुड़ेगा, तब उसका नजरिया भी विस्तृत होगा। उसकी सोच अपने पूर्वाग्रहों के तिनकों और फूस से लदे-फदे कबूतरखानों से बाहर निकलेगी, तो उसे एक नई विश्व दृष्टि भी मिलेगी। यह भी उम्मीद थी कि तानाशाही में गुजर-बसर करने वालों का संपर्क जब लोकतंत्र की जीवन-शैली जीने वालों से होगा, तो उनके अपने देश में लोकतंत्र कायम करने का दबाव बनेगा। इसी के कुछ बाद जब पश्चिम एशिया में वे आंदोलन दिखे, जिन्हें हम 'अरब स्प्रिंग' के नाम से जानते हैं, तो एकबारगी लगा कि यह सपना सच होकर ही मानेगा। लेकिन सुंदर सपनों के टूटने का इतिहास भी उतना ही बड़ा है, जितना खुद मानव सभ्यता का इतिहास। और अब, जब हम साल 2021 में हैं, तब हमें मिली है अमेरिकी संस्था फ्रीडम हाउस की एक रिपोर्ट- फ्रीडम ऑन द नेट। इंटरनेट पर दुनिया भर के देशों में आजादी का हाल बताने वाली यह रिपोर्ट हर साल जारी होती है। यह रिपोर्ट बता रही है कि तकरीबन पूरी दुनिया में इंटरनेट इस्तेमाल करने वालों पर सरकारों का नजला गिरा है। सोशल मीडिया पर पोस्ट के कारण कहीं लोगों को मारा-पीटा गया, तो कहीं उन्हें गिरफ्तार करके जेल में डाल दिया गया। यहां आप चाहें, तो यह मान सकते हैं कि भारत में कम से कम इतने बुरे हाल तो नहीं हैं, और चाहें, तो आप ऐसे कुछ भारतीय उदाहरण भी दे सकते हैं, जहां लोगों को सोशल मीडिया पर पोस्ट के लिए प्रताड़ित किया गया। यह मामला सिर्फ भारत या किसी इस या उस देश का नहीं है, कमोबेश यह सब लगभग पूरी दुनिया में हो रहा है।

बेशक, इंटरनेट की किसी पोस्ट के कारण अगर कोई सरकार किसी को गिरफ्तार करती है, तो इससे इंटरनेट की ताकत भी समझी जा सकती है। दुनिया भर के तानाशाहों को अब खतरा आंदोलनों से ज्यादा इंटरनेट से लगने लगा है। लेकिन यह भी सच है कि इंटरनेट से हम जिस दबाव और बदलाव की उम्मीद बांध रहे थे, न सिर्फ वह उम्मीद अधूरी रह गई, बल्कि दुनिया उसकी उल्टी दिशा में भागती दिख रही है। हम यह सोच रहे थे कि इंटरनेट हर किसी की सोच को नया विस्तार देगा, लेकिन मानसिकता के कबूतरखाने अब और छोटे होते जा रहे हैं। यह इंटरनेट की आभासी दुनिया के आस-पास ही नहीं हो रहा, उसके बाहर के समाजों का हाल भी वही है। उदारवाद, नागरिक अधिकार और धर्मनिरपेक्षता जैसे शब्दों को जब गाली की तरह इस्तेमाल किया जाने लगे, तब भला यह उम्मीद कैसे की जा सकती है कि वह आजादी बची रह जाएगी, जिसकी ये सब उपलब्धियां थीं। ये सब वे उपलब्धियां हैं, जो पूरी 20वीं सदी की राजनीतिक चेतना से उपजी थीं और हमारे जैसे बहुत से देशों ने तमाम संघर्षों के बाद इनको हासिल किया था। जिन्हें नहीं हासिल हो सकीं, उनके लिए वे एक हसरत थीं। 21वीं सदी के कुछ शुरुआती वर्षों में ही हमने वह राजनीतिक चेतना खोनी शुरू कर दी है। वह भी उस समय, जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी।

प्रवीण कुमार सिंह

सीमाओं की सुरक्षा पर सस्ती राजनीति, बंगाल और पंजाब की सरकारें आखिर क्यों जता रही आपत्ति?

यह किसी से छिपा नहीं कि कानून एवं व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा पर किस तरह संकीर्ण राजनीति होती है और उसके कारण पुलिस को किस प्रकार बेजा दखल का सामना करना पड़ता है। कम से कम ऐसा सीमाओं की रक्षा के मामले में तो नहीं ही होना चाहिए। सीमाओं की सुरक्षा के मामले में जैसे खतरे बढ़ते जा रहे हैं, उन्हें देखते हुए होना तो यह चाहिए कि केंद्र और राज्य मिलकर संघीय पुलिस के किसी ढांचे का निर्माण करने की दिशा में आगे बढ़ें। इसकी आवश्यकता एक अर्से से महसूस की जा रही है, क्योंकि आंतरिक सुरक्षा के समक्ष चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं।

पंजाब, बंगाल और असम में अंतरराष्ट्रीय सीमा से 50 किलोमीटर के दायरे में सीमा सुरक्षा बल को तलाशी लेने, जब्ती करने और गिरफ्तारी का अधिकार देने के केंद्र सरकार के फैसले का विरोध यही बताता है कि अब सीमाओं की सुरक्षा का सवाल भी दलगत राजनीति का विषय बन गया है। इस फैसले का जहां असम सरकार ने स्वागत किया है, वहीं बंगाल और पंजाब की सरकारें आपत्ति जता रही हैं। इसके साथ ही कुछ और विरोधी दल भी इस फैसले का विरोध करने के लिए आगे आ गए हैं। उनका तर्क है कि इससे संघीय ढांचे को नुकसान पहुंचेगा। आखिर कैसे, क्योंकि सीमा सुरक्षा बल को जो अधिकार दिए गए हैं, वे राजस्थान में पहले से ही 50 किमी के दायरे में लागू हैं और गुजरात में तो 80 किमी के दायरे में प्रभावी थे। अब वहां उन्हें 80 से घटाकर 50 किमी कर दिया गया है। क्या इस फैसले के विरोधी यह कहना चाहते हैं कि राजस्थान और गुजरात में संघीय ढांचे के खिलाफ काम किया जा रहा है? स्पष्ट है कि संघीय ढांचे को नुकसान पहुंचने या फिर उसकी भावना के विपरीत काम करने के आरोप महज राजनीति से प्रेरित हैं और उनका मकसद केवल विरोध के लिए विरोध करना है। इसका पता इससे भी चलता है कि जहां कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के नेता केंद्र सरकार के फैसले का विरोध कर रहे हैं, वहीं पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह उसे सही बता रहे हैं।

केंद्र सरकार के फैसले का विरोध करने वाले जिस तरह संघवाद को तूल दे रहे हैं, उससे साफ है कि वे राष्ट्र और उसकी सुरक्षा से ज्यादा संघीय ढांचे को महत्व दे रहे हैं। वे यह समझने को तैयार नहीं कि आम जनमानस संघवाद से कहीं अधिक महत्व राष्ट्र की सुरक्षा को देता है। आखिर यह कैसा संघवाद है, जो

राष्ट्र की सुरक्षा को ओझल करने को तैयार है? सवाल यह भी है कि पंजाब और बंगाल की सरकारें कानून एवं व्यवस्था जितना महत्व सीमाओं की सुरक्षा को क्यों नहीं देना चाहतीं? राज्य के अधिकार क्षेत्र वाले विषयों के आगे सीमाओं की रक्षा के सवाल की उपेक्षा करना एक तरह की सामंती मानसिकता ही है। राज्यों के क्षत्रपों की यह मानसिकता यही बताती है कि राज्य के आगे किस तरह राष्ट्र के हितों को अनदेखा किया जा रहा है। केंद्र सरकार के फैसले का विरोध करने वाले इस तथ्य को भी नजरअंदाज कर रहे हैं कि सीमा सुरक्षा बल के अधिकारों में वृद्धि मादक पदार्थों, हथियारों की तस्करी रोकने और आतंकी तत्वों की घुसपैठ पर लगाम लगाने के लिए की गई है। जो फैसला सीमाओं की सुरक्षा को मजबूत करने और सीमावर्ती इलाकों की पुलिस का बोझ घटाने में सहायक बनेगा, उस पर राजनीतिक रोटियां सेंकना एक तरह से देश विरोधी तत्वों को बल देना है।

केंद्र सरकार ने सीमा सुरक्षा बल के अधिकार बढ़ाने का फैसला एक ऐसे समय लिया, जब पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने कुछ ही दिनों पहले गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर पाकिस्तान से लगती पंजाब की सीमाओं को सील करने की मांग की थी। इसका मतलब था कि तमाम चौकसी के बाद भी सीमा पार से देश विरोधी गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं। चंद दिन पहले तक पंजाब कांग्रेस के अन्य अनेक नेता तो यह बात खुले तौर पर कह रहे थे। क्या पंजाब के नेता इससे अनजान हैं कि राज्य में ड्रग्स की तस्करी किस तरह बढ़ती जा रही है? हाल के समय ऐसे भी आरोप सामने आए हैं कि ड्रग्स तस्करी में पुलिस कर्मियों की भी मिलीभगत रहती है। सच्चाई जो भी हो, इससे इन्कार नहीं कि पंजाब में ड्रग्स और हथियारों की तस्करी बेलगाम सी है। इसके और अधिक बेलगाम हो जाने का खतरा इसलिए पैदा हो गया है, क्योंकि अफगानिस्तान में तालिबान का कब्जा हो गया है और इसी के साथ पाकिस्तान के इशारे पर भारत में ड्रग्स की तस्करी का खतरा भी बढ़ गया है।

सीमा सुरक्षा बल के अधिकार बढ़ाने के फैसले का संकीर्ण राजनीतिक कारणों से विरोध यह भी बताता है कि पंजाब और बंगाल की सरकारें किस तरह केंद्रीय बल पर भरोसा करने के लिए तैयार नहीं। यदि पंजाब, असम और बंगाल में सीमा सुरक्षा बल के अधिकार बढ़ाते हुए उनका दायरा 15 से 50 किमी तक बढ़ाया गया है तो इसका सीधा मतलब है कि सीमा पार सक्रिय ड्रग्स और हथियार तस्कर इन राज्यों के सीमावर्ती इलाकों में 15 किमी से कहीं अधिक अंदर तक अपनी पहुंच बनाने में सफल हो गए हैं। वे या तो सीमा पार कर 15 किमी से ज्यादा अंदर तक दाखिल हो जाते हैं या फिर इन राज्यों में उनके मददगार इस दायरे से आगे भी सक्रिय रहते हैं। आखिर जब पुलिस और सीमा सुरक्षा बल 15 किमी के दायरे में मिलकर काम कर सकते हैं तो 50 किमी के दायरे में क्यों नहीं? सीमा सुरक्षा बल के अधिकारों का दायरा बढ़ाना इसलिए उचित है, क्योंकि उसके पास सीमांत इलाकों की निगरानी रखने का जैसा अनुभव है, वैसा राज्यों की पुलिस के पास नहीं। कोई भी काम उसे ही सौंपा जाना चाहिए, जिसके पास उसकी विशेषज्ञता और अनुभव हो।

बेहतर होगा कि पंजाब और बंगाल के सत्ताधारी दल सीमाओं की सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा पर सस्ती राजनीति करना बंद करें, क्योंकि संघीय ढांचे को नुकसान तो इसी राजनीति से होगा। वास्तव में जब तक कानून एवं व्यवस्था, आंतरिक सुरक्षा और सीमाओं की रक्षा के सवालों पर राजनीति होती रहेगी, तब तक सुधार होने वाला नहीं है। यह किसी से छिपा नहीं कि कानून एवं व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा पर किस तरह संकीर्ण राजनीति होती है और उसके कारण पुलिस को किस प्रकार बेजा दखल का सामना करना पड़ता है। कम से कम ऐसा सीमाओं की रक्षा के मामले में तो नहीं ही होना चाहिए। सीमाओं की सुरक्षा के मामले में जैसे खतरे बढ़ते जा रहे हैं, उन्हें देखते हुए होना तो यह चाहिए कि केंद्र और राज्य मिलकर संघीय पुलिस के किसी ढांचे का निर्माण करने की दिशा में आगे बढ़ें। इसकी आवश्यकता एक अर्से से महसूस की जा रही है, क्योंकि आंतरिक सुरक्षा के समक्ष चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। यह चिंताजनक है कि जब इस आवश्यकता की पूर्ति होनी चाहिए, तब पंजाब, बंगाल सरीखे राज्य अपने अधिकारों को तूल देकर केंद्र पर हमलावर हैं।

चीन का गिरता विकास दर भारत के लिए फायदेमंद है या घाटे का सौदा?

चीन इस वक्त अपने बुरे दौर से गुजर रहा है. एक तरफ जहां वैश्विक मंच पर उसे अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन जैसों देशों का सामना करना पड़ रहा है. वहीं दूसरी ओर आर्थिक मोर्चे पर भी चीन की हालत खस्ता है. चीन के नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टैटिक्स ने जुलाई से सितंबर की तिमाही के आंकड़े जारी किए हैं, जो दिखाता है कि सितंबर 2021 के अंतिम तिमाही में चीन की विकास दर 4.9 फीसदी रही. इसका सबसे बड़ा कारण था इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन में गिरावट जो सितंबर में 3.1 फीसदी रही. जबकि इसके 4-4.5 फीसद रहने का अनुमान था. एक तरफ जहां कोरोना संकट के दौर से गुजर चुकी दुनिया की अर्थव्यवस्था अब धीरे-धीरे पटरी पर लौट रही है. तो वहीं दूसरी तरफ चीन की अर्थव्यवस्था की हालत बिल्कुल उल्टी दिशा में है. जबकि चीन ही ऐसा पहला देश था जिसने सबसे पहले कोरोना महामारी को मात देने का दावा किया था और अपने यहां लॉकडाउन हटाया था. यहां तक की उस दौरान चीन की अर्थव्यवस्था बाकी देशों के मुकाबले काफी सही रफ्तार में थी. उसके बावजूद भी चीन की स्थिति ऐसी हो गई है कि उसकी अर्थव्यवस्था अब नीचे लुढ़कती जा रही है.

चीन की गिरती अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा कारण है चीन में ऊर्जा संकट का तेजी से उभार. जब कोरोना महामारी चीन में थोड़ी धीमी पड़ी, तब चीन के तमाम व्यवसाय खुलने लगे. इससे बिजली की भी मांग तेजी से बढ़ने लगी. चूंकी चीन में ज्यादातर बिजली का उत्पादन कोयले से होता है. इसलिए कोयले की कीमत भी तेजी से बढ़ने लगी. चीन के कुल कोयला उत्पादन में 30 फ़ीसदी योगदान उसके शानशी प्रांत का होता है. लेकिन इस बार चीन का शानशी प्रांत भारी बारिश के कारण बाढ़ की चपेट में है, जिसकी वजह से वहां कोयले का उत्पादन में भारी कमी आई. इस वजह से चीन में बड़ा बिजली संकट पैदा हो गया.

इस संकट की वजह से उद्योगों के साथ-साथ लोगों के घरों से भी बिजली की कटौती चीन की सरकार को करनी पड़ी. रॉयटर्स में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को जो चीन के नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टैटिक्स का आंकड़ा सामने आया उसे देखकर यह साफ कहा जा सकता है कि चीन का व्यापारी वर्ग इस वक्त नई परियोजनाओं में निवेश करने को लेकर बेहद कम उत्सुक दिखाई देता है.चीन की गिरती अर्थव्यवस्था के पीछे चीन के प्रॉपर्टी सेक्टर का भी हाथ है. दरअसल बीते दिनों पता चला कि चीन की कंस्ट्रक्शन कंपनी चाइना एवरग्रांड ग्रुप दिवालिया होने के कगार पर आ गई है. इस ग्रुप ने लगभग 3000 अरब डॉलर से अधिक का कर्ज ले रखा है. चीन में ऐसी कई रियल एस्टेट सेक्टर की कंपनियां हैं जो या तो खुद को दिवालिया घोषित कर चुकी हैं या फिर भविष्य में कर सकती हैं.

दरअसल चीन की जीडीपी का लगभग एक चौथाई हिस्सा रियल एस्टेट सेक्टर से आता है. ऐसे में चीन की सरकार ने इन कंपनियों की निर्भरता कर्ज से कम करने के लिए पिछले साल एक कानून लागू किया था. इस कानून के तहत 3 नियम बनाए गए थे. जिनमें कंपनियों की देनदारी उनकी कुल संपत्ति के 70 फ़ीसदी से अधिक ना हो, कंपनी का कर्ज उसकी कुल पूंजी से अधिक ना हो ताकि कंपनी कम समय के कर्ज को लिक्विड एसेट से चुका सके. इसी क़ानून की वजह से चीन की कंपनी एवरग्रांड अब और कर्ज नहीं ले सकती थी. इसी तरह की मुश्किल में चीन की और भी रियल एस्टेट कंपनियां फंसी हुई हैं जो अब बैंकों से और कर्ज नहीं ले सकती. उनके साथ समस्या यह है कि बिना कर्ज के ना तो वह सप्लायर्स को पैसा दे सकती हैं, ना ही बीच में अटके अपने प्रोजेक्ट को पूरा कर सकती हैं.

इस वक्त चीन दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक देश है, कपड़े, खिलौने, दवाइयां, सस्ते इलेक्ट्रॉनिक्स सामान जैसे कई प्रोडक्ट चीन दुनिया के कई देशों को निर्यात करता है. लेकिन ऊर्जा संकट से जूझता चीन प्रोडक्शन के क्षेत्र में भी धीमा पड़ रहा है और वह दुनिया भर के देशों को डिमांड के हिसाब से सप्लाई नहीं दे पा रहा है. अगर स्थिति ऐसी बनी रही तो आने वाले समय में दुनियाभर के देश दूसरा ऐसा कोई विकल्प तलाश करेंगे जो उन्हें समय पर डिमांड के हिसाब से सप्लाई दे सके. ऐसे में भारत उन देशों के लिए एक बेहतर विकल्प बन सकता है, जिसकी उत्पादन क्षमता में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है. हालांकि अगर भारत और चीन के बीच व्यापार की बात करें तो चीन के सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 2021 के शुरुआती 9 महीनों में चीन के साथ दूसरे देशों का द्विपक्षीय व्यापार लगभग 50 फ़ीसदी बढ़ा है. वहीं भारत के वाणिज्यिक मंत्रालय की रिपोर्ट कहती है कि अप्रैल से जुलाई के समय में भारत का शीर्ष व्यापारिक भागीदार चीन था. उसके बाद अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और सिंगापुर का नंबर आता है. चीन से भारत का आयात 2021 के पहले 9 महीने में बढ़कर 68.5 बिलियन डॉलर का हो गया, जो साल 2020 के इसी समयावधि से 52 फ़ीसदी अधिक है. जबकि अगर हम जनवरी से सितंबर के बीच अगर हम भारत और चीन के व्यापार के आंकड़े देखें तो यह 90.38 अरब डॉलर तक पहुंच गया है. जिसके साल के अंत तक 100 अरब डॉलर के पार करने का अनुमान लगाया जा रहा है. इसलिए ये भी कहा जा रहा है कि चीन की गिरती अर्थव्यवस्था भारत के लिए उल्टा भी पड़ सकता है.

राहुल फिर बनेंगे अध्यक्ष!

कांग्रेस कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक के जरिए नेतृत्व ने न केवल पार्टी के अंदर के असंतुष्टों को सख्त संदेश दिया बल्कि उनके उठाए मुद्दों को भी संबोधित किया। बैठक में पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने जिस लहजे में बात रखी, वह खास तौर पर ध्यान देने लायक था। उन्होंने साफ-साफ कहा कि वह पार्टी की पूर्णकालिक अध्यक्ष हैं और साफगोई पसंद करती हैं। इसलिए किसी को उनसे मीडिया के जरिए संवाद करने की जरूरत नहीं है।

यह जी-23 के रूप में रेखांकित किए गए कपिल सिब्बल जैसे उन नेताओं को जवाब था, जो अक्सर कहते रहे हैं कि पार्टी को एक पूर्णकालिक अध्यक्ष की जरूरत है। हालांकि इसके साथ ही सोनिया ने यह भी कहा कि उन्हें अच्छी तरह अहसास है, वह एक अंतरिम अध्यक्ष हैं।

इसलिए पार्टी ने 30 जून तक एक नियमित अध्यक्ष चुनने का फैसला किया था। मगर कोरोना की दूसरी लहर को देखते हुए चुनाव स्थगित करने पड़े। कार्यसमिति ने अगले साल अगस्त-सितंबर तक नया अध्यक्ष चुनने का भी संकेत दिया। एक और महत्वपूर्ण संकेत राहुल गांधी की तरफ से आया, जब पार्टी नेताओं द्वारा दोबारा पार्टी अध्यक्ष पद स्वीकार करने के औपचारिक आग्रह के जवाब में उन्होंने कहा, वह इस पर विचार करने को तैयार हैं।

इसका मतलब एक तो यह हुआ कि पार्टी अध्यक्ष पद के लिए जिस चुनाव की बात हो रही है वह औपचारिकता से ज्यादा कुछ नहीं होगा। अगर राहुल गांधी अध्यक्ष पद के प्रत्याशी हुए तो हो सकता है कोई और खड़ा ही न हो, वह निर्विरोध निर्वाचित हो जाएं। अगर कोई खड़ा हुआ तो भी लड़ाई सांकेतिक ही होगी क्योंकि राहुल का चुना जाना लगभग तय है। इसका दूसरा मतलब यह है कि पार्टी के गांधी परिवार की पकड़ से बाहर आने की जो संभावना पिछले कुछ समय से बताई जा रही थी, उसे समाप्त मान लेना चाहिए। यानी पारिवारिक वर्चस्व आदि जिन कमजोरियों के लिए कांग्रेस पार्टी जानी जाती रही है, उनसे उसके निजात पाने की अब निकट भविष्य में कोई सूरत नहीं दिख रही।

देखना होगा कि मौजूदा चुनौतियों के संदर्भ में आने वाले समय में ये उसकी ताकत साबित होती हैं या कमजोरी। लेकिन जहां तक पार्टी की रोज-रोज की बयानबाजी जैसे सिरदर्द की बात है तो जी-23 नेताओं का मुंह बंद करने की कोशिशों के बावजूद पार्टी की यह परेशानी दूर नहीं होने वाली। इसका ताजा उदाहरण पंजाब से आया, जहां दो दिन पहले पार्टी नेतृत्व पर पूरा विश्वास जताने वाले सिद्धू ने फिर सोनिया गांधी को लंबा पत्र लिखते हुए ऐसे 13 मुद्दे गिनाए, जिन पर उनके मुताबिक राज्य सरकार को अपने वादे पूरे करने चाहिए।

राष्ट्र के दीर्घकालिक हित में लिए गए मजबूत निर्णय, रक्षा निर्माण को मिली नई उड़ान

यह परिकल्पना की गई है कि इन नई कंपनियों के साथ-साथ सार्वजनिक क्षेत्र की मौजूदा कंपनियां देश में एक मजबूत 'सैन्य औद्योगिक परिवेश' बनाने के लिए निजी क्षेत्र के साथ मिलकर काम करेंगी। इससे हमें समय पर स्वदेशी क्षमता विकास की योजना बनाकर आयात को कम करने और इन संसाधनों को स्वदेश में ही बने रक्षा उत्पादों की खरीद में लगाने में काफी मदद मिलेगी। इसमें सफलता मिलने पर हमारी अर्थव्यवस्था में व्यापक निवेश आएगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। हालांकि, इसमें कई चुनौतियां हैं। यह सही है कि सदियों पुरानी परंपराओं और कार्यसंस्कृति को रातोंरात बदलना मुश्किल है। फिर भी हमारा मंत्रालय शुरुआती मुद्दों को हल करने एवं मार्गदर्शन करने के साथ-साथ इन नवगठित कंपनियों को व्यवहार्य या लाभप्रद व्यावसायिक इकाइयों में परिवर्तित करने के लिए हरसंभव सहायता प्रदान करेगा।

किसी भी बड़े सुधार की शुरुआत करने और उसे अंजाम तक पहुंचाने के लिए धैर्य, प्रतिबद्धता तथा संकल्प की आवश्यकता होती है। हितधारकों की प्रतिस्पर्धी आकांक्षाओं को पूरा करते हुए यथास्थिति में बदलाव के लिए सूक्ष्म संतुलित प्रयास आवश्यक हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में हमारी सरकार ऐसे मजबूत निर्णय लेने और महत्वपूर्ण सुधार करने में कभी नहीं हिचकिचाती, जो लाभदायक होने के साथ-साथ राष्ट्र के दीर्घकालिक हित में हों। रक्षा में आत्मनिर्भरता, भारत की रक्षा उत्पादन नीति की आधारशिला रही है। सरकार द्वारा हाल में 'आत्मनिर्भर भारत' के आह्वान से इस लक्ष्य की प्राप्ति को और गति मिली है। भारतीय रक्षा उद्योग मुख्य रूप से सशस्त्र बलों की जरूरतों को पूरा करता है और इसने बाजार तथा विभिन्न उत्पादों के साथ स्वयं को भी विकसित किया है। निर्यात में हाल की सफलताओं से प्रेरित होकर भारत एक उभरते हुए रक्षा विनिर्माण केंद्र के रूप में अपनी क्षमता के अनुरूप कार्य करने के लिए तैयार है। हमारा लक्ष्य सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से निर्यात सहित बाजार तक पहुंच के साथ-साथ डिजाइन से लेकर उत्पादन तक भारत को रक्षा क्षेत्र के मोर्चे पर दुनिया के शीर्ष देशों में स्थापित करना है।

वर्ष 2014 के बाद से भारत सरकार ने रक्षा क्षेत्र में कई सुधार किए हैं, ताकि निर्यात, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और स्वदेशी उत्पादों की मांग को प्रोत्साहन देने के लिए एक अनुकूल तंत्र तैयार किया जा सके। आयुध निर्माणी बोर्ड, रक्षा

मंत्रलय के अधीन था, जिसे शत प्रतिशत सरकारी स्वामित्व वाली सात नई कारपोरेट संस्थाओं में बदलने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया, ताकि कार्य स्वायत्तता व दक्षता को बढ़ाया जा सके और नई विकास क्षमता तथा नवाचार को शुरू किया जा सके। इस निर्णय को निःसंदेह इस श्रृंखला का सबसे महत्वपूर्ण सुधार माना जा सकता है। आयुध निर्माण संयंत्रों का 200 से भी अधिक वर्षों का गौरवशाली इतिहास रहा है। उनका बुनियादी ढांचा और कुशल मानव संसाधन देश की महत्वपूर्ण रणनीतिक संपदा हैं। हालांकि, पिछले कुछ दशकों में सशस्त्र बलों द्वारा ओएफबी उत्पादों की उच्च लागत, असंगत गुणवत्ता और आपूर्ति में देरी से संबंधित चिंताएं व्यक्त की गई हैं।

आयुध निर्माणी बोर्ड (ओएफबी) की मौजूदा प्रणाली में कई खामियां थीं। सात नई कारपोरेट इकाइयां बनाने का यह निर्णय व्यापार प्रशासन के माडल में उभरने के लक्ष्य के अनुरूप है। यह नई संरचना इन कंपनियों के प्रतिस्पर्धी बनने और आयुध कारखानों को अधिकतम उपयोग के माध्यम से उत्पादक और लाभदायक परिसंपत्तियों के रूप में बदलने के लिए प्रोत्साहित करेगी। उत्पादों की विविधता के मामले में विशेषज्ञता को गहराई प्रदान करेगी। गुणवत्ता एवं लागत संबंधी दक्षता में सुधार करते हुए प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देगी और नवाचार एवं लक्षित सोच (डिजाइन थिंकिंग) के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत करेगी। सरकार ने इसके साथ ही यह आश्वासन दिया है कि कर्मचारियों के हितों की रक्षा की जाएगी।

म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड (एमआईएल) मुख्य रूप से विभिन्न क्षमता वाले गोला-बारूद और विस्फोटकों के उत्पादन से जुड़ी होगी। बख्तरबंद वाहन कंपनी (अवनी) मुख्य रूप से टैंक और बारूदी सुरंग रोधी वाहन (माइन प्रोटेक्टेड व्हीकल) जैसे युद्ध में इस्तेमाल होने वाले वाहनों के उत्पादन में संलग्न होगी और इसके द्वारा अपनी क्षमता का बेहतर इस्तेमाल करते हुए घरेलू बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की उम्मीद है। यही नहीं, यह नए निर्यात बाजारों में भी पैठ बना सकती है। उन्नत हथियार एवं उपकरण (एडब्ल्यूई इंडिया) मुख्य रूप से तोपों और अन्य हथियार प्रणालियों के उत्पादन में संलग्न होगी। इसके द्वारा घरेलू मांग को पूरा करने के साथ-साथ उत्पाद विविधीकरण के माध्यम से घरेलू बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की उम्मीद है। अन्य चार कंपनियों के साथ भी यही स्थिति रहेगी।

ओएफबी के सभी लंबित वर्क आर्डर, जिनका मूल्य लगभग 65,000 करोड़ रुपये से अधिक है, को अनुबंधों के जरिये इन कंपनियों को सौंप दिया जाएगा। इसके अलावा, विविधीकरण और निर्यात के माध्यम से कई क्षेत्रों में नई कंपनियों के फलने-फूलने की काफी संभावनाएं हैं। असैन्य इस्तेमाल के लिए दोहरे उपयोग वाले रक्षा उत्पाद भी इनमें शामिल हैं। इसी तरह आयात प्रतिस्थापन के जरिये भी नई कंपनियों का कारोबार बढ़ेगा। वैसे तो आयुध कारखानों को पहले सशस्त्र बलों की जरूरतें पूरी करने की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन नई कंपनियां उस दायरे से भी परे जाकर देश-विदेश में नए अवसरों का पता लगाएंगी। पहले के मुकाबले कहीं अधिक कार्यात्मक एवं वित्तीय स्वायत्तता मिल जाने से ये नई कंपनियां अब आधुनिक कारोबारी माडलों को अपना सकेंगी।

अभी हम आत्मनिर्भरता और निर्यात के लिए देश की रक्षा उत्पादन क्षमताओं पर सुव्यवस्थित ढंग से विशेष जोर देने के लिए विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। यह परिकल्पना की गई है कि इन नई कंपनियों के साथ-साथ सार्वजनिक क्षेत्र की मौजूदा कंपनियां देश में एक मजबूत 'सैन्य औद्योगिक परिवेश' बनाने के लिए निजी क्षेत्र के साथ मिलकर काम करेंगी। इससे हमें समय पर स्वदेशी क्षमता विकास की योजना बनाकर आयात को कम करने और इन संसाधनों को स्वदेश में ही बने रक्षा उत्पादों की खरीद में लगाने में काफी मदद मिलेगी। इसमें सफलता मिलने पर हमारी अर्थव्यवस्था में व्यापक निवेश आएगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। हालांकि, इसमें कई चुनौतियां हैं। यह सही है कि सदियों पुरानी परंपराओं और कार्यसंस्कृति को रातोंरात बदलना मुश्किल है। फिर भी हमारा मंत्रालय शुरुआती मुद्दों को हल करने एवं मार्गदर्शन करने के साथ-साथ इन नवगठित कंपनियों को व्यवहार्य या लाभप्रद व्यावसायिक इकाइयों में परिवर्तित करने के लिए हरसंभव सहायता प्रदान करेगा।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

लखनऊ में बबूल के जंगल में मिला युवक का सिरकटा शव, कुछ दूरी पर मिला बेल्ट और जूता; शिनाख्त नहीं

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी इलाके के मस्तेमऊ में बबूल के जंगल में गुरुवार दोपहर 30 वर्षीय युवक का अर्धनग्न शव मिला। युवक का सिर धड़ से काटकर शव को जंगल में फेंका गया था। घटनास्थल से युवक का सिर गायब था। शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शव तीन से चार दिन पुराना बताया जा रहा है। मस्तेमऊ में बबूल के जंगल में गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने एक सिर कटी अर्धनग्न लाश देखी गई। लाश मिलने की सूचना से मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इंस्पेक्टर विजयेंद्र कुमार सिंह के मुताबिक मृतक के शरीर पर कच्छा है। इसके अलावा कोई कपड़ा नहीं था। उम्र करीब 30 वर्ष है। उसके गले के ऊपर का हिस्सा नहीं है। अनुमान है कि कोई जानवर आदि खा गया होगा। शव की स्थानीय लोगों की मदद से शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। 100 मीटर दूर मिले जूते और बेल्ट- इंस्पेक्टर ने बताया कि घटनास्थल जहां लाश मिली है वहां से करीब 100 मीटर दूर एक जोड़ी जूते और बेल्ट मिली है। इसके अलावा अन्य कोई कपड़ा अथवा सामान नहीं मिला है। जिससे युवक की शिनाख्त की जा सके। जंगल में उसके कपड़े अथवा अन्य वस्तुएं खोजी जा रही हैं। इसके अलावा सभी थानों में शव मिलने की सूचना दे दी गई है। थानों से हाल में गुमशुदा लोगों की भी डिटेल मांगी गई है। जिससे कुछ लोगों को जानकारी दी जा सके। पोस्टमार्टम के बाद युवक की मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी। ग्रामीणों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं कि किसी ने युवक को आते जाते जंगल में देखा कि नहीं। इसके अलावा अन्य बिंदुओं पर भी जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया अति विशिष्ट अतिथि गृह नैमिषारण्य का उद्घाटन, बोले-सरकार की उपलब्धि

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को राजधानी की बटलर पैलेस कॉलोनी में राज्य संपत्ति विभाग के अति विशिष्ट अतिथि गृह नैमिषारण्य का उद्घाटन किया। इसके निर्माण से राज्य सरकार को अपने अतिथियों को रुकवाने में किसी का मुंह नहीं देखना पड़ेगा। इसके साथ ही अब सरकार के धन की भी बड़ी बचत होगी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह राज्य सरकार के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। अभी तक राज्य सरकार के अतिथियों को लखनऊ के होटलों में रुकवाना पड़ता था। ऐसे में यदि होटल पहले से बुक होते थे तो हमें अन्य विकल्पों पर विचार करना पड़ता था। अब ऐसा संकट नही रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों, राज्यपालों, केन्द्रीय मंत्रियों के रुकने की यहां व्यवस्था होगी। उत्तर प्रदेश भारत की आध्यात्मिक ऊर्जा का केन्द्र बिन्दु है। भारत की आत्मा उत्तर प्रदेश में बसती है। उन्होंने कहा कि इसलिए हमने इस अतिथि गृह का नामकरण नैमिषारण्य किया है। इससे यहां आने वाले मेहमान पवित्र तीर्थ स्थल नैमिषारण्य जाने के लिए भी प्रेरित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भवन या संपत्ति को खड़ा कर देना या बना देना बहुत महत्व की बात नहीं है जरूरी यह है कि उसका अच्छा रखरखाव किया जाए। उन्होंने राज्य संपत्ति विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वह इस नवनिर्मित अति विशिष्ट अतिथि गृह के व्यवस्थित संचालन के लिए कार्य योजना बनाकर उसे आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि इस अतिथि गृह के बगल में बनी झील यहां आने वाले मेहमानों के लिए नैमिषारण्य की भौतिक उपस्थिति प्रस्तुत करेगी। उन्होंने बटलर पैलेस कॉलोनी में बनी इस झील को भी उसके प्राकृतिक रूप में संरक्षित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि हरिद्वार में महाराज भगीरथ के नाम से उत्तर प्रदेश का राज्य अतिथि गृह बनाया जा रहा है। बद्रीनाथ में भी अतिथि गृह बन रहा है। इस कार्यक्रम में राज्यसभा सदस्य, अशोक वाजपेयीकानून मंत्री ब्रजेश पाठक, नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन, महापौर संयुक्ता भाटिया, जलशक्ति मंत्री महेंद्र सिंह, मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी और मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल भी मौजूद थे।

कोविड टीकाकरण में देश ने पार किया सौ करोड़ का आंकड़ा, सीएम योगी आदित्यनाथ ने की लाभार्थियों से भेंट

लखनऊ। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण के खिलाफ जंग में बड़ा हथियार बने कोरोना वायरस टीकाकरण में गुरुवार को भारत ने सौ करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दस महीने में सौ करोड़ के टीकाकरण पर बधाई देने के साथ ही उनका आभार भी जताया। सीएम योगी आदित्यनाथ इस बड़े अवसर पर गुरुवार को सरस्वती शिशु मंदिर, निरालानगर में स्थापित कोरोना वायरस टीकाकरण केन्द्र पर भी गए। वहां पर उन्होंने स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और लाभार्थियों से मुलाकात करने के साथ उनका अनुभव भी प्राप्त किया। भारत में 100 करोड़ कोरोना वैक्सीनेशन के आंकड़े को पार करने के बाद राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के सरस्वती शिशु मंदिर में जाकर वैक्सीनेशन ड्राइव का जायज़ा लिया। उन्होंने वहां पर मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों को भी सम्मानित किया। दस महीने में कोरोना वैक्सीनेशन के रिकॉर्ड पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कोरोना मुक्त भारत का सपना साकार हो रहा है। यूपी में 12 करोड़ 25 लाख का वैक्सीनेशन हो चुका है। हमको अभी भी सावधानी व सतर्कता रखनी होगी। मैं कोरोना वॉरियर्स का अभिनंन्दन करता हूं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस मौके पर ट्वीट भी किया। उन्होंने कहा कि देश में अब तक रिकॉर्ड सौ करोड़ कोविड टीके का सुरक्षा कवच प्रदान किया जा चुका है। यह आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व, प्रतिबद्ध स्वास्थ्यकर्मियों के परिश्रम एवं अनुशासित नागरिकों की सहभागिता का सुफल है। अब तो देश में कोरोना वायरस संक्रमण की हार तय है।

झारखंड में इस दिन से खुल रहे छोटे बच्चों के स्कूल, कक्षा एक से पांच तक पढ़ाई शुरू

रांची। राज्य में अब कक्षा एक से पांच के लिए भी स्कूल खुल सकते हैं। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इसे लेकर गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग को प्रस्ताव भेजा है। अभी तक कक्षा 6 से 12 तक के स्कूलों को खोलने की ही अनुमति थी। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने 12 नवंबर को आयोजित होनेवाले नेशनल अचीवमेंट सर्वे का हवाला देते हुए स्कूलों को खोलने की अनुमति मांगी है। इस सर्वेक्षण के माध्यम से कक्षा तीन, पांच, आठ एवं 10 के विद्यार्थियों का का मूल्यांकन होना है। इसके लिए सीबीएसई द्वारा एक परीक्षा ली जाएगी। इस सर्वेक्षण में झारखंड के बच्चों का परफॉर्मेंस खराब न हो, इस कारण स्कूलों को खोलने पर जोर दिया जा रहा है। कहा जा रहा है कि इस आकलन परीक्षा में कक्षा तीन एवं पांच के बच्चों का परफॉर्मेंस खराब हो सकता है, क्योंकि स्कूलों के बंद रहने के कारण इनका पठन-पाठन नहीं हो पाया है। अन्य कक्षाओं के बच्चों की तैयारी कराई जा रही है। बता दें कि वर्ष 2017 में हुए सर्वेक्षण में झारखंड के बच्चों का पूरे देश में चौथा स्थान रहा था। राज्य सरकार सरकारी स्कूलों के शैक्षणिक सत्र को जून माह तक बढ़ाने की तैयारी कर रही है। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इसे लेकर प्रस्ताव तैयार किया है। कोरोना के कारण कई माह तक स्कूलों के बंद रहने के कारण सत्र की अवधि तीन माह के लिए बढ़ाई जाएगी। हालांकि राज्य सरकार ने सिलेबस में 25 फीसद तक की कटौती भी की है। संशोधित सिलेबस जारी कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिले राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सीईओ आरएस शर्मा

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आज झारखंड मंत्रालय में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सीईओ आरएस शर्मा ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी। आरएस शर्मा बुधवार को झारखंड दौरे पर रांची पहुंचे हैं। बुधवार को उन्होंने झारखंड के अधिकारियों के साथ बैठक कर योजना से संबंधित कई निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि आयुष्मान योजना को बेहतर बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है, ताकि राज्य के लाभुकों को अस्पतालों में बेहतर इलाज की सुविधा मिल सके। इसमें अनाथ बच्चों को भी अब आयुष्मान भारत योजना के लाभ से जोडने की तैयारी शुरू कर दी गई है। अभी तक कोरोना काल में अनाथ हुए बच्चों को ही इसका लाभ देने की कवायद शुरू की गई थी। लेकिन अब पहले से भी अनाथ हुए बच्चों को भी इस लाभ के दायरे में लाया जाएगा।

पुलिस स्मृति दिवस पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने ली परेड की सलामी, पौष्टिक भोजन भाा में 25 फीसद बढ़ोतरी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को पुलिस स्मृति दिवस पर लखनऊ पुलिस लाइंस में शोक परेड की सलामी ली। उन्होंने बलिदानी चार पुलिसकर्मियों के परिवारीजन को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस पर पुलिस कल्याण से जुड़ी घोषणाएं भी कीं। इस अवसर पर डीजीपी मुकुल गोयल तथा अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी भी मौजूद थे। कर्तव्य की वेदी पर प्राणों की आहूति देने वाले चार बलिदानी पुलिसकर्मियों के सम्मान में आज लखनऊ पुलिस लाइंस में शस्त्र झुके थे। वहां शहीदों की अमर गाथाएं गूंज रही थीं। चार शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पुलिस स्मृति दिवस परेड के सलामी लेने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इन चार बलिदानी पुलिसकर्मियों के परिवार को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर उन्होंने पुलिसकर्मियों को उनके कल्याण से जुड़ी घोषणाएं भी कीं। उन्होंने अराजपत्रित पुलिसकर्मियों के पौष्टिक आहार भत्ते में 25 फीसद बढ़ोत्तरी की घोषणा की। इसके साथ ही प्रदेश की कानून-व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए मुख्य आरक्षी व आरक्षी को सीयूजी सिम व सालाना दो हजार रुपए मोबाइल भत्ता प्रदान किये जाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने देश के सभी शहीद पुलिसकर्मियों को याद किया।इस अवसर पर मैं सभी शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। हमारे पुलिसकर्मियों का सर्वोच्च बलिदान हमें लगातार कर्तव्य पथ पर पूर्ण निष्ठा, मनोयोग और दायित्व बोध के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा देता रहेगा।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ बलिदानी पुलिसकर्मियों के परिवार के साथ है। उन्होंने कहा कि पुलिसजन अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी प्रदेश तथा देश में अपराध व अपराधी को नियंत्रित करने के साथ ही माता व बहनों की रक्षा में लगे रहते हैं। इतना ही नहीं कोरोना संक्रमण काल में पुलिसकर्मियों का अहम् योगदान रहा है। पुलिसकर्मी अपने कर्तव्य का पालन करते हुए कोरोना संक्रमित हुए फिर भी वो लगातार सेवा कार्य में लगे रहे। कर्तव्य पालन के दौरान कोरोना संक्रमण से 37 पुलिसकर्मियों को असमय काल के गाल में समाना पड़ा। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक मुकुल गोयल ने कहा कि आज तो शहीद वीरों को याद करने का दिन है। शहीदों की स्मृति में हम सब एकत्र हैं। सभी शहीदों को मेरा नमन है। बीते एक वर्ष में उत्तर प्रदेश पुलिस के चार कर्मी शहीद हुए थे।

मुख्यमंत्री ने पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर इस वर्ष बलिदानी शहीद उपनिरीक्षक स्वर्गीय प्रशान्त यादव, शहीद आरक्षी स्वर्गीय सोनू कुमार, स्वर्गीय हरविन्द्र सिंह व देवेन्द्र सिंह के परिवार को सम्मानित किया। एक सितंबर 2020 से 31 अगस्त 2021 के मध्य देश में कर्तव्य पथ पर वीरगति को प्राप्त करने वाले पुलिसकर्मियों की शौर्य गाथाओं को याद किया गया। आगरा के थाना खंदौली में तैनात उपनिरीक्षक प्रशान्त यादव कानून-व्यवस्था ड्यूटी पर तैनात थे। प्रशान्त कुमार मोटरसाइकिल से हमराह आरक्षी चन्द्रेसन के साथ गश्त कर रहे थे। ग्राम नहर्रा के पास अपराधी विश्वनाथ हाथ में तमंचा लेकर खड़ा था। प्रशान्त यादव ने मोटरसाइकिल से उतरकर उसे पकडने का प्रयास किया, लेकिन इसी बीच अपराधी ने गोली चला दी थी। गोली लगने से घायल उपनिरीक्षक प्रशान्त यादव की 24 मार्च 2021 को मृत्यु हो गई थी। वहीं मैनपुरी में तैनात आरक्षी हरविन्द्र सिंह भाजपा नेता शिवम सिंह चौहान के गनर थे। छह नवंबर 2020 की शाम स्टेशन रोड के पास बदमाशों ने भाजपा नेता की कार पर ताबड़तोड़ फायड्क्षरग की थी। हमले में शिवम सिंह की सुरक्षा में तैनात हरविन्द्र सिंह गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए थे। आगरा के एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान 28 नवंबर को उनकी मृत्यु हो गई थी।

आगरा के थाना सैंया में तैनात उपनिरीक्षक अमित कुमार सिंह अन्य आरक्षियों के साथ आठ नवंबर 2020 की रात क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि एक ट्रैक्टर ट्राली राजस्थान से अवैध खनन लेकर आ रही है। इस सूचना पर आरक्षी सोनू कुमार व दो अन्य आरक्षियों को थाने से बुलाया गया, जो तिराहे पर मुस्तैद हो गए थे। कुछ देर बाद अवैध खनन से लदी ट्रैक्टर ट्राली उधर से गुजरी और तिराहे पर पुलिसकर्मियों को मौजूद देखकर चालक ने ट्रैक्टर की रफ्तार बढ़ा दी। आरक्षी सोनू कुमार ने बड़े साहस से ट्रैक्टर को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने उन्हें टक्कर मार दी थी। घटना में गंभीर रूप से घायल आरक्षी सोनू कुमार की मौके पर ही मृत्यु हो गई थी।

2022 में वीआईपी 169 सीटों पर लड़ेगी यूपी में चुनाव, प्रयागराज में बोले लौटनराम निषाद

प्रयागराज। विकासशील इंसान पार्टी (वीआइपी) सियासी समर में दमखम दिखाने में जुटी है। प्रदेश अध्यक्ष चौधरी लौटनराम निषाद का कहना है कि उनका दल 169 सीटों पर चुनाव लड़ेगा। हमारे दल का मुख्य मुद्दा सिर्फ निषाद बिरादरी का आरक्षण दिलाना है। इसके लिए पुरजोर आवाज उठाई जाएगी। यह बात उन्होंने पिछले दिनों प्रयागराज प्रवास के दौरान अनौपचारिक बातचीत में कही। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल, दिल्ली, उड़ीसा में निषाद जातियों को अनूसूचित जाति का आरक्षण मिलता है, तो उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड के निषाद, मल्लाह, केवट, बिंद, गोडिया आदि को इससे अलग रखा जा रहा है।

लौटनराम ने जातिगत जनगणना के लिए भी आवाज उठाई। कहा कि जब जानवरों व पेड़ों की गणना कराई जाती है तो अगड़ों व पिछडों की क्यों नहीं। उन्होंने सरकारी उपक्रमों, संस्थानों के निजीकरण को पिछड़ा, दलित, वंचित विरोधी बताया। भाजपा पर निषाद समाज के साथ वादाखिलाफी का भी आरोप मढ़ा। कहा कि कहां गया भाजपा का वादा व भाजपा दृष्टि पत्र, फिशरमैन विज़न डाक्यूमेंट्स का संकल्प भाजपा ने मछुआरा दृष्टि पत्र का संकल्प व वादा पूरा नहीं किया। विधानसभा चुनाव से पूर्व भाजपा ने वादा पूरा नहीं किया तो अब श्रीराम- निषादराज की मित्रता के नाम पर निषाद समाज उसके बहकावे व भुलावे में नहीं आयेगा।

कांठ की हांडी बार बार नहीं चढ़ती है। जब बिल्ली का मुंह गर्म दूध से जल जाता है,तो वह छाछ व मठ्ठा भी फूंककर पीती है। उन्होंने मझवार, तुरैहा, गोंड, बेल्दार, खैरहा, खोरोट की तरह निषाद मछुआरा जातियों के आरक्षण व परंपरागत पुश्तैनी पेशों की बहाली की मांग की। लौटनराम ने कहा कि निषाद कटपीस नहीं, थान वाली जातियों का समूह है।

वाराणसी के अरुण राय को नई दिल्ली में पीएम के सामने लगा 100 करोड़वां टीका

वाराणसी। देश में कोरोना वायरस संक्रमण के बाद कोरोना टीकाकरण का लक्ष्य दिन प्रतिदिन पूरा करते हुए गुरुवार को देश ने एक अरब का लक्ष्य पार कर लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने नई दिल्ली के आरएमएल अस्पताल में टीकाकरण स्थल का दौरा किया गया। इस दौरान देश ने एक अरब कोविड-19 टीकाकरण लगाने का लक्ष्य हासिल किया है। 100 करोड़वां टीका वाराणसी के दिव्यांग अरुण राय को नई दिल्ली में पीएम के सामने लगा तो देश का मस्तक और भी ऊंचा हो गया। अरुण राय वाराणसी के मूल निवासी हैं और 100 करोड़वां कोरोना का टीका लगवाने के बाद पीएम से मिलकर उनका उत्साह भी काफी बढ़ा है। नई दिल्ली में पीएम के सामने 100 करोड़वां टीका लगवाने वाले अरुण रॉय ने पत्रकारों को बताया कि पीएम मोदी उनसे कोरोना वैक्सीन की डोज के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि यह उनकी पहली कोरोना की डोज है। प्रधानमंत्री ने उनसे अब तक टीका नहीं लगवाने को लेकर भी पूछा तो बताया कि मन में आशंका के कारण अब तक टीका नहीं लगवाया था। बताया कि देश में करोड़ों लोगों को टीका लगने और प्रधानमंत्री द्वारा लगातार जागरूक करने की वजह से टीका लगवाने का संकल्प लिया और आज टीका लगवाने के लिए अस्पताल पहुंचे।

देश ने आज वैक्सीन के 100 करोड़ डोज लगाने के आंकड़े को पार कर दुनिया के सामने एक मिसाल पेश किया है।100 करोड़ डोज की उपलब्धि पर देशभर में जश्न की शुरुआत हो गई है। देश में 100 करोड़ खुराक दिए जाने के अवसर पर उपलब्धि हासिल करने पर इसकी घोषणा विमानों, मेट्रो और रेलवे स्टेशनों पर भी की जा रही है। वहीं वाराणसी के निवासी अरुण राय को कोरोना का 100 करोड़वां टीका लगाने की जानकारी होने के बाद से शहर भर में उनके बारे में लोग जानने को उत्सुक हैं। अरुण राय दिव्यांग हैं और वाराणसी से संबंधित होने के साथ ही राजनीति में भी उनका सार्थक दखल है।

आगरा के मृत सफाईकर्मी के परिवार को 30 लाख रुपया व कानूनी सहायता देगी कांग्रेस, प्रियंका वाड्रा ने की घोषणा

लखनऊ,। ताजनगरी आगरा में थाना के मालखाना से चोरी के शक में पुलिस हिरासत में मृत सफाईकर्मी अरुण वाल्मीकि के आश्रितों की मदद के लिए कांग्रेस ने बड़ी घोषणा की है। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने अरुण के आश्रितों को 30 लाख रुपया देने की घोषणा करने के साथ परिवार को कानूनी मदद का भी आश्वासन दिया है। आगरा के इस इस प्रकरण में योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है।

आगरा के जगदीशपुरा थाने के मालखाना से 25 लाख रुपया चोरी के मामले में पकड़े गए सफाईकर्मी की बीती मंगलवार रात पुलिस हिरासत में मौत हो गई। जगदीशपुरा थाने के मालखाने में शनिवार रात को दरवाजे तोड़कर 25 लाख रुपये चोरी कर लिए गए थे। इस प्रकरण में पुलिस ने प्राइवेट सफाईकर्मी अरुण वाल्मीकि को पूछताछ के लिए उठाया था, थाना प्रांगण में उसने मंगलवार को दम तोड़ दिया।

पुलिस हिरासत में अरुण वाल्मीकि की मौत के मामले के तूल पकड़ते ही बुधवार को कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा बेहद सक्रिय हो गईं। लखनऊ से आगरा जाकर प्रियंका गांधी ने मृतक के परिवार के लोगों से भेंट की। इसके बाद प्रियंका ने मृत सफाईकर्मी अरुण वाल्मीकि के परिवार को 30 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने का ऐलान किया। इसके साथ ही उन्होंने इस केस को लडने में परिवार पूरी कानूनी मदद देने की घोषणा की है।

प्रियंका गांधी वाड्रा बुधवार रात करीब 11 बजे आगरा पहुंचीं। यहां पहुंचकर उन्होंने कथित तौर पर पुलिस हिरासत में मारे गए अरुण वाल्मीकि के परिवार के लोगों मुलाकात की। प्रियंका ने इस दौरान अरुण की पत्नी और मां से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने भी इस प्रकरण में कड़ी कार्रवाई की है। शासन के निर्देश पर एसएसपी ने आगरा ने जगदीशपुरा थाना के इंस्पेक्टर आंनद शाही, एसआई योगेन्द्र, सिपाही सत्यम, सिपाही रूपेश व सिपाही महेन्द्र को निलंबित कर दिया है।

जिला पंचायतों की आय बढ़ाने के लिए होगी कवायद, प्रदेश स्तरीय कमेटी में डा. शैफाली को मिली जगह

मुरादाबाद। प्रदेश की सभी जिला पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कवायद शुरू हो गई है। अपर मुख्य सचिव, पंचायती राज विभाग मनोज कुमार सिंह ने इसके लिए जो कमेटी बनाई है, उसमें मुरादाबाद की जिला पंचायत अध्यक्ष डा. शैफाली सिंह को भी जगह मिल गई है। अपर मुख्य सचिव द्वारा बनाई गई सात सदस्यीय कमेटी में मुरादाबाद के अलावा प्रयागराज, अमेठी, आजमगढ़, गोरखपुर, फर्रूखाबाद, जौनपुर के अध्यक्षों को शामिल किया गया है। उप निदेशक, जिला पंचायत अनुश्रवण कोष्ठक को कमेटी का सचिव बनाया गया है। कमेटी को जिला पंचायतों के कार्यप्रणाली के सुदृढ़ीकरण एवं कार्य कलापों को उत्कृष्ट कोटि का बनाने, पंचायतों की आय बढ़ाकर आत्मनिर्भर बनाने, जिला पंचायतों के पास उपलब्ध भूमि, भवन आदि का बेहतर तरीके से उपयोग करने और कार्यों में पारदर्शिता लाने के लिए काम करना है। कमेटी के सभी सदस्य विभिन्न मुद्दों पर विशेषज्ञों से विचार-विमर्श करके एक माह के अंदर अपनी संस्तुति शासन को भेजेगी। इस पर प्रशासनिक मद से धनराशि खर्च की जाएगी।

बिजली चोरी करते पकड़े गए चार लोग, चैनपुर में 117274 रुपये का लगा जुर्माना

चैनपुर (कैमूर)। प्रखंड क्षेत्र में बिजली चोरी पर रोक लगाने के लिए विद्युत विभाग की टीम क्षेत्र में लगातार छापेमारी कर रही है। इसी क्रम में बुधवार को विद्युत विभाग की एक टीम गठित की गई। जिसमें चैनपुर विद्युत कनीय अभियंता जयराम कुमार, सहायक विद्युत अभियंता भभुआ ग्रामीण विनय कुमार, कनीय विद्युत अभियंता चांद जावेद अंसारी एवं मानव बल अजय कुमार एवं जयप्रकाश यादव शामिल रहे। उक्त छापेमारी में चार लोगों को विद्युत चोरी करते हुए पकड़ा गया। जहां विद्युत विभाग की टीम के द्वारा कार्रवाई करते हुए कुल 117274 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इस मामले में चैनपुर थाना में प्राथमिकी के लिए विद्युत कनीय अभियंता जयराम कुमार के द्वारा आवेदन दिया गया है।

इस संबंध में कनीय अभियंता जयराम कुमार ने बताया कि चोरी की रोकथाम के लिए प्रथम छापेमारी ग्राम सिरबिट में हरि राम पिता स्व. लाल मुनीराम के यहां की गई। जहां बिना किसी वैध कनेक्शन के चोरी करते हुए विद्युत ऊर्जा का उपयोग किया जा रहा था। जिन पर 14499 का जुर्माना किया गया है। वहीं दूसरी छापेमारी ग्राम सिरबिट में ही राहुल कुमार पिता रामअवतार राम के यहां विद्युत विभाग की टीम के द्वारा की गई। राहुल कुमार के द्वारा विद्युत कनेक्शन तो लिया गया है, लेकिन मीटर के पहले पीवीसी तार को कटकर बाइपास करते हुए 902 वाट विद्युत भार का उपयोग किया जा रहा था। जिनके ऊपर 17045 रुपये का जुर्माना किया गया है।

वहीं तीसरी छापेमारी ग्राम सिरबिट में ही बीरबल यादव पिता सचाउ यादव के यहां की गई। जहां उनके घरेलू परिसर में जांच के दौरान बिना किसी वैध विद्युत संबंध के 511 वाट विद्युत ऊर्जा का उपयोग किया जा रहा था। विद्युत ऊर्जा उपयोग से संबंधित दस्तावेज मांगने पर किसी तरह कोई दस्तावेज नहीं दिखा गया। जिनके यहां 42865 रुपये का जुर्माना किया गया। जिसके उपरांत चौथी छापेमारी ग्राम सिरबिट में ही बंसी यादव पिता सचाउ यादव के यहां की गई। उनके घरेलू परिसर में भी जांच के दौरान बिना की किसी वैध कनेक्शन के साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के मेन एल.टी. लाइन से तार खींचकर 511 वाट विद्युत भार का उपयोग अवैध तरीके से किया जा रहा था।

मौके पर से उक्त सभी चार लोगों के घरों से साक्ष्य के तौर पर विद्युत ऊर्जा में प्रयुक्त पीवीसी तार को आंशिक रूप से काट लिया गया है। बंसी यादव के ऊपर भी विद्युत ऊर्जा चोरी के कारण साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी को 42865 की राजस्व क्षति का अनुमान है। उक्त चारों लोगों के ऊपर कुल 117274 रुपये का जुर्माना किया गया है। इस संबंध में चैनपुर थानाध्यक्ष उदय भानु सिंह ने बताया कि चार लोगों के ऊपर विद्युत चोरी के आरोप में चैनपुर विद्युत कनीय अभियंता के द्वारा आवेदन दिया गया था। जिस पर विद्युत अधिनियम 2003 संशोधित धारा 135 के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज करते हुए कार्रवाई की जा रही है।

बक्सर में सड़क दुर्घटना में महिला की मौत, गुस्साए ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

धनसोई (बक्सर)। बिहार के बक्सर में सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। स्थानीय थाना क्षेत्र के केदारगंज बारहुटिया गांव के समीप पिकअप की चपेट में आने से एक 55 वर्षीय महिला लीलावती देवी की मौत हो गयी। घटना बुधवार की देर शाम 7.30 बजे की है। महिला के पति गुप्तेश्वर सिंह ने बताया कि उनकी पत्नी प्रतिदिन की भांति टहलने गयी थी।इसी दौरान टहल कर हाजीपुर गांव से वापस लौट रही थी। इसी बीच धनसोई की तरफ से आ रही पिकअप ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

पिकअप की टक्कर से महिला गंभीर रूप में जख्मी हो गई। जख्मी महिला को आनन-फानन में उपचार के लिए निजीअस्पताल में ले जाया गया। लेकिन जांच के बाद चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों के बीच कोहराम मच गया। मृत महिला के परिवार में पति के अतिरिक्त एक 12 साल की पुत्री भी है।बताया जाता है कि टक्कर मारने के बाद पिकअप का चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया।

महिला की मौत के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने गुरुवार की सुबह बरहुटिया गांव के समीप धनसोई-दिनारा मार्ग को जाम कर दिया। जाम की वजह से आम लोगों को काफी परेशानी हुई। कई लोग काफी देर तक जाम में फंसे रहे। जाम की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस धनसोई थाने के अवर निरीक्षक ताज अहमद ग्रामीणों को समझा-बुझाकर जाम हटाने की कोशिश करने लगे।

पूर्व सीएम मांझी का बड़ा बयान, बोले-खत्म होना चाहिए आरक्षण, नहीं चाहिए हमें यह भीख

पटना। पूर्व मुख्यमंत्री व हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीतन राम मांझी ने आरक्षण को कलंक और भीख की तरह बताया है। नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में बुधवार को आयोजित पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मांझी ने कहा कि आरक्षण और जातिवाद का राक्षस हमें निगल रहा है। समान स्कूली शिक्षा ही इसका उपाय है। राष्ट्रपति व गरीब का बच्चा एक साथ पढ़े। इसे लागू कर 10 वर्ष का समय दीजिए। दस वर्ष में हम आगे बढ़ जाएंगे। फिर आरक्षण और जातिवाद की कोई बात ही नहीं होगी।

हमको नहीं चाहिए था आरक्षण- मांझी ने दोहराया कि हमको आरक्षण नहीं चाहिए था। यह हमको भीख की तरह मिला। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर ने भी कहा था कि 10 या 20 साल के लिए आरक्षण दीजिए और फिर इसकी समीक्षा कीजिए। पिछड़े लोगों को सामाजिक और शैक्षणिक दृष्टिकोण से उन्नत बनाइए। इस मामले में सरकार ने क्या किया? आरक्षण कलंक है हमारे ऊपर। फ्रांस, कनाडा, जापान, इंग्लैंड सभी जगह समान स्कूली शिक्षा की व्यवस्था है, इसलिए वहां आरक्षण और जातिवाद नहीं है। मांझी ने कहा कि आरक्षित वर्ग के लिए मतदाता सूची अलग होनी चाहिए। आज हम भोग रहे हैं। हम 80 फीसद हैं, मगर 20 फीसद वाले चुनाव प्रभावित करते हैं। अनुसूचित जाति की सीटों पर सामान्य वर्ग के लोग जीत रहे हैं। पिछड़े लोगों को भय और पैसे के बल पर वोट देने से रोका जाता रहा है। मांझी ने आरोप लगाया कि लोकसभा के पांच सदस्यों ने पिछड़ी जाति का फर्जी प्रमाण पत्र बनाकर आरक्षित सीट से चुनाव लड़ा और जीता है। उन्होंने भाजपा सांसद सत्यपाल सिंह बघेल व जय सिद्धेश्वर शिवाचार्य महास्वामी, कांग्रेस सांसद मो. सादिक, तृणमूल कांग्रेस की सांसद आफरीन अली व निर्दलीय सांसद नवनीत रवि राणा का नाम लेते हुए जांच की मांग की।

दावा किया कि नौकरी व पंचायत चुनाव में भी 15 से 20 फीसद कोटा फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनाकर हड़प लिया जाता है। ल्मीकि जयंती पर रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए मांझी ने फिर से दोहराया कि राम एक काल्पनिक पात्र हैं। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि राम से हजार गुणा अधिक बड़े हैं। उन्होंने कहा कि यह उनका निजी मत है। वे किसी की भावना को ठेस नहीं पहुंचाना चाहते।

यूपी में रसोई तक पहुंचकर महंगाई की आंच बढ़ाएगी सपा की महिला ब्रिगेड, डिंपल यादव ने भी तेज किया संपर्क

लखनऊ। रसोई गैस के बढ़ते दामों के बीच महिलाओं की रसोई में महंगाई का तड़का अब सपा राजनैतिक मुद्दा बनाएगी। समाजवादी पार्टी की महिला सभा सप्ताह में चार दिन महिलाओं से उनके घर पर संवाद करेगी। इस दौरान बढ़ते दामों को लेकर महिलाओं की नाराजगी से मुददे को धार देने की तैयारी है। जिला संगठन की महिला सभा ने घर-घर महिलाओं से संवाद की शुरुआत भी कर दी है। सपा आधी आबादी को साधने के लिए अपनी महिला ब्रिगेड को मजबूती प्रदान कर रही है। महिला कार्यकर्ताओं से पूर्व सांसद डिंपल यादव ने भी संपर्क तेज कर दिया है। जबकि महिला कार्यकर्ताओं की संख्या बढ़ाने के लिए सदस्यता अभियान की शुरुआत भी हो गई है। वहीं दूसरी तरफ महिला मतदाताओं तक पहुंच बनाकर महंगाई के मुद्दे को भुनाने का प्रयास भी तेजी पकड़ने लगा है। सपा की जिला महिला सभा सोमवार को सरोजनीनगर, बुधवार को बख्शी का तालाब, शनिवार को मोहनलालगंज और रविवार को मलिहाबाद विधानसभा क्षेत्र में डेरा डालेगी। सपा की महिला कार्यकर्ता हर विधानसभा क्षेत्र के गांवों में जाएगी। जहां वह महिलाओं व गृहणियों से संवाद करेगी। महिला सभा जहां पिछली सपा सरकार में महिलाओं के लिए शुरू हुई 1090 हेल्पलाइन सेवा जैसी योजनाओं की उपलब्धि गिनाएगी। वहीं महंगाई से उनपर पड़ रहे आर्थिक बोझ के जरिए सरकार को घेरने का प्रयास भी करेगी।

महिला सभा की जिलाध्यक्ष प्रेमलता यादव ने बताया कि सप्ताह में चार दिन विधानसभावार पार्टी की महिला प्रकोष्ठ की कमेटी घर-घर जाकर महिलाओं से संवाद करेगी। उनके साथ महंगाई जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। इसकी शुरुआत महिला सभा ने शुरू कर दी है। वहींसुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने बुधवार को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात के बाद गठबंधन का ऐलान कर दिया। उन्होंने अबकी बार, भाजपा साफ का नारा भी दिया। कहा कि दलितों, पिछड़ों व अल्पसंख्यकों सहित समाज के सभी वर्गों को धोखा देने वाली भाजपा सरकार को सत्ता से हटाने के लिए सपा से गठबंधन किया है।

कांग्रेस के पास मुद्दा नहीं इसलिए चुनाव में गलत बयानबाजी कर रहे नेता

पंधाना की चुनावी सभा में जमकर गरजे शिवराज सिंह

भोपाल (एजेंसी)। कांग्रेस नेता द्वारा भाजपा की महिला नेत्रियों पर की गई गलत बयानबाजी को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसे कांग्रेस के पास मुद्दा न होने की वजह इस तरह की बात करने का कारण बताते हुए जमकर खिंचाई की। उन्होंने कहा कि शायद कांग्रेस भूल गई है कि यह वही स्मृति ईरानी हैं जिन्होंने अमेठी में कांग्रेसनेता राहुल गांधी को धूल चटाई है। मुख्यमंत्री चौहान गुरुवार को पंधाना विधानसभा के ग्राम सिंगोट में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। देश में 100 करोड़ वैक्सीनेशन पूरे होने पर प्रधानमंत्री मोदी का अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री

श्री चौहान ने कहा कि कांग्रेस के जमाने को देख लें तो ऐसी बीमारियों में कभी स्वदेशी वैक्सीन नहीं बनी, सिर्फ अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, जापान, जर्मनी में वैक्सीन बनती थी, उसके बाद भारत का टीकाकरण के लिए नंबर सबसे आखिरी में आता था। लेकिन यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकुशलता का ही परिणाम है कि भारत स्वदेशी वैक्सीन बनाने के लिए आत्मनिर्भर बना है। मुख्यमंत्री ने सभा के दौरान जनता से टीका लगवाने की अपील भी की।

भाजपा ने लिया गरीबों की जिंदगी बदलने का प्रण : मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने गरीबों की जिन्दगी बदलने का प्रण लिया इसलिए गरीबों को एक रुपए किलो गेंहू, चावल और राशन दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोनाकाल में गरीबों को राहत देते हुए नवंबर तक फ्री राशन दिया, लेकिन दिग्विजय सिंह और कमलनाथ ने गरीबों के लिए कभी ऐसी योजनाएं नहीं चलाई। उन्होंने कहा कि हमने स्ट्रीट वेंडर्स की सहायता के लिए योजना बनाई, जिसमें 10 हजार रुपए ऋण देकर कोरोनाकाल में हुए नुकसान से उबरने के लिए मदद की।

ट्वीटर-ट्वीटर ज्यादा खेलते हैं कमलनाथ

श्री चौहान ने कहा कि कांग्रेस के नेता आते हैं भाषण फटकारते हैं और कमलनाथ जी भाषण कम देते हैं और ट्वीटर-ट्वीटर ज्यादा खेलते हैं। कमलनाथ जी मुझे रोज ट्वीट करते रहते हैं, जरा इनसे भी पूछें तो कि तुमने कितनी सिंचाई की योजनाएं बनाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब दिग्विजय सिंह मुख्यमंत्री थे और यहीं राजनारायण सिंह जो अभी कांग्रेस के प्रत्याशी हैं। उन्होंने दिग्विजय सिंह से पुनासा लिफ्ट इरीगेशन योजना की मांग की थी तो दिग्विजय सिंह ने कहा था कि काहे कि सिंचाई योजना, पैसा कहां से आएगा, लेकिन जब भाजपा की सरकार आई और मैं मुख्यमंत्री बना, तब नंदू भैया ने पुनासा लिफ्ट इरीगेशन योजना की बात कही। आज एक नहीं अनेकों सिंचाई योजनाएं इस क्षेत्र में पूरी हो रही हैं। 84 गांवों की 47 हजार 200 हेक्टर भूमि, 1870 करोड़ रूपए के खर्च से खंडवा उदवहन योजना स्वीकृति की ओर है।

नंदू भैया के अधूरे कामों को पूरा करेगी शिवराज और भाजपा सरकार

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्वर्गीय नंदू भैया का स्मरण करते हुए कहा कि वे हमेशा निमाड़ के विकास को लेकर सक्रीय रहते थे। नंदू भैया ने इस क्षेत्र में विकास की इबारत लिखी, उनके अधूरे कामों को शिवराज सिंह चौहान और भाजपा सरकार पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रत्याशी ज्ञानेश्वर पाटील लंबे समय तक नंदू भैया के सहयोगी रहे वे एक अनुभवी और जनता से जुड़े कार्यकर्ता हैं। ज्ञानेश्वर पाटील नंदू भैया के सपनों को पूरा करेंगे। मुख्यमंत्री ने सभा में मौजूद जनसमुदाय से भारतीय जनता पार्टी को जिताने की अपील की। इस अवसर पर इंदौर सांसद शंकर लालवानी, प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव, पार्टी की प्रदेश महामंत्री कविता पाटीदार, प्रदेश प्रवक्ता एवं विधायक राम डांगोरे सहित पार्टी के पदाधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

संविधान का अपमान करने पर कांग्रेस विधायक पर होगी कार्रवाई : डॉ. मिश्रा

भोपाल । प्रदेश के गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने गुरुवार को कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के बनाए गए संविधान का अपमान करने पर कांग्रेस विधायक बाबूलाल जंडेल के खिलाफ राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। श्री मिश्रा ने कहा कि उत्तरप्रदेश में महिलाओं के नाम सियासी रोटियां सेंक रहीं प्रियंका गांधी को मध्यप्रदेश आकर उस पीड़ित बिटिया से भी मिलना चाहिए जिसने कांग्रेस विधायक के बेटे पर रेप का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी को चाहिए कि वे कमलनाथ व दिग्विजय सिंह को भी समझाएं जो आरोपी की पैरोकारी कर रहे हैं।

मंत्री भदौरिया ने धर्मस्थलों के जीर्णोद्धार के लिए स्वीकृत कराई राशि

भोपाल । अटेर विधायक एवं प्रदेश के सहकारिता लोकसेवा प्रबंधन मंत्री डॉ अरविंद सिंह भदौरिया द्वारा अटेर विधानसभा जिला भिंड में धर्मस्थल श्री बोरेश्वर धाम एवं कोषड़ वाली माता मंदिर में जीर्णोद्धार एवं धर्मशाला निर्माण के लिए प्रदेश सरकार से 64 लाख 74 हजार की राशि स्वीकृत कराई गई है। इसके लिए अटेर विधानसभा की जनता ने माननीय मंत्री जी का सहृदय से आभार व्यक्त किया है।

सचिन पायलट 27 को खंडवा के दौरे पर

भोपाल । राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलेट 27 अक्टूबर को खंडवा के दौरे पर रहेंगे। वे इंदौर से सुबह 11.00 बजे मांधाता विधानसभा के ग्राम मूंदी पहुंचेंगे और आम सभा को संबोधित करेंगे। दोपहर 12.45 बजे मूंदी से छैगांव माखन पंधाना विधानसभा क्षेत्र पहुंचेंगे और आम सभा में शामिल होंगे। श्री पायलेट दोपहर 2.25 बजे सनावद में आम सभा को संबोधित करेंगे। यहां से वे 5.30 बजे इंदौर से जयपुर के लिए रवाना होंगे।

कमलनाथ के नेतृत्व में अमृत महोत्सव समिति गठित

भोपाल । भारत की आजादी के 75 वर्ष अमृत महोत्सव के जश्न को उमंग और उत्साह से मनाने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति का गठन किया गया है। प्रदेश कांग्रेस के संगठन प्रभारी चंद्रप्रभाष शेखर ने बताया कि अमृत महोत्सव के लिए राज्य स्तरीय समिति निम्नानुसार गठित की गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ समिति के अध्यक्ष। एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह, प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्षगण कांतिलाल भूरिया, सुरेश पचौरी, अरूण यादव, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजयसिंह, प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष चंद्रप्रभाष शेखर, पूर्व राज्यपाल उत्तराखंड अजीज कुरैशी, पूर्व उपाध्यक्ष मप्र विधानसभा डॉ राजेन्द्र कुमार सिंह, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा और जीतू पटवारी, विधायक ऑकार सिंह मरकाम, प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष सैयद साजिद अली, वरिष्ठ पत्रकार लज्जाशंकर हरदेनिया एवं एनके सिंह, पूर्व मंत्री बाबू चंद्रमोहन दास, पूर्व सांसद रामेश्वर नीखरा, पूर्व उपाध्यक्ष मप्र विधानसभा हिना कांवरे, विधायक कमलेश्वर पटेल, डॉ विजय लक्ष्मी साधो, आरिफमसूद, प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष प्रकाश जैन, कोषाध्यक्ष अशोक सिंह, महामंत्री राजीव सिंह, उपाध्यक्ष आभा सिंह, महामंत्री राजकुमार पटेल को समिति में सदस्य बनाया गया है। वहीं भूपेन्द्र गुप्ता अध्यक्ष स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ एवं उपाध्यक्ष मीडिया विभाग को समिति का समन्वयक बनाया गया है। मोर्चा संगठनों के सभी प्रदेश अध्यक्ष समिति में विशेष आमंत्रित होंगे।

उपचुनाव वाले क्षेत्रों में भाजपा का आज से शुरू होगा नया अभियान : सबनानी

भोपाल (एजेंसी)। उपचुनाव वाली प्रदेश की खंडवा लोकसभा और पृथ्वीपुर, रैगांव तथा जोबट विधानसभाओं में पार्टी 22 से लेकर 27 अक्टूबर तक नया अभियान शुरू करने जा रही है। इसके अंतर्गत पार्टी के कार्यकर्ता घर-घर संपर्क करेंगे और भाजपा की विजय के लिए सहयोग मांगेंगे। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी ने गुरुवार को मीडिया के साथ आगामी कार्यक्रमों की जानकारी साझा करते हुए कही।

घर-घर जाकर विजय के लिए सहयोग मांगेंगे पार्टी कार्यकर्ता

श्री सबनानी ने कहा कि उपचुनाव वाले क्षेत्रों में पार्टी के सभी अभियान सफल रहे हैं। श्री सबनानी ने कहा कि अभियानों की इसी कड़ी में 22 से 27 अक्टूबर तक पार्टी उपचुनाव वाले क्षेत्रों में एक नया अभियान शुरू करने जा रही है। इसमें 22,23 और 24 अक्टूबर को पन्ना प्रभारियों के सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। 24, 25,26 अक्टूबर को महासंपर्क अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान पार्टी नेता और कार्यकर्ता घर-घर जाकर संपर्क करेंगे। इसके उपरांत उपचुनाव वाले सभी क्षेत्रों में 27 अक्टूबर को विजय संपर्क अभियान चलाया जाएगा। इसके अंतर्गत पार्टी कार्यकर्ता आओ मिलकर दीप जलाएं, घर-घर कमल खिलाएं का नारा लेकर घर-घर जाएंगे। लोगों को त्योहारों की शुभकामनाएं देंगे तथा विजय के लिए सहयोग मांगेंगे।

वरिष्ठ नेताओं के होंगे प्रवास- श्री सबनानी ने बताया कि उपचुनाव वाले क्षेत्रों में प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा लगातार प्रवास कर रहे हैं। इन क्षेत्रों में प्रवास के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, केंद्रीय मंत्रियों के कार्यक्रम भी तय हो गए हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्रसिंह तोमर 22-23 अक्टूबर को रैगांव और पृथ्वीपुर का दौरा करेंगे। 22.23 को ही प्रदेश की सह प्रभारी पंकजा मुंडे तथा राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय का खंडवा लोकसभा क्षेत्र में प्रवास होगा। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल 22, 23, 24 को पृथ्वीपुर, रैगांव के प्रवास पर रहेंगे। इसी तरह केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, डॉ. वीरेंद्र खटीक, उप्र के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के प्रवास कार्यक्रम तय हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने ली समारोह की तैयारियों की जानकारी

आत्मनिर्भर मप्र की थीम पर होगा मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मप्र के विकास और प्रदेश को आत्म-निर्भर बनाने के अभियान में हर नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। इसके लिए एक अभियान संचालित कर प्रत्येक नागरिक को जोड़ने का प्रयास किया जाए। प्रदेश आत्म-निर्भर मप्र की थीम पर हो रहे राज्य स्तरीय दिवस के मुख्य समारोह में सभी कार्यक्रम गरिमामय रूप से सम्पन्न किए जाए। मुख्यमंत्री चौहान ने गुरुवार को अपने निवास पर हुई बैठक में प्रदेश के 66वें मप्र स्थापना दिवस समारोह के संबंध में की जा रही तैयारियों की जानकारी प्राप्त करते हुए ये निर्देश दिए।

एक नवंबर को भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में संस्कृति विभाग द्वारा मुख्य समारोह शाम को आयोजित होगा। इसी दिन पूर्वान्ह में मंत्रालय में पारंपरिक कार्यक्रम भी होगा, जिसमें राष्ट्र गीत वंदे-मातरम के गायन में अधिकारी- कर्मचारी शामिल होंगे। जिलों में भी कार्यक्रम आयोजित करने के लिए रूपरेखा तैयार की गई है। लाल परेड में होने वाले समारोह में आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश की थीम पर एक नृत्य-नाटिका होगी, जिसमें नर्तक दल मंच पर हम कर सकते हैं और करेंगे, का आव्हान करेंगे। इस प्रस्तुति का मंचीय आकल्पन किया गया है। विशेष प्रकाश संयोजन और आकर्षक नृत्य मुद्राओं के साथ इस प्रस्तुति के लिए कोरियोग्राफी की गई है।

सीएम कल 77 लाख किसानों को ऑनलाइन देंगे 1540 करोड़

भोपाल, (प्रसं)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना में प्रदेश के 44 जिलों के कृषक परिवारों को 23 अक्टूबर को उनके खातों में सिंगल क्लिक से राशि अंतरित करेंगे। योजना के इस कार्यक्रम में सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर करीब 50 लाख लोग जुड़ेंगे। कार्यक्रम 23 अक्टूबर को पूर्वान्ह 11.30 बजे मिंटो हाल भोपाल में वीसी के माध्यम से होगा। इस कार्यक्रम में आदर्श आचरण संहिता वाले जिलों को शामिल नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को सीएम हाउस पर हुई बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी प्राप्त की। प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं राजस्व मनीष रस्तोगी ने बताया कि योजना में प्रदेश के 77 लाख किसान परिवारों को 1540 करोड़ रुपए प्रदान किए जा रहे हैं। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में किसानों को दी जा रही यह राशि वित्तीय वर्ष 2021-22 की है। मुख्यमंत्री कार्यक्रम में प्रतीक स्वरूप पांच किसानों को अपने हाथों से योजना की किश्त प्रदान करेंगे।

जनता की भागीदारी के लिए प्रारंभ करें अभियान

सीएम ने कहा कि आत्म-निर्भर मप्र के महत्वपूर्ण कार्य में शासकीय विभागों के साथ ही आम जन की सहभागिता भी होना चाहिए। इसके लिए एक नवंबर से ही ऐसे अभियान की शुरुआत भी की जाए, जिससे लोग विभिन्न क्षेत्रों में श्रेष्ठ कार्य करने के लिए प्रेरित हों, सामूहिक भागीदारी के साथ विकास से जुड़ी गतिविधियों के संचालन में शामिल होते हुए नए आयाम स्थापित किए जाएं।

मुख्य समारोह में आएंगे पार्श्व गायक मोहित चौहान-प्रमुख सचिव संस्कृति, पर्यटन एवं जनसम्पर्क शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में एक नवंबर की शाम 6.30 बजे से मुख्य समारोह शुरू होगा। सर्वप्रथम मप्र गान होगा। इसके बाद संस्कृति मंत्री का संबोधन होगा। आत्म-निर्भर मप्र पर 45 मिनिट अवधि की समवेत नृत्य-नाट्य प्रस्तुति होगी। इसमें लगभग 250 कलाकारों की भागीदारी रहेगी। समारोह में मुख्यमंत्री नागरिकों को आत्म-निर्भर मप्र के निर्माण के लिए शपथ भी दिलवाएंगे। रात्रि 8 बजे प्रख्यात गायक मोहित चौहान, मुम्बई अपने दल के साथ गीतों की प्रस्तुति देंगे। यह कार्यक्रम डेढ़ घंटे का होगा। मुख्य समारोह में मप्र की विशेषताओं पर केन्द्रित एक लघु कार्यक्रम भी प्रस्तुत होगा। प्रख्यात कलाकार मैत्रेयी पहाड़ी अपने कलाकार दल के साथ प्रस्तुति देंगी। प्रदेश की पुरातात्विक धरोहर की झलक भी स्थापना दिवस मुख्य समारोह का हिस्सा होगी।

लता और किशोर सम्मान अलग से होंगे- बैठक में जानकारी दी गई कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दिए जाने वाले प्रतिष्ठित लता मंगेशकर और किशोर कुमार सम्मान स्थापना दिवस समारोह पर दिए जाने संबंध में पूर्व में विचार हुआ था लेकिन अब यह सम्मान समारोह खंडवा और इंदौर में पृथक से संपन्न होंगे।

भाजपा कन्या पूजा और कांग्रेस करती है सोनिया पूजन : शर्मा

भोपाल (एजेंसी)। कांग्रेस ने हमेशा से महिलाओं का अपमान ही किया है। अब उनके नेता हमारी प्रत्याशी प्रतिमा बागरी का फोटो सोशल मीडिया पर चला रहे हैं। इनके उद्योगपति पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कांग्रेस पार्टी छोड़कर भाजपा में आई इमरती देवी को भी अपमानित किया था। ये लोग हमारी कन्या पूजा पर भी सवाल उठाते ह, लेकिन ये क्या जानें कन्या पूजन, ये तो सोनिया पूजन करते हैं।

प्रदेश अध्यक्ष रैगांव विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में नुक्कड़ सभाओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने एक बेटी को तंदूर में जला दिया था। सरला मिश्रा को जलाकर मार दिया था। उनका परिवार आज भी न्याय मांग रहा है। उज्जैन विधायक के बेटे पर दुष्कर्म का आरोप है। यही कांग्रेस का असली चेहरा है। इनकी कथनी.करनी में जमीन आसमान का फर्क है। प्रदेश अध्यक्ष ने भाजपा प्रत्याशी प्रतिमा बागरी के लिए उपस्थित लोगों से समर्थन मांगा।

अब तो दिग्विजय भी अमित शाह की करते हैं तारीफ: प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस की राजनीतिक जमीन पूरी तरह से खिसक गई है। इनके पास जमीन पर कार्य करने वाले कार्यकर्ता भी नहीं हैं, बस कुछ नेता बचे हैं, वे भी भाजपा में आना चाहते हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अब तो दिग्विजय सिंह भी हमारे नेता अमित शाह की तारीफ करते हैं।

साइकिल यात्रा के दौरान प्रोटोकॉल नहीं लेंगे विधानसभा अध्यक्ष

सीएम और नेता प्रतिपक्ष को पत्र लिखकर यात्रा की दी जानकारी

भोपाल (एजेंसी)। मप्र विधानसभा के अध्यक्ष गिरीश गौतम 24 से 31 अक्टूबर तक अपने विधानसभा क्षेत्र देवतालाब में साइकिल यात्रा करेंगे। इसे लेकर उन्होंने गुरुवार को मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान और नेता प्रतिपक्ष कमलनाथ को पत्र लिखकर यात्रा के संबंध में जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि वे यात्रा के दौरान विधानसभा अध्यक्ष के रूप में मिलने वाली सुविधाएं और प्रोटोकॉल नहीं लेंगे। उनकी यह यात्रा एक विधायक के रूप में होगी, विधानसभा अध्यक्ष के तौर पर नहीं होगी।

गौतम ने विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण और जनसंवाद के लिए इस यात्रा की उपयोगिता बताई है। उन्होंने कहा कि मैं वर्तमान में संवैधानिक पद पर हूं। अतः मैनें निश्चिय किया है कि 24 से 31 अक्टूबर तक होने वाली साइकिल यात्रा के दौरान विधानसभा अध्यक्ष पद से संबंधित कोई भी सत्कार प्रोटोकॉल प्राप्त नहीं करूंगा। उन्होंने पत्र की प्रतिलिपि संसदीय कार्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, कांग्रेस विधायक दल के सचेतक डॉ. गोविन्द सिंह, बसपा विधायक दल के नेता संजीव सिंह और सपा विधायक राजेश कुमार शुक्ला को भी भेजी है।

जो वाहन मालिक टैक्स नहीं दे रहा उनके नाम करें सार्वजनिक

भोपाल (एजेंसी)। राजस्व वसूली को लेकर अब परिवहन आयुक्त मुकेश जैन ने सख्ती दिखाना शुरू कर दिया है। भोपाल में प्रदेशभर के आरटीओ की दो दिन चलने वाली बैठक के पहले दिन गुरुवार को उन्होंने आरटीओ को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जिन वाहन मालिकों पर टैक्स बकाया है, उनके नाम पहले सार्वजनिक किए जाएं उसके बाद भी अगर वह टैक्स जमा नहीं करते हैं तो सख्त कार्रवाई करें।

आरटीओ की भोपाल में हुई बैठक में परिवहन आयुक्त ने दिए निर्देश

बैठक के पहले दिन ही परिवहन आयुक्त मुकेश जैन ने अपने तेवर दिखाते हुए आरटीओ यह समझाईश देने का काम किया कि अभी तक जो चल रहा था उसे भूल कर राजस्व वसूली के लिए काम करना शुरू कर दें, क्योंकि अगर सख्ती की जाती तो वाहन मालिकों पर टैक्स बकाया नहीं होता। बैठक में किस जिले में कितना टैक्स वाहन मालिकों पर बकाया है इसका आंकड़ा संबंधित आरटीओ से लिया गया और जिस आरटीओ ने उक्त आंकड़े को बताने में असमर्थता जताई उस पर टीसी खासे नाराज हुए, क्योंकि टीसी पहले से ही आंकड़े लेकर बैठे थे। परिवहन आयुक्त ने कहा कि जब टैक्स किन पर कितना टैक्स बकाया है इसकी ही जानकारी नहीं होगी तो फिर टैक्स कैसे वसूल किया जाएगा।

राजस्व वसूली में नहीं चलेगा कोई बहाना

परिवहन आयुक्त ने सभी आरटीओ को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि राजस्व का जो लक्ष्य मिला है उसके हिसाब से अपना काम करना शुरू कर दें, क्योंकि इस वित्तीय साल में अगर राजस्व वसूली में पिछड़े तो कोई बहाना नहीं चलेगा। परिवहन आयुक्त ने सभी आरटीओ को बैठक में कहा कि जिन वाहन मालिकों पर टैक्स बकाया है उनके नाम बैंक जिस तरह से सार्वजनिक करती है उसी तरह वह भी संबंधितों के नाम पहले सार्वजनिक करें उसके बाद भी अगर वह टैक्स जमा करने नहीं आते तो फिर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करें, इसके लिए पुलिस की मदद ली जाए। परिवहन आयुक्त के फरमान से आरटीओ की मुश्किलें बढ़ गई हैं, क्योंकि अधिकांश वाहन मालिक जिन पर टैक्स बकाया है वह राजनीतिक पहुंच रखने वाले हैं और यही कारण है कि आरटीओ अभी तक उन पर हाथ डालने से हिचकते रहे थे, लेकिन अब परिवहन आयुक्त के निर्देश के बाद आरटीओ की कार्यवाही करने की मजबूरी हो जाएगी।

वैक्सीनेशन पर कीर्तिमान बनाना देश के लिए बड़ी उपलब्धि

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री तथा भाजपा चुनाव प्रबंध समिति के संयोजक भूपेंद्र सिंह ने कहा कि देश में वैक्सीनेशन महाअभियान के तहत सौ करोड़ वैक्सीन की डोज लगाने का काम किया गया, जो देश के लिए बड़ी उपलब्धि है।

श्री सिंह ने गुरुवार को यहां मीडिया से चर्चा में कहा कि मध्यप्रदेश में भी छह करोड़, 72 लाख 24 हजार वैक्सीन की डोज लगाई गई है। इस अपार सफलता के लिए हम सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का अभिनन्दन तथा स्वागत करते हैं। इसके साथ ही इस सुरक्षा कवच के लिए देशवासियों को भी बधाई देते हैं।

भोपाल की सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर से जुड़े एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वह साध्वी हैं। साध्वी, संत निर्विकार होते हैं। वह सहज रूप से अपनी बात कहती हैं। इसके अलग अर्थ नहीं निकाले जाने चाहिए। भारतीय जनसंघ के स्थापना दिवस पर उन्होंने कहा कि आज भारतीय जनसंघ का स्थापना दिवस है। आज के दिन ही डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में भारतीय जनसंघ की स्थापना हुई थी। आज जनसंघ की स्थापना को 70 वर्ष हो गए हैं। नगरीय प्रशासन मंत्री ने कहा कि आज मध्यप्रदेश के प्रत्येक मतदान केंद्र पर भाजपा के वरिष्ठ नेता तथा कार्यकर्ता कमल का चिन्ह बना कर उसमें दीपक प्रज्ज्वलित किया गया। दीपक ऊर्जा, खुशी तथा उत्साह का प्रतीक है। दीपक प्रज्ज्वलित कर 'दीपक से कमल की यात्रा' आज पूरे प्रदेश में आयोजित की गयी। सभी मतदान केंद्रों पर इस यात्रा को लेकर उद्बोधन दिया गया। संकल्प पत्र तथा उपलब्धि पत्र पढ़े गए। इस अवसर पर सभी जगह भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का सम्मान भी किया गया। हम सभी इस संकल्प के साथ आगे बढ़ेंगे कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से मुक्त भारत का निर्माण करेंगे। यह संकल्प भी कि हम भारत को दुनिया में एक मजबूत राष्ट्र के रूप में स्थापित करेंगे। देश की सीमाएं सुरक्षित रहें तथा देश और आगे बढ़े, हम सभी यह संकल्प लेते हैं।

प्रदेश के कर्मचारियों को केंद्र के समान महंगाई भत्ता दिया जाए

भोपाल (एजेंसी)। शिवराज सरकार द्वारा प्रदेश के कर्मचारियों को 8 फीसदी महंगाई भत्ता देने की घोषणा को लेकर प्रदेश कांगेस के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने इसें कर्मचारियों के हितों पर कुठाराघात बताया है।

कमल नाथ ने ट्वीट करतें हुए कहा है कि शिवराज सरकार ने प्रदेश के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते को 8 फीसदी बढ़ाने का आज निर्णय लिया है। मेरी सरकार द्वारा विगत 15 मार्च 2020 को कैबिनेट बैठक में प्रदेश के कर्मचारियों के डीए को 5 फीसदी बढ़ाने का निर्णय लिया था और इसे जुलाई 2019 से बढ़ाया जा कर इसका लाभ प्रदेश के कर्मचारियों को एकअप्रैल 2020 से मिलना तय किया था लेकिन मेरी सरकार जाने के बाद शिवराज सरकार ने इस निर्णय को 19 माह तक स्थगित रख कर्मचारियों के हितों पर कुठाराघात किया। यदि बात की जाए तो केंद्र के कर्मचारियों को अभी 28 फीसदी महंगाई भत्ता मिल रहा है और वहीं प्रदेश के कर्मचारियों को अभी मात्र 12 फीसदी महंगाई भत्ता मिल रहा है। कमलनाथ ने सरकार से मांग की है कि महंगाई भत्ते को बढ़ाकर केंद्र सरकार के कर्मचारियों के समान 28 फीसदी तत्काल किया जाए।

भाजपा ने कमल रंगोली पर दीप प्रज्ज्वलित कर मनाया जनसंघ का स्थापना दिवस

भोपाल (एजेंसी)। जनसंघ के 70वें स्थापना दिवस को भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को प्रदेशभर में कमल दीप प्रज्ज्वलित कर उत्साह के साथ मनाया। प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा रैगांव विधानसभा के शिवराजपुर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। वहीं प्रदेश कार्यालय में चुनाव अभियान समिति के संयोजक एवं नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह के साथ पार्टी पदाधिकारियों ने कमल दीप प्रज्ज्वलित किया।

भारतीय जनसंघ के स्थापना दिवस पर भाजपा द्वारा दीपक से कमल तक की थीम पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। महिला मोर्चा की बहनों ने कमल रंगोली बनाकर उस पर दीप प्रज्ज्वलित किए। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने चुनाव प्रचार के दौरान रैगांव विधानसभा के शिवराजपुर में महिला मोर्चा के कार्यक्रम में शामिल होकर कमल दीप

प्रज्जवलित किया। प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ताओं को जनसंघ के स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि देश में जनसेवा और मूल्यों की राजनीति की नवरचना करने वाले भारतीय जनता पार्टी के मूल संगठन भारतीय जनसंघ के स्थापना दिवस पर सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनसंघ की स्थापना जिन संकल्पों को साकार करने के लिए हुई थी वह आज कार्यकर्ताओं की मेहनत और परिश्रम के बल पर पूरे हो रहे हैं। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान किया।

प्रदेश कार्यालय में बनाई कमल रंगोली, जलाए दीप

भाजपा प्रदेश कार्यालय, पं दीनदयाल परिसर में महिला मोर्चा की बहनों ने कमल रंगोली बनाकर पार्टी नेताओं की उपस्थिति में जनसंघ का स्थापना दिवस मनाया। चुनाव अभियान समिति के संयोजक एवं नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह,प्रदेश उपाध्यक्ष सीमा सिंह जादौन, प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, रजनीश अग्रवाल, प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेन्द्र पाराशर, भोपाल जिला प्रभारी महेंद्रसिंह यादव ने कमल दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर रविन्द्र यति, सविता यादव, निशा सक्सेना, हंसकुंवर राजपूत सहित महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बहनें मौजूद थीं।

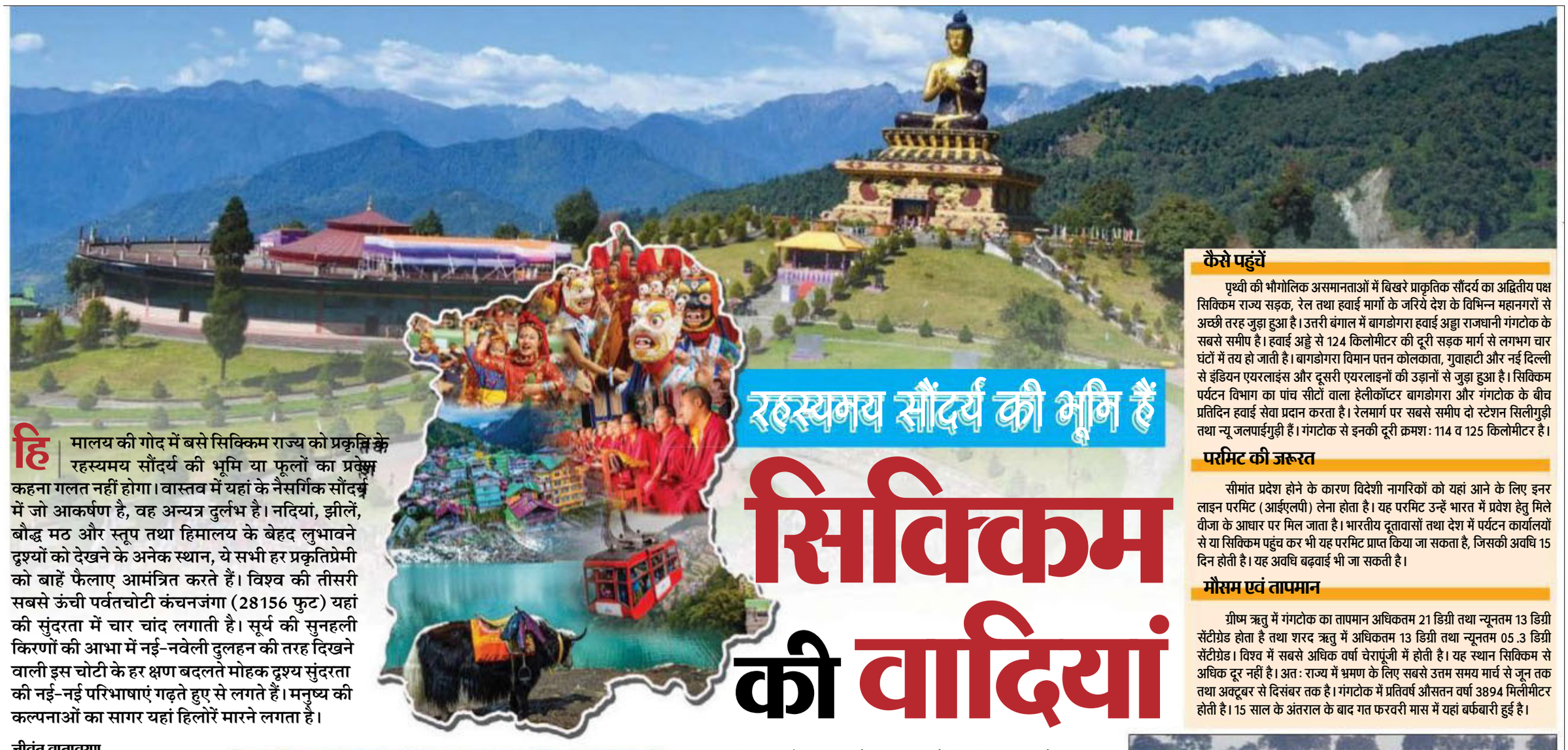

रहस्यमय सौंदर्य की भूमि हैं सिक्किम की वादियां

हिमालय की गोद में बसे सिक्किम राज्य को प्रकृति के रहस्यमय सौंदर्य की भूमि या फूलों का प्रदेश कहना गलत नहीं होगा। वास्तव में यहां के नैसर्गिक सौंदर्य में जो आकर्षण है, वह अन्यत्र दुर्लभ है। नदियां, झीलें, बौद्ध मठ और स्तूप तथा हिमालय के बेहद लुभावने दृश्यों को देखने के अनेक स्थान, ये सभी हर प्रकृतिप्रेमी को बाहें फैलाए आमंत्रित करते हैं। विश्व की तीसरी सबसे ऊंची पर्वतचोटी कंचनजंगा (28156 फुट) यहां की सुंदरता में चार चांद लगाती है। सूर्य की सुनहली किरणों की आभा में नई-नवेली दुलहन की तरह दिखने वाली इस चोटी के हर क्षण बदलते मोहक दृश्य सुंदरता की नई-नई परिभाषाएं गढ़ते हुए से लगते हैं। मनुष्य की कल्पनाओं का सागर यहां हिलोरें मारने लगता है।

जीवंत वातावरण

भारत के उत्तर-पूर्व और पूर्व में फैले इस राज्य का क्षेत्रफल 7096 वर्ग किलोमीटर है और जनसंख्या लगभग पांच लाख। चीन के अधीनस्थ तिब्बत से व्यापारिक संबंधों के समय व्यावसायिक महत्व का स्थान रहा गंगटोक आज के सिक्किम की राजधानी है। इस शहर की स्थापना 19वीं शताब्दी के मध्य में हुई थी। इससे पहले राज्य के पश्चिमी भाग में युकसम और इसके बाद राबडेंसे नामक स्थानों को सिक्किम की राजधानी होने का गौरव प्राप्त था। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों, हनीमून मनाने वाले जोड़ों तथा राज्य के सुदूर क्षेत्रों में ट्रेकिंग और साहसिक पर्यटन के शौकीन लोगों की आवाजाही गंगटोक के वातावरण को हमेशा जीवंत बनाए रखती है।

पर्यटन की दृष्टि से सुविधापूर्वक सिक्किम दर्शन के लिए राज्य को चार भागों में बांटा जा सकता है। सबसे पहले पूर्व में गंगटोक तथा इसके आसपास कई दर्शनीय स्थल हैं। समुद्रतल से 5800 फुट की ऊंचाई पर स्थित गंगटोक का प्रारंभ से ही समुचित विकास होता आया है। यहां अच्छे से अच्छे रहने के स्थान, यातायात के साधन तथा संचार माध्यम उपलब्ध हैं। राज्य की पारंपरिक हस्तशिल्प और हथकरघा की वस्तुओं का केंद्र भी पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का स्थान है। यहां से केवल तीन किलोमीटर की दूरी पर 200 वर्ष पुराना महत्वपूर्ण बौद्ध मठ इंचे मॉनेस्ट्री है। ऐसा माना जाता है कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को लामा द्रुप्तोब कार्पो का आशीर्वाद मिलता है। लामा द्रुप्तोब यहां के लोकजीवन में

आस्था के एक गहरे प्रतीक के रूप में रचे-बसे हैं। हर साल जनवरी के आसपास यहां छाम नृत्य का उत्सव आयोजित किया जाता है। यह उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। व्हाइट हॉल के पास पूरे वर्ष फूलों की प्रदर्शनी भी लगाई जाती है।

बौद्ध अध्ययन का केंद्र

गंगटोक में ही स्थित नामग्याल इंस्टीट्यूट ऑफ टिबेटोलॉजी (एनआईटी) नाम का बौद्ध संस्थान दुर्लभ लेपचा, तिब्बती व संस्कृत पांडुलिपियों, मूर्तियों, थंका, कर्मकांड और पूजन विधि में प्रयोग आने वाले कपड़ों (टेपेस्ट्रीज) आदि दो सौ से अधिक बहुमूल्य वस्तुओं तथा कलाकृतियों का खजाना है। धार्मिक और ऐतिहासिक दोनों ही दृष्टियों से महत्वपूर्ण यह संस्थान आज पूरे विश्व के लिए बौद्ध दर्शन तथा धर्म का अध्ययन केंद्र बना हुआ है।

छोग्याल पाल्डेन थोंडुप नामग्याल की स्मृति में यहां एक पार्क बना हुआ है। छोग्याल अर्थात राजा। नामग्याल वंश के 17वें तथा धार्मिक कार्यो के लिए पवित्रीकरण संस्कार प्राप्त 12वें राजा पाल्डेन थोंडुप की आर्थिक और सामाजिक सुधारों में शुरू से गहरी आस्था थी। राजा पाल्डेन आधुनिक शासन प्रणाली के समर्थक थे। इनके शासनकाल में ही सिक्किम में आधारभूत सुविधाओं की नींव रखी गई। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने स्कूल, सड़कें, चिकित्सालय आदि बनाने, पेयजल उपलब्ध कराने, यातायात हेतु सिक्किम राष्ट्रीयकृत ट्रांसपोर्ट, हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पॉवर स्कीम तथा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए अन्य योजनाएं चलाने के लिए भी लगातार सहायता दी। 1982 में इनका देहांत हुआ। अंत तक वह बौद्धिक सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रहे।

पवित्र छांगू झील

छांगू लेक, जिसे स्थानीय लोग छो गो लेक कहते हैं, गंगटोक से 40 किलोमीटर दूर है। समुद्रतल से 3780 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह अंडाकार झील एक किलोमीटर लंबी और 15 मीटर गहरी है। स्थानीय लोगों की मान्यताओं के अनुसार यह एक पवित्र स्थान है। शीतकाल में यह जमी रहती है। मई से अगस्त के बीच इसके चारों ओर फैली पर्वतश्रृंखला व घाटियों में विभिन्न प्रकार के फूल खिले होते हैं। यहां खिलने वाले फूलों में रोडोडेंड्रोन, कई प्रकार के प्रिमुला, नीले और पीले पॉपीज, आइरिस आदि प्रमुख हैं। लाल पांडा तथा कई प्रजातियों के पक्षियों का यह पसंदीदा स्थान है। इसी दिशा में गंगटोक से 56 किलोमीटर दूर समुद्रतल से 14200 फुट की ऊंचाई पर स्थित नाथू ला है। ला अर्थात पास या एक पहाड़ को लांघकर दूसरी ओर जाने का रास्ता। नाथू ला भारत-चीन (तिब्बत का पठार) सीमा पर स्थित है। यहां जाने के लिए पंजीकृत ट्रेवल एजेंसी के माध्यम से सिक्किम पर्यटन विभाग से परमिट लेनी पड़ती है। नाथू ला की ओर जाने की परमिट केवल भारतीय नागरिक ही पा सकते हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में पाई जाने वाली जड़ी-बूटियां और पेड़-पौधे देखने के शौकीन लोगों के लिए इसी क्षेत्र में स्थित सरमसा गार्डन और जवाहरलाल नेहरू बोटेनिकल गार्डन दर्शनीय हैं। जबकि वन्य जीवन में रुचि लेने वालों के लिए हिमालयन जूलोजिकल पार्क तथा फेम्बोंग लो वाइल्ड लाइफ सैंक्चुअरी दिलचस्प जगहें हो सकती हैं। इनके अलावा दो द्रुल छोरटेन, रुमटेक धर्म चक्र केंद्र, पाल जुरमांग कागयुद मॉनेस्ट्री, वाटर गार्डन, बाबा हरभजन सिंह मेमोरियल, ताशी व्यू प्वाइंट, गोन्जांग मॉनेस्ट्री, गणेश टोंक, हनुमान टोंक, नोर छो सुक तथा अरितार यहां के अन्य दर्शनीय स्थल हैं।

जहां मिट जाते हैं पाप

पश्चिमी सिक्किम में पेमायांगसे मॉनेस्ट्री सबसे प्राचीन बौद्ध मठों में से एक है। राज्य की पहली राजधानी युकसम यहीं है। तीन विद्वान लामाओं द्वारा सन् 1641 में सिक्किम राज्य के प्रथम छोग्याल (राजा) का पवित्रीकरण संस्कार यहीं किया गया था। इसका प्रमाण नोरबूगांग छोरटेन में आज भी मौजूद है, जहां पत्थरों के सिंहासन और एक पत्थर पर मुख्य लामा के पैर की छाप देखी जा सकती है। वस्तुतः इस राज्य का इतिहास यहीं से शुरू होता है। स्थानीय लोग इस क्षेत्र को अत्यंत पवित्र मानते हैं। जोंगरी-जेमाथांग तथा कंचनजंगा बेस कैंप के लिए ट्रेकिंग कार्यक्रम भी युकसम से ही शुरू होते हैं। युकसम के बाद कुछ ही दूरी पर स्थित राबडेंसे राज्य की दूसरी राजधानी बनी थी। यहां अब केवल खंडहर शेष हैं। सन् 1814 तक यहीं से राजा ने राज्य का संचालन किया। ताशीडिंग मॉनेस्ट्री हृदय के आकार की पहाड़ी पर बनाई गई है, जिसके पीछे पवित्र कंचनजंगा पर्वत है। बौद्ध धर्मग्रंथों के अनुसार 8वीं शताब्दी में गुरु पद्मसंभाव, जिन्हें गुरु रिम्पूछे भी कहा जाता है, ने इस स्थान से ही सिक्किम की पवित्र भूमि को आशीर्वाद दिया था। ऐसा माना जाता है कि आज भी यहां आने वालों को गुरु रिम्पूछे का आशीर्वाद प्राप्त होता है। लेपचा समुदाय की बहुलता वाली इस घाटी में स्थित पवित्र गुरु इहेदू में गुरु रिम्पूछे के पैरों और हाथों के चिन्ह अभी भी सुरक्षित हैं। ताशीडिंग पवित्र छोरटेन (स्तूप) थोंग वा रांग डोल के लिए भी प्रसिद्ध है। इसका अर्थ है देखने भर से जीवनरक्षा करने वाला।

संधि भाईचारे की

उत्तरी सिक्किम में जेमू ग्लेशियर से निकलने वाली तीस्ता नदी राज्य का गौरव बढ़ाती है। व्हाइट वाटर राफ्टिंग और कयाकिंग आदि वाटर स्पोर्ट्स के शौकीन लोगों के लिए सिक्किम में यही आकर्षण का मुख्य केंद्र है। मई-जून में यहां साहसिक पर्यटन के शौकीन लोगों की खासी भीड़ जुटी होती है। भारत ही नहीं, दुनिया के अन्य देशों से भी लोग यहां रोमांचक खेलों का मजा लेने तथा प्रकृति की सुंदरता को निहारने के लिए आते हैं।

अगर आप वन्य प्राणियों के जीवन में रुचि लेते हैं तो उत्तरी सिक्किम में ही स्थित कंचनजंगा नेशनल पार्क बहुत मुफीद जगह है। 850 वर्ग किलोमीटर में फैले इस वन्य जीव अभ्यारण्य को बायोस्फीयर रिजर्व के नाम से भी जानते हैं। यहां तमाम दुर्लभ प्रजातियों के कई जीव स्वच्छंद विचरण करते हैं। इसके क्षेत्र में कई ग्लेशियर भी हैं, जिनमें जेमू ग्लेशियर सबसे लंबा और नयनाभिराम है। चिड़ियों की यहां कुल 550 प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें ब्लड फेजेंट, सेटायर ट्रैगोपन, ऑस्प्रे, हिमालयन ग्रिफॉन, लैमर्जियर, बर्फीला कबूतर, इंपेयन फेजेंट, सन बर्ड्स और गरुड़ शामिल हैं।

कैसे पहुंचें

पृथ्वी की भौगोलिक असमानताओं में बिखरे प्राकृतिक सौंदर्य का अद्वितीय पक्ष सिक्किम राज्य सड़क, रेल तथा हवाई मार्गो के जरिये देश के विभिन्न महानगरों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। उत्तरी बंगाल में बागडोगरा हवाई अड्डा राजधानी गंगटोक के सबसे समीप है। हवाई अड्डे से 124 किलोमीटर की दूरी सड़क मार्ग से लगभग चार घंटों में तय हो जाती है। बागडोगरा विमान पत्तन कोलकाता, गुवाहाटी और नई दिल्ली से इंडियन एयरलाइंस और दूसरी एयरलाइनों की उड़ानों से जुड़ा हुआ है। सिक्किम पर्यटन विभाग का पांच सीटों वाला हेलीकॉप्टर बागडोगरा और गंगटोक के बीच प्रतिदिन हवाई सेवा प्रदान करता है। रेलमार्ग पर सबसे समीप दो स्टेशन सिलीगुड़ी तथा न्यू जलपाईगुड़ी हैं। गंगटोक से इनकी दूरी क्रमशः 114 व 125 किलोमीटर है।

परमिट की जरूरत

सीमांत प्रदेश होने के कारण विदेशी नागरिकों को यहां आने के लिए इनर लाइन परमिट (आईएलपी) लेना होता है। यह परमिट उन्हें भारत में प्रवेश हेतु मिले वीजा के आधार पर मिल जाता है। भारतीय दूतावासों तथा देश में पर्यटन कार्यालयों से या सिक्किम पहुंच कर भी यह परमिट प्राप्त किया जा सकता है, जिसकी अवधि 15 दिन होती है। यह अवधि बढ़वाई भी जा सकती है।

मौसम एवं तापमान

ग्रीष्म ऋतु में गंगटोक का तापमान अधिकतम 21 डिग्री तथा न्यूनतम 13 डिग्री सेंटीग्रेड होता है तथा शरद ऋतु में अधिकतम 13 डिग्री तथा न्यूनतम 05 .3 डिग्री सेंटीग्रेड। विश्व में सबसे अधिक वर्षा चेरापूंजी में होती है। यह स्थान सिक्किम से अधिक दूर नहीं है। अतः राज्य में भ्रमण के लिए सबसे उत्तम समय मार्च से जून तक तथा अक्टूबर से दिसंबर तक है। गंगटोक में प्रतिवर्ष औसतन वर्षा 3894 मिलीमीटर होती है। 15 साल के अंतराल के बाद गत फरवरी मास में यहां बर्फबारी हुई है।

विदेश में भी मौजूद हैं कई मंदिर जिन्हें देखकर आप भी कहेंगे वाह!

भारत को मंदिरों का देश भी कहा जाता है, ऐसा इसलिए क्योंकि यहां देवी-देवताओं के कई हजार मंदिर हैं। प्राचीन से लेकर नए मंदिरों के कारण भारत दुनियाभर में आकर्षण का केंद्र है। वहीं, क्या आप जानते हैं कि भारत के अलावा भी अन्य देशों में हिन्दू देवी-देवताओं के मंदिर हैं, जिन्हें दुनियाभर में मान्यता प्राप्त है। दुनियाभर में प्रसिद्ध इन मंदिरों के दर्शन के लिए लोग दूर-दूर से आया भी करते हैं। आज हम आपको उन्हीं मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं जो भारत के अलावा दूसरे देशों में मौजूद हैं, आइए जानते हैं...

मुन्नेस्वरम मंदिर, श्रीलंका

श्रीलंका के मुन्नेस्वर गांव में मुन्नेस्वरम नामक ये मंदिर काफी बड़ा है। इसके परिसर में कुल 5 मंदिर स्थित हैं। यहां मां काली और भगवान शिव का भी मंदिर है। ऐसी मान्यता है कि जब श्रीराम ने राम का वध किया था तब वो यहां शिव जी की पूजा करने के लिए आए थे। ये ही कारण है कि इस मंदिर को धार्मिक तौर पर बेहद खास माना जाता है। यहां काफी लोग घूमने और शिव जी के दर्शन करने के लिए आते हैं।

अंकोरवाट मंदिर, कंबोडिया

कंबोडिया में स्थित अंकोरवाट मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। हिन्दू मंदिरों में ये दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर माना जाता है। 12वीं सदी में इसका निर्माण कम्बुज के राजा सूर्यवर्मा ने करवाया था। इस मंदिर के चारों तरफ एक गहरी खाई है, जिसकी चौड़ाई 650 फुट और लंबाई ढाई मील है, जो इस मंदिर को खास बनाता है। इस मंदिर में हर वर्ष लाखों की संख्या में लोग आते हैं। यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों में से एक ये मंदिर है।

मुरूगन टेंपल, ऑस्ट्रेलिया

मुरूगन मंदिर ऑस्ट्रेलिया की राजधानी सिडनी में स्थित है। यहां पहड़ों के देवता कहलाए जाने वाले भगवान मुरूगन विराजमान है। इसलिए इस विशाल मंदिर को न्यू साउथ वेल्क के पहाड़ों पर बनवाया गया है। इस मंदिर और भगवान के प्रति यहां के हिन्दुओं की अपार आस्था है।

पशुपतिनाथ मंदिर, नेपाल

भारत से करीबी देश नेपाल की राजधानी काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर स्थित है। दुनिया के सबसे प्राचीन हिन्दू मंदिरों में से एक ये मंदिर है। यहां पशुपति के रूप में शिव जी की पूजा होती है। हर साल यहां काफी संख्या में लोग दर्शन करने आते हैं। यूनेस्को द्वारा इस मंदिर को विश्व विरासत स्थल का दर्जा मिला हुआ है।

प्रम्बानन मंदिर, इंडोनेशिया

इंडोनेशिया में कई हिन्दू मंदिर मौजूद हैं। इन्हीं में से एक प्रम्बानन मंदिर भी है। जिसका निर्माण नौवीं शताब्दी में किया गया था। ये मंदिर यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल माना जाता है। ये मंदिर केवल इंडोनेशिया का ही नहीं बल्कि पूरे साउथ एशिया का बहुत बड़ा मंदिर है।

सागर शिव मंदिर, मॉरीशस

बड़ी संख्या में हिन्दू रहने वाले द्वीपीय देश मॉरीशस में सागर शिव मंदिर को एक पवित्र धार्मिक स्थल माना जाता है। इसका निर्माण साल 2007 में हुआ था। भगवान शिव की 108 फीट ऊंची कांसे की प्रतिमा इस मंदिर को खास बनाती है। भगवान शिव के दर्शन के लिए यहां लाखों की संख्या में लोग आते हैं।

रामलिंगेश्वर मंदिर, मलेशिया

मलेशिया की राजधानी क्वालालमपूर में रामलिंगेश्वर मंदिर स्थित है। साल 2012 में मलेशिया सरकार द्वारा इस मंदिर को ट्रस्ट के हवाले कर दिया गया। जिसके बाद से अब इस ट्रस्ट द्वारा ही मंदिर का प्रबंधन किया जाता है।

कटास राज मंदिर, पाकिस्तान

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के चकवाल जिले में कटास राज मंदिर स्थित है। ये एक प्राचीन भगवान शिव मंदिर है। छठी से नौवीं शताब्दी के बीच इस मंदिर का निर्माण करवाया गया था। कहा जाता है कि ये मंदिर महाभारत काल से था। इससे संबंधित पांडवों की कई कहानियां प्रसिद्ध हैं।

अपनी जीत पक्की करके मैं इस साल दिवाली का जश्न शुरू करना चाहती हूं : रितु फोगाट

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। एमएमए (मिक्स मार्शल आर्ट) सर्किट में सनसनी के बाद से अपनी पहली सात फाइट्स में से छह जीतने के बाद 27 वर्षीय पूर्व भारतीय पहलवान रितु फोगाट अब अगली चुनौती के लिए तैयार हैं। फोगाट सिंगापुर में वन - नेक्स्टजेन में सेमीफाइनल में मशहूर जापानी जुडोका, इटुकी हिराटा के साथ मुकाबले की तैयारी में हैं। अपनी जीत पक्की करने के लिए फोगाट प्रशिक्षण के मामले में कोई कसर नहीं छोड रही हैं।

रितु ने कहा, मैं हमेशा ग्रैंड प्रिक्स की ओर केंद्रित रही हूं और यह मेरी कल्पना से कहीं ज्यादा करीब है। यह मेरे और मेरे देश दोनों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह एक भारतीय महिला को वैश्विक एमएमए मंच पर ला सकता है। भारत के पास इतिहास में कभी भी महिला एमएमए चैंपियन नहीं रही हैं और अब हमारे लिए खेल को बदलने का समय आ गया है।

जूडो विशेषज्ञ और साथी पहलवान इटुकी हिराता से मुकाबला करने की अपनी तैयारी के बारे में टिप्पणी करते हुए रितु ने कहा, मेरी प्रतिद्वंद्वी निश्चित रूप से शानदार हैं, क्योंकि जूडो में उसकी बहुत मजबूत पृष्ठभूमि है। मैं अपने ग्राउंड गेम को बढाने और अपनी स्ट्राइकिंग क्षमताओं को तेज करने पर काम कर रही हूं। उन्होंने कहा कि हालांकि लोग सोच सकते हैं कि हमारी शैली समान है, लेकिन मुझे यकीन है कि मेरी कुश्ती पृष्ठभूमि मुझे बढत देगी। चूंकि हम दोनों

पहलवान हैं, इसलिए मैं आपको विश्वास दिलाती हूं कि यह मुकाबला दर्शकों के मन में बसने वाला है।

सेमीफाइनल से पहले के दिनों में अपने प्रशिक्षण के बारे में और बात करते हुए रितु ने कहा कि वह वर्तमान में इसे अपना सर्वश्रेष्ठ दे रही है और सप्ताह में छह बार दिन में दो बार प्रशिक्षण कर रही है। मेरे लिए प्रयास करना हमेशा बहानों से ऊपर रहा है। कभी-कभी मैं दिन में तीन बार भी प्रशिक्षण करती हूं, क्योंकि मेरे पिता ने हमेशा मुझसे कहा है कि कडी मेहनत ही चैंपियनशिप का एकमात्र शॉर्टकट है। जैसा कि वे ठीक ही कहते हैं कडी मेहनत किसी के साथ विश्वासघात नहीं करती है और ध्यान और प्रयास आपके प्रभाव के दायरे में हैं। जितना अधिक मैं प्रशिक्षण करती हूं, उतना ही अधिक आत्मविश्वास से भरी होती हूं। जितनी अच्छी मेरी तैयारी होती है, मैं उतनी ही मजबूत होती हूं कुश्ती और स्ट्रेंथ कंडीशनिंग से लेकर स्पैरिंग और स्ट्राइकिंग तक मेरे प्रशिक्षण में एमएमए कौशल का एक विशाल सेट शामिल है। भारत में अपने घर से दूर रहने और लगातार दूसरे वर्ष दिवाली समारोहों को याद करने के बारे में अफसोस जताते हुए फोगाट कहती हैं, मेरे परिवार और मेरे सभी प्रशंसकों को मेरा दिवाली उपहार सेमीफाइनल में मेरी जीत होगी। मैं घर से दूर रही हूं और यह कुछ समय के लिए मेरी वास्तविकता रही है लेकिन फिर मुझे पता है कि मेरी जीत पक्की होगी।उन्होंने आगे कहा, एमएमए में मेरा प्रभाव ऐसे समय में आया है, जब मैं अपने कुश्ती करियर के चरम पर थी। निर्णय खेल में हमारे कम प्रतिनिधित्व से शुरू हुआ था और मैं चाहती थी कि दुनिया एमएमए मंच में भारत को एक नए सिरे से देखे। मेरी बहनें और मेरे पिता बहुत सहयोगी रहे और मैं खुद को उनके दृढ विश्वास के योग्य साबित करना चाहती हूं।

जब उनसे पूछा गया कि वह युवा महिला एथलीटों से क्या कहना चाहेंगी, तो रितु ने संदेश दिया; विश्वास करो कि तुम कर सकती हो और तुमने इसे पहले ही कर लिया होता। यह हमेशा आसान नहीं होगा, लेकिन यह आपको मजबूत बनाएगा। आपकी मेहनत आपकी यात्रा की गति निर्धारित करेगी, इसलिए इसे जारी रखें। आइए एक-दूसरे के लिए विकास, प्रोत्साहन और सशक्तिकरण के अवसर खोलें। जब उनसे पूछा गया कि अगर उनके जीवन पर एक फिल्म बनाई जाए तो वह किसे चुनेंगी और किस हिस्से को चाहेंगी कि फिल्म निर्माता छोड दें? इस पर रितु ने कहा, जब खेल की बात आती है, तो लोग केवल देखते हैं महिमा और प्रशंसा।लेकिन मैं चाहती हूं कि लोग यह जानें कि सभी ग्लैमरस सफलता के पीछे वर्षों की मेहनत, पसीना और आंसू हैं।

भारत विश्वकप का सबसे प्रबल दावेदार : इंजमाम

मुंबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक ने भारत तो ओमान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में चल रहे टी20 विश्व कप जीतने का प्रबल दावेदार बताया है। इंजमाम को लगता है विराट कोहली की अगुवाई वाली टीम यूएई की परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन करेंगे, क्योंकि वह इन परिस्थियों को बेहतर समझते हैं।

इंजमाम ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, हर टूर्नामेंट में कोई टीम प्रबल दावेदार होती है पर मुझे लगता है इस विश्व कप में भारत के जीतने की उम्मीद ज्यादा है क्योंकि वह इन परिस्थितियों को अच्छे से जानते हैं।

उन्होंने कहा, भारत के बल्लेबाजों से ज्यादा गेंदबाजों के पास अनुभव है। अभी खेले गए इंडियन प्रीमयर लीग (आईपीएल) में हर गेंदबाज ने शानदार प्रदर्शन किया है। इंजमाम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के प्रदर्शन को खूब सराहा। उन्होंने कहा, भारत ने बडी आसानी से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला।

भारत की टीम उप महाद्वीप की पिचों पर शानदार खेल दिखाते हैं। उन्होंने कहा अगर इस मैच को ही देखे तो उन्हें विराट कोहली की जरुरत भी नहीं पडी। इंजमाम ने सुपर 12 में 24 अक्टूबर को होने वाले भारत और पाकिस्तान के बीच के मुकाबलें में कौन सी टीम का पलडा भारी रहेगा यह नहीं बताया।

किस्तान रहेगा जीत का दावेदार : हेडन

दुबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज और पाकिस्तान टीम के बल्लेबाजी सलाहकार मैथ्यू हेडन ने कहा है कि पाकिस्तानी टीम टी 20 विश्व कप में भारत के खिलाफ 24 अक्टूबर को होने वाले मुकाबले में जीत की दावेदार रहेगी। इस विश्व कप के लिए पाकिस्तान के बल्लेबाजी सलाहकार बने हेडन ने ईमानदार स्वीकारोक्ति में कहा, मैंने अपने सपने में भी कभी नहीं सोचा था कि मैं पाकिस्तानी ड्रेसिंग रूम का हिस्सा बनूंगा। हेडन ने साथ ही कहा, हालांकि विश्व कप का रिकॉर्ड भारत के पक्ष में है लेकिन अंतिम फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि मैच के दिन कौन सी टीम चुनौती को संभालती है और मुझे विश्वास है कि हमारे खिलाड़ी मैच के दबाव के बावजूद काफी सहज हैं।

उन्होंने कहा, जब आप इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हैं तो आप पर स्पष्ट रूप से दबाव रहता है लेकिन यह दबाव तब तक रहता है जितनी आप इसे होने देने कि अनुमति देते हैं। आपकी तैयारियां हैं, आपका अनुभव है और आपका मौका इतिहास बनाने का अवसर बन चुका है। मेरा महसूस करना है कि हमारे खिलाड़ी इस मौके का इन्तजार कर रहे हैं और उन्हें सिर्फ मैच खेलने का इन्तजार है।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के मालिक ने आईपीएल फ्रेंचाइजी के लिए दिखाई रुचि

मुंबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) दुनिया में सबसे प्रसिद्ध टूर्नामेंट है और इसलिए विदेशी निवेशकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। इस क्रम में आईपीएल के अगले सीजन में दो नई फ्रेंचाइजी जुडने के लिए तैयार है। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट में कहा गया कि ग्लेजर परिवार, जिसके पास दुनिया के मैनचेस्टर यूनाइटेड सहित कई खेल संपत्तियां हैं, (जो कि दुनिया के सबसे महंगे क्लबों में से एक है) वह अब आईपीएल से जुड एक नई टीम के मालिक बनने में रुचि दिखाई है। उन्होंने नई फ्रेंचाइजी से जुडने के लिए सभी दस्तावेज मंगवाया है हालांकि ओटीटी दस्तावेज लेने के बाद इसकी कोई गारंटी नहीं है ग्लेजर परिवार फ्रैंचाइजी के लिए बोली लगाएगा, क्योंकि अगर उनकी बोली सफल होती है तो इसके लिए उनको भारत में एक कंपनी खोलनी पडेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि बोली दस्तावेज लेने वालों में अदानी समूह, टोरेंट फार्मा, अरबिंदो फार्मा, आरपी-संजीव गोयनका समूह, हिंदुस्तान टाइम्स मीडिया, जिंदल स्टील (नवीन जिंदल के नेतृत्व में), उद्यमी रोनी स्क्रूवाला और तीन निजी इक्विटी खिलाडी शामिल हैं। बीसीसीआई ने हाल ही में एक नोटिस जारी किया है जिसमें दो नई फ्रेंचाइजी से जुडने के लिए इच्छुक पार्टियों से बोलियां मांगी गई हैं।

इंग्लैंड के कहिमा दास ने कोरोना वायरस को दी मात, एक हफ्ते पहले हुई थी पॉजिटिव

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की दिग्गज धाविका हिमा दास ने कोरोना वायरस को मात दे दी है। इस बारे में गुरुवार को उन्होंने खुद घोषणा की है। वह एक सप्ताह पहले ही कोरोना पॉजिटिव हुई थी, जिसके बाद उनकी रिपोर्ट निगेटिव आई है। पटियाला में राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) से लौटने के बाद 21 साल की हिमा दास पिछले सप्ताह कोरोना पॉजिटिव पाई गई थी। दास, चोट से उभरने और कोरोना से ठीक होने के बाद जून में होने वाले इंटर स्टेट एथलीट्स चैपिंयशिप के लिए दोबारा से ट्रेनिंग शुरू करने वाली है। इस बारे में उन्होंने खुद ट्विटर पर जानकारी दी है। उन्होंने कहा, मैं सबको बताना चाहती हूं कि मेरी कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई है। मैं उन सबका धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने ऐसे समय में मुझे प्यार दिया। अब मैं ट्रेक पर वापसी के लिए बेताब हूं। हिमा ने आखिरी बार ओलंपिक क्वालीफाइंग इवेंट इंटर-स्टेट मीट में भाग लिया था, जहां उन्होंने 100 मीटर की दौर में हैमस्ट्रिंग की समस्या आई थी। इसलिए वह कई दौर से हट गई थी लेकिन अब उन्होंने 200 मीटर फाइनल में दौडने का विकल्प चुना है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2021 में कर्नाटक की कमान संभालेंगे मनीष पांडे

बेंगलुरु, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय एवं सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज मनीष पांडे आगामी चार नवंबर से शुरू हो रहे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2021 टूर्नामेंट में कर्नाटक की कप्तानी संभालेंगे, जबकि येरे गौड टीम के मुख्य कोच होंगे।

कर्नाटक ने इस बडे घरेलू टूर्नामेंट के लिए गुरुवार को अपनी 20 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जिसका नेतृत्व मनीष पांडे को सौंपा गया है। इसके अलावा युवा इनफॉर्म बल्लेबाजों मयंक अग्रवाल और देवदत्त पडिकल की जोडी को टीम में शामिल किया गया है। लोकेश राहुल हालांकि आईसीसी टी-20 विश्व कप के लिए राष्ट्रीय टीम के साथ रहने के कारण

टूर्नामेंट में भाग नहीं लेंगे।

इस बीच मनीष पांडे की टीम में वापसी हुई है जो पिछले सीजन कोहली में चोट के कारण टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाए थे। उनकी गैर मौजूदगी में पिछले साल करुण नायर ने टीम का नेतृत्व सौंपा गया था, लेकिन अब दोबारा मनीष पांडे कप्तानी संभालेंगे। वहीं 2020-21 सीजन में कर्नाटक के उप कप्तान रहे पवन देशपांडे टीम में जगह बना पाने में नाकाम रहे हैं, जबकि अभिमन्यु मिथुन क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले चुके हैं। इस बार टीम में कई बडे खिलाडियों की वापसी हुई है, जिन्होंने आईपीएल में भी अच्छा प्रदर्शन किया था।

उल्लेखनीय है कि कर्नाटक ने 2018-19 और 2019-20 सीजन में लगातार यह खिताब जीता था। इस सीजन वह जीत की हैट्रिक लगाना चाहेगी। 2020-21 सीजन में पंजाब के खिलाफ क्वार्टरफाइनल मुकाबले में खराब बल्लेबाजी प्रदर्शन के कारण कर्नाटक टूर्नामेंट से बाहर हो गया था। कर्नाटक चार नवंबर को मुंबई के खिलाफ मैच से अपना अभियान शुरू करेगा।

संक्षिप्त समाचार

लोकेश राहुल बने रियलमी स्मार्टफोन के ब्रांड अंबेसडर

नई दिल्ली। स्मार्टफोन के साथ ही टीवी और अन्य इलेक्ट्रानिक उत्पाद बनाने वाली कंपनी रियलमी ने क्रिकेटर लोकेश राहुल को अपने स्मार्टफोन का ब्रांड अंबेसडर बनाने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि राहुल और उसके स्मार्टफोन दोनों में समानता को देखते हुये इस क्रिकेटर का ब्रांड अंबेसडर के तौर पर चयन किया गया है। राहुल अब कंपनी के स्मार्टफोन के प्रचार प्रसार में नजर आयेंगे।

सोनेट ने कप श्रेणी के लिए पुश लीग का फाइनल जीता

नई दिल्ली। पुश एकेडमी क्रिकेट लीग अंडर-13 टूर्नामेंट, 2021 कप-श्रेणी का फाइनल मैच सोनेट अकादमी ने डोम क्रिकेट ग्राउंड, गुरुग्राम में क्रोयर क्रिकेट अकादमी के खिलाफ खेलते हुए 103 रन से जीत लिया। अनिरुद्ध कुमार (3/10) को क्रैगबज मैन ऑफ द मैच का खिताब मिला। स्कोर : सोनेट अकादमी 40 ओवर में 198/5, मिहिर दोई गणेश नाबाद 68 (76 गेंद), अनंत बिष्ट 52 , क्रोयर क्रिकेट अकादमी 38 ओवर में 95, कुणाल मलिक 30 , अनिरुद्ध कुमार (3/10), विनायक (3/17)।

सदर बाजार ने प्लेट श्रेणी के लिए पुश लीग का खिताब जीता : पुश एकेडमी क्रिकेट लीग अंडर-13 टूर्नामेंट, 2021, प्लेट-श्रेणी का फाइनल सदर बाजार यूथ ने आर्केड क्रिकेट अकादमी के खिलाफ खेलते हुए 137 रन से जीता। आयुष भल्ला (101 रन और 4 विकेट) को क्रैगबज मैन ऑफ द मैच का खिताब मिला। स्कोर : सदर बाजार युवा 40 ओवर में 237/9, आयुष भल्ला 101 , अश्विक अग्रवाल (3/44) आर्केड क्रिकेट अकादमी- 35.4 ओवर में 100, अद्वैत सिंह 35 , आयुष भल्ला (4/17), अयान खान (2/15)।

बार्सिलोना ने यूएफा चैंपियंस लीग में डॉयनेमो कीव को हराया

बार्सिलोना। बार्सिलोना ने यूएफा चैंपियंस लीग में डॉयनेमो कीव को हराकर पहला अंक अर्जित किया। बार्सिलोना की ओर से जेरार्ड पीक ने खेल के 36वें मिनट में एकमात्र गोल किया जिससे टीम को 1-0 की बढत मिल गई। इस जीत के साथ वह अपने यूएफा चैंपियंस लीग के अंतिम 16 में जगह बनाने के उम्मीदों को जिंदा रखा है। इससे पहले बार्सिलोना की टीमो को बायर्न म्यूनिख और बेनफिका से 3-0 से हार झेलनी पडी थी। डॉयनेमो की टीम लगतार गोल की तालाश में रही पर उन्हें निराशा हाथ लगी। बार्सिलोना ने लागतार अक्रमकता से खेलते रहे और एक गोल करने में कामयाब हुए। पीक ने गोल करने के अलावा डिफेंस में भी अपना काफी योगदान दिया और डायनमों के स्ट्राइकरों को गोल करने से रोकते रहे। अब बार्सिलोना एल क्लासिको में रविवार को रियल मेड्रिड का सामना करेगा।

सिंधु डेनमार्क ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंची, श्रीकांत हुए बाहर

ओडेंस, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने गुरुवार को यहां ओडेंस स्पोर्ट्स पार्क में थाइलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान को डेनमार्क ओपन में हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। हालांकि, भारत को एक झटका लगा जब किदांबी श्रीकांत पुरुष एकल में दूसरे दौर से आगे नहीं बढ सके, वो पहले गेम में कडी टक्कर के बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त और दुनिया के नंबर 1 केंटो मोमोटा से हार गए। 43 मिनट तक चले मैच में श्रीकांत जापानी स्टार से 21-23, 9-21 से हार गए।

हैदराबाद की 26 वर्षीय सिंधु, जो यहां चौथी वरीयता प्राप्त हैं, वो 21-16, 12-21, 21-18 से जीतकर अंतिम-आठ चरण में पहुंच गई जहां वह दक्षिण कोरिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त एन सेयॉन्ग से भिडेगी। सिंधु ने बुसानन के

खिलाफ आक्रामक शुरुआत की और लीड बना लिया। उन्होंने थाई की खिलाडी पर लगातार अपने आक्रमक शॉट्स से दबाव बनाए रखा। सिंधु ने थाई खिलाडी के खिलाफ लगातर आठ अंक बटोरा और दूसरे दौर में प्रवेश किया। दूसरे में बुसानन ने शानदार खेल दिखाया और सिंधु को वापसी करने का मौका नहीं दिया। बुसानन ने लगतार सिंधु के खिलाफ बढत बनाती रही और उन्हें वापसी करने का मौका नहीं दिया। खेल का अतिंम चरण काफी रोमांचक रहा, दोनों खिलाडियों ने एक दूसरे के खिलाफ लगातार अंक बटोरे पर सिंधू ने बढत बना कर बुसानन को 21-18 से हरा दिया।

टी-20 विश्व कप में कुछ मैचों से बाहर हो सकते हैं केन विलियमसन

शारजाह, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन मौजूदा आईसीसी टी-20 विश्व कप 2021 के कुछ मैचों से बाहर हो सकते हैं। टीम के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि चोट की वजह से विलियमसन को कुछ मैचों से आराम दिया जा सकता है। स्टीड ने यहां गुरुवार को एक बयान में कहा, हम विलियमसन को लेकर कोई जोखिम नहीं उठा सकते हैं, इसलिए एहतियात के तौर पर उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में भी टीम में शामिल नहीं किया गया था। हम अभी भी यह उम्मीद लेकर चल रहे हैं कि अगर उन्हें पर्याप्त आराम दिया जाए तो वह खेलने के लिए फिट हो सकते हैं। यही वजह है कि उन्हें कुछ मैचों से बाहर भी रखा जा सकता है। उनका टीम में होना न्यूजीलैंड टीम के

लिए काफी महत्वपूर्ण है। वह न केवल टीम के दिग्गज बल्लेबाज हैं, बल्कि जुझारू कप्तान भी हैं।

कोच ने कहा, विलियमसन एक ऐसे खिलाड़ी हैं, जिनमें खुद अपने दम पर मैच जिताने की काबिलियत है, लेकिन उनकी हैमस्ट्रिंग और कोहनी की चोट ने टीम की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। अगर वह पूरी तरह से फिट नहीं होते हैं तो टीम की पहले टी-20 विश्व कप खिताब जीतने की उम्मीदों को झटका लग सकता है। टीम प्रबंधन अच्छी तरह से उनकी चोट की निगरानी करेगा। उनका वर्कलोड कम करने के लिए उन्हें टी-20 विश्व कप के कुछ मैचों से आराम भी दिया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष भारत को हरा कर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) जीतने वाले न्यूजीलैंड ने अभी तक एक भी विश्व कप खिताब नहीं जीता है। इस बार बेशक उनके पास कई दिग्गज खिलाड़ी हैं जो उनके इस सूखे को खत्म कर सकते हैं, लेकिन यहां जरूरी यह है कि सभी खिलाड़ी पूरी तरह से फिट रहें और बेहतर प्रदर्शन करें। विलियमसन की बात करें तो वह पूरी तरह फिट न होने के कारण सनराइजर्स हैदराबाद के आखिरी आईपीएल लीग मैच में भी नहीं खेले थे।

लियोन को उम्मीद- एशेज में बेन स्टॉक्स की लेट होगी एंट्री

सिडनी, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिसंबर से शुरू होने वाले एशेज टेस्ट सीरीज में बेन स्टोक्स के खेलने को लेकर आस्ट्रेलिया के स्पिनर नाथन लियोन ने उम्मीद जताई है कि इंग्लैंड के मशहूर ऑल राउंडर बेन स्टोक्स की एशेज सीरीज में लेट एंट्री हो सकती है। बेन स्टोक्स इस समय सभी क्रिकेट फॉर्मेट से दूर है क्योंकि उन्होंने इस साल जुलाई से पहले उंगली की चोट के कारण और फिर मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण किसी भी स्तर का क्रिकेट न खेलने का फैसला किया था। इस कारण उन्हें एशेज के लिए इंग्लैंड की 17 सदस्यीय टीम से भी बाहर कर दिया गया है। इंग्लैंड के इस ऑलराउंडर ने पिछले हफ्ते नेट्स में बल्लेबाजी और गेंदबाजी करते हुए वीडियो जारी करने के बाद अंग्रेजी मीडिया में हलचल मचा दी थी। हालांकि इंग्लैंड टीम प्रबंधन ने स्टोक्स की टीम में वापसी के लिए कोई समयसीमा नहीं रखी है, लेकिन लियोन को उम्मीद है कि यह ऑलराउंडर एशेज के लिए ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एशेज मैचों के लिए आएगा।

हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2021 में कोई टीम कमजोर नहीं होगी : ग्राहम रीड

बेंगलुरु, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा है कि भारत में आगामी 24 नवंबर से शुरू होने वाले एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप भारत 2021 में कोई भी टीम कमजोर नहीं होगी। उन्होंने कहा कि खिलाडी भुवनेश्वर में घरेलू मैदान पर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्साहित हैं।

भारतीय टीम विश्व कप खिताब डिफेंड करने के लिए फिलहाल यहां भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) में आयोजित शिविर में बायो-बबल में रहते हुए प्रशिक्षण ले रही है। टीम के प्रशिक्षण की देखरेख कर रहे मुख्य कोच रीड ने यहां गुरुवार को एक बयान में कहा, खिलाडियों में निश्चित रूप से बहुत उत्साह है और थोडी चिंता भी है, क्योंकि हमें अभी अंतिम टीम का चयन करना है जो जूनियर विश्व कप में खेलेगी, लेकिन सभी खिलाडी बहुत उत्साहित भी हैं और भुवनेश्वर में खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि उन्होंने अपने वरिष्ठ हमवतनों से इस आयोजन स्थल के बारे में बहुत कुछ सुना है।

रीड ने पूल चरण और ग्रुप बी में भारत के

साथ मौजूद टीमों के बारे में कहा, विश्व कप जैसे टूर्नामेंट में किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। मैं हमेशा खिलाडियों से कहता हूं कि वे एक बार में एक मैच के बारे में ही सोचें और टूर्नामेंट में किसी भी बिंदु पर तब तक खुद को आगे न समझें जब तक हम वह हासिल नहीं कर लेते जो हमने निर्धारित किया है। हमारे लिए महत्वपूर्ण यह है कि हम भुवनेश्वर में कुछ अच्छे अभ्यास मैच खेलें, ताकि खिलाडियों को पिच का अहसास हो और मैं कुछ यूरोपीय टीमों के कोचों से बात कर रहा हूं, ताकि यह देखा जा सके कि भुवनेश्वर पहुंचने पर हम उनके साथ मैत्री खेल सकते हैं या नहीं।

2017 से भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के साथ रहे कोच बीजे करियप्पा ने रीड के विचारों पर कहा, यह एक प्रतिभाशाली समूह है और भुवनेश्वर में एक अच्छी चुनौती देने के लिए तैयार है। हमारी तैयारियों के बारे में अच्छी बात यह है कि जूनियर और सीनियर दोनों पुरुष टीमों को यहां साई, बेंगलुरु में एक ही परिसर में रखा गया है, इसलिए हमें सीनियर टीम के साथ बहुत सारे आंतरिक मैच खेलने को मिले हैं। समूह में ऊर्जा बहुत अच्छी है और हर एक दूसरे खिलाडी को रोजाना प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस समूह में अच्छे कौशल वाले कुछ प्रतिभाशाली खिलाडी हैं। मेरा मानना है कि हम भुवनेश्वर में चुनौती के लिए तैयार हैं।

उल्लेखनीय है कि भारतीय टीम को फ्रांस, कनाडा और पोलैंड के साथ पूल बी में रखा गया है। भारत 24 नवंबर को फ्रांस के खिलाफ मैच के साथ अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगा, जबकि दूसरा मैच 25 नवंबर को कनाडा और तीसरा मैच 27 नवंबर को पोलैंड के साथ खेला जाएगा। एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2021 में अन्य 15 टीमों में अर्जेंटीना, बेल्जियम, कनाडा, चिली, मिस्र, फ्रांस, जर्मनी, कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, पोलैंड, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, नीदरलैंड और अमेरिका शामिल है।